website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक

रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 273 | पेज: 8 | जयपुर, बुधवार 10 सितम्बर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

राष्ट्रपति मुर्मु और पीएम मोदी ने सीपी राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति बनने पर दी बधाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। सी.पी. राधाकृष्णन मंगलवार को देश के 15वें उपराष्ट्रपति के रूप में चुने गए हैं। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के उम्मीदवार के रूप में उन्होंने उपराष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल की। उन्हें कुल 452 मत मिले। इस मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए राधाकृष्णन को बधाई दी और कहा कि सार्वजनिक जीवन में उनके दशकों का अनुभव राष्ट्र की प्रगति में सहायक होगा। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी एक्स पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राधाकृष्णन का जीवन समाज सेवा और गरीबों व वंचितों को सशक्त बनाने के लिए समर्पित रहा है और वे एक उत्कृष्ट उपराष्ट्रपति साबित होंगे। चुनाव आयोग के मुताबिक इस चुनाव में कुल वोटर संख्या 788 थी, लेकिन 7 पद रिक्त होने के कारण प्रभावी संख्या 781 रही। आज मंगलवार को हुए मतदान में 768 सांसदों ने वोट डाला, जबकि 13 सदस्य अनुपस्थित रहे। अनुपस्थित रहने वालों में बीआरएस के 4, बीजद के 7, शिरोमणि अकाली दल के 1 और एक निर्दलीय सांसद शामिल थे। वहीं गृहमंत्री अमित शाह ने राधाकृष्णन को बधाई देते हुए कहा कि उनकी दूरदर्शिता और प्रशासनिक ज्ञान हमारे संसदीय लोकतंत्र को मजबूती देगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लिखा कि राधाकृष्णन का अनुभव, संवैधानिक और विधायी मामलों की समझ तथा जनता के साथ जुड़ाव उनकी नई भूमिका को और सशक्त बनाएगा। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने भी शुभकामनाएं दीं और कहा कि उनकी लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता भारत की आवाज को वैश्विक स्तर पर और मजबूत करेगी। इस प्रकार एनडीए समर्थित उम्मीदवार सी.पी. राधाकृष्णन देश के नए उपराष्ट्रपति बने और सभी नेताओं ने उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दी हैं।

दिल्ली सरकार बाढ़ प्रभावित परिवारों को देगी जरूरी सुविधाएं

-किसानों को भी नुकसान की भरपाई का भरोसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को यमुना नदी की बाढ़ स्थिति और आगामी त्योहारों की तैयारियों को लेकर मीडिया से बातचीत की। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार ने बाढ़ से निपटने में बेहतर काम किया है और प्रभावित किसानों को नुकसान की भरपाई की जाएगी। साथ ही, बाढ़ से विस्थापित लोगों को घरों में पुनर्वास के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।

इस दौरान, रेखा गुप्ता ने आगामी त्योहारों जैसे दुर्गा पूजा, दीपावली और छठ की तैयारियों की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा की तरह ही इन आयोजनों को भव्य और व्यवस्थित ढंग से आयोजित किया जाएगा। इसके लिए सिंगल विंडो सिस्टम लागू किया जाएगा, ताकि रामलीला और दुर्गा पूजा समितियों को किसी परेशानी का सामना न करना पड़े। अधिकारियों को इस संबंध में निर्देश जारी किए गए हैं।

सीएम गुप्ता ने शालीमार बाग में मुनक नहर पर हुई दुखद दुर्घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने पीड़ित परिवारों से मुलाकात की और प्रत्येक प्रभावित परिवार को आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। साथ ही, भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए मुनक नहर के किनारों को पूरी तरह बैरिकेड करने के निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने कहा, "नगर में जो बच्चे गिर गए थे, उनके परिजनों से मुलाकात की है। हमने उन परिवारों को सहायता राशि देने की बात कही है।" रेखा गुप्ता ने यह भी जानकारी दी कि मुनक नहर के मेंटेनेंस की जिम्मेदारी पहले हरियाणा सरकार के पास थी, लेकिन इस बार दिल्ली सरकार ने मेंटेनेंस का काम अपने हाथ में लिया है।

मुख्यमंत्री ने कारोबारियों को जीएसटी रिफंड का आश्वासन दिया। इसके साथ ही, रेखा गुप्ता ने कहा कि सरकार पूरी ईमानदारी से दिल्ली की जनता की सेवा में जुटी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि दिल्ली को फिर से सामान्य स्थिति में लाने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जाएंगे।

सीएम रेखा गुप्ता ने यह भी कहा कि बाढ़ की स्थिति में दिल्ली सरकार के अधिकारियों ने बहुत अच्छा काम किया है। जो अधिकारी बेहतर काम कर रहे हैं, उनको प्रोत्साहन की जरूरत है। दिल्ली सरकार साल में एक बार कार्यक्रम आयोजित करेगी, जिसमें जनता के लिए काम करने वाले हर कैटेगरी के बेस्ट अधिकारी को सम्मानित किया जाएगा।

इससे पहले, आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि बाढ़ से सबसे ज्यादा गरीब लोग प्रभावित हुए हैं। उन्होंने दिल्ली सरकार से राहत उपायों को तुरंत लागू करने की अपील की।

दिल्ली विधानसभा की नेता प्रतिपक्ष और आम आदमी पार्टी (आप) की विधायक आतिशी ने बाढ़ प्रभावितों के लिए तत्काल राहत की मांग की। उन्होंने मुख्यमंत्री से प्रत्येक प्रभावित परिवार के एक वयस्क सदस्य को 18,000 रुपए की आर्थिक सहायता, संपत्ति के नुकसान का मुआवजा, और किसानों को 20,000 रुपए प्रति एकड़ की दर से मुआवजा देने की अपील की।

पंजाब बाढ़ राहत : पीएम मोदी ने की 1,600 करोड़ रुपए की आर्थिक मदद की घोषणा

-अनाथ बच्चों को मिलेगा PM CARES का सहारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को बाढ़ और प्राकृतिक आपदाओं से जूझ रहे पंजाब और हिमाचल प्रदेश के लिए बड़ी आर्थिक मदद का ऐलान किया। उन्होंने पंजाब को 1,600 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता देने की घोषणा की, जो राज्य को पहले से उपलब्ध 12,000 करोड़ रुपये के अतिरिक्त होगी। वहीं हिमाचल प्रदेश के लिए भी उन्होंने 1,500 करोड़ रुपये की मदद की घोषणा की।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पंजाब को SDRF (स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फंड) की दूसरी किस्त अग्रिम रूप से जारी की जाएगी। साथ ही किसानों के लिए पीएम किसान सम्मान निधि की किस्त भी तुरंत उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने बाढ़ और भूस्खलन से जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को 2 लाख रुपये और गंभीर रूप से घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की।

पीएम मोदी ने बताया कि बाढ़ और भूस्खलन से अनाथ हुए बच्चों को PM CARES for Children योजना के तहत दीर्घकालिक सहयोग मिलेगा। प्रधानमंत्री ने पंजाब के प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण किया और फिर अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों के साथ राहत और पुनर्वास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि पीएम आवास योजना से घरों का पुनर्निर्माण, राष्ट्रीय राजमार्गों की मरम्मत, स्कूलों का पुनर्निर्माण, PMNRF से सहायता और पशुओं के लिए मिनी किट वितरण जैसी बहुआयामी योजनाएं शुरू की जाएंगी।

किसानों के लिए विशेष पैकेज की घोषणा करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि जिनके पास बिजली कनेक्शन नहीं है, उन्हें अतिरिक्त सहायता दी जाएगी। बाढ़ से प्रभावित बोरवेल और पंपों की मरम्मत के लिए राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत मदद दी जाएगी। वहीं डीजल पंपों को सौर ऊर्जा से जोड़ने और माइक्रो-इरिगेशन को बढ़ावा देने के लिए MNRE और प्रति बूंद अधिक फसल (Per Drop More Crop) योजना के तहत सहयोग मिलेगा।

ग्रामीण क्षेत्रों में क्षतिग्रस्त मकानों को विशेष परियोजना के तहत फिर से बनाया जाएगा। वहीं, क्षतिग्रस्त सरकारी स्कूलों को समग्र शिक्षा अभियान से आर्थिक सहायता दी जाएगी। पानी की समस्या को दूर करने के लिए जल संचय जनभागीदारी कार्यक्रम के तहत क्षतिग्रस्त जल संरचनाओं की मरम्मत और नई संरचनाओं का निर्माण होगा, ताकि वर्षा जल संचयन और दीर्घकालिक जल सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। इसके अलावा केंद्र सरकार ने पंजाब भेजी गई अंतर-मंत्रालयी केंद्रीय टीमों को नुकसान का आकलन करने का निर्देश दिया है। उनकी विस्तृत रिपोर्ट के आधार पर आगे और वित्तीय सहायता पर विचार किया जाएगा।

प्रधानमंत्री ने प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की और कहा कि केंद्र सरकार राज्य सरकारों के साथ मिलकर हर संभव मदद करेगी। उन्होंने एनडीआरएएफ, एसडीआरएफ सेना और राज्य प्रशासन की राहत कार्यों में तत्परता की सराहना की। इससे पहले दिन में प्रधानमंत्री मोदी ने हिमाचल प्रदेश का दौरा किया, जहां उन्होंने हवाई सर्वेक्षण कर हालात का जायजा लिया और समीक्षा बैठक भी की। हिमाचल में भी मृतकों के परिजनों को 2 लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की गई।

एयर इंडिया और इंडिगो ने नेपाल में तनाव बढ़ने पर काठमांडू की उड़ानें कीं रद्द

नई दिल्ली(एजेंसी)। एयर इंडिया और इंडिगो ने मंगलवार को पड़ोसी देश नेपाल में जेन जी के विरोध प्रदर्शनों से गहराई अराजकता की स्थिति को देखते हुए दिल्ली और काठमांडू के बीच अपनी उड़ानें रद्द कर दी हैं। एयर इंडिया ने अपने एक बयान में कहा, "काठमांडू में मौजूदा स्थिति को देखते हुए, दिल्ली-काठमांडू-दिल्ली रूट की उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। इन उड़ानों में एआई2231/2232, ए आ ई 2219/2220, एआई217/218 और एआई211/212 शामिल हैं।"

इंडिगो ने कहा कि काठमांडू में मौजूदा स्थिति को देखते हुए, हवाई अड्डे को परिचालन के लिए बंद कर दिया गया है

एयर इंडिया के एक प्रवक्ता ने कहा, "हम स्थिति पर कड़ी नजर रख रहे हैं और जल्द आगे की जानकारी साझा करेंगे। एयर इंडिया में हम हमारे यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हैं।" इंडिगो ने कहा कि काठमांडू में मौजूदा स्थिति को देखते हुए, हवाई अड्डे को परिचालन के लिए बंद कर दिया गया है। एयरलाइन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "काठमांडू आने-जाने वाली सभी उड़ानें फिलहाल स्थगित हैं। अगर आपकी यात्रा प्रभावित होती है तो आप सुविधाजनक रूप से कोई वैकल्पिक उड़ान चुन सकते हैं या हमारी वेबसाइट पर जाकर रिफंड का दावा कर सकते हैं।"

ग्राहकों को सलाह दी जाती है कि वे लेटेस्ट अपडेट के लिए हमारे आधिकारिक चैनल देखते रहें

इंडिगो ने कहा, "हम घटनाक्रम पर कड़ी नजर रख रहे हैं और जल्द से जल्द परिचालन फिर से शुरू करने के लिए स्थानीय अधिकारियों के साथ कॉर्डिनेट कर रहे हैं। ग्राहकों को सलाह दी जाती है कि वे लेटेस्ट अपडेट के लिए हमारे आधिकारिक चैनल देखते रहें। हम सामान्य परिचालन की बहाली की प्रतीक्षा कर रहे हैं और आपके धैर्य के लिए तहे दिल से आपका आभार व्यक्त करते हैं।"

नेपाल के प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली ने सोमवार को 19 प्रदर्शनकारियों की हत्या के बाद दूसरे दिन विरोध प्रदर्शन तेज होने पर अपने पद से इस्तीफा दे दिया

इस बीच, नेपाल के प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली ने सोमवार को 19 प्रदर्शनकारियों की हत्या के बाद दूसरे दिन विरोध प्रदर्शन तेज होने पर अपने पद से इस्तीफा दे दिया। नेपाल में जेन जी भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया पर बैन की जवाबदेही की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। प्रदर्शन के पहले दिन ही कई लोगों की मौत हो गई। इससे गुस्साए देश भर के प्रदर्शनकारियों ने नेताओं के घरों और सरकारी इमारतों पर हमला करना शुरू कर दिया।

मंगलवार को प्रदर्शनकारियों ने काठमांडू में संसद भवन में घुसकर आग लगा दी

मंगलवार को प्रदर्शनकारियों ने काठमांडू में संसद भवन में घुसकर आग लगा दी। प्रदर्शनकारियों ने सोमवार को भी इमारत को नुकसान पहुंचाने की असफल कोशिश की थी, जिसके बाद पुलिस की कड़ी कार्रवाई में कई लोगों की मौत हो गई थी।भारत ने कहा कि नेपाल में बदलते और बिगड़ते हालातों पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी कोलकाता में हाई-टेक ईवी टेस्टिंग सुविधा का बुधवार को करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत के सस्टेनेबल गतिशीलता को बढ़ावा देने और कार्बन उत्सर्जन को कम करने के मिशन के अनुरूप केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी बुधवार को कोलकाता के अलीपुर क्षेत्रीय प्रयोगशाला में स्टेट-ऑफ द आर्ट इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) टेस्टिंग सुविधा का वर्चुअली उद्घाटन करेंगे।

एडवांस्ड इंफ्रास्ट्रक्चर से सुसज्जित यह लैब ईवी बैटरियों और उनके घटकों पर टेस्टिंग की सुविधा के काम आएगी

एडवांस्ड इंफ्रास्ट्रक्चर से सुसज्जित यह लैब ईवी बैटरियों और उनके घटकों पर टेस्टिंग की सुविधा के काम आएगी, जिनमें इलेक्ट्रिक सेफ्टी, एफसीसी/आईएसईडी अनुपालन, कार्यात्मक सुरक्षा, ड्यूरेबिलिटी, क्लाइमेट टेस्ट (आईपी, यूवी, कोरोजन) और मैकेनिकल एवं भौतिक सुरक्षा शामिल हैं।

यह सुविधा ईवी क्वालिटी आश्वासन का राष्ट्रीय मानक बनेगी, जिससे निर्माताओं को शीघ्र दोष पहचान, उत्पाद विश्वसनीयता और सुरक्षा-नियम अनुपालन में मदद मिलेगी

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, यह सुविधा ईवी बैटरी निर्माताओं, विशेष रूप से पूर्वी भारत को विश्वसनीय, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त टेस्टिंग और सर्टिफिकेशन प्रदान करेगी, जिससे उत्पाद सुरक्षा, प्रदर्शन और नियामक अनुपालन सुनिश्चित होगा। यह सुविधा ईवी क्वालिटी आश्वासन के लिए एक राष्ट्रीय मानक के रूप में काम करेगी, जिससे निर्माताओं को शीघ्र दोष पहचान, उत्पाद विश्वसनीयता में वृद्धि और कड़े सुरक्षा एवं प्रदर्शन नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

ईवी यूजर्स के बीच आत्मविश्वास बढ़ेगा और भारत की ग्रीन मोबिलिटी की ओर यात्रा में तेजी आएगी

इससे ईवी यूजर्स के बीच आत्मविश्वास बढ़ेगा और भारत की ग्रीन मोबिलिटी की ओर यात्रा में तेजी आएगी। इस सुविधा की स्थापना एक मजबूत ईवी इकोसिस्टम बनाने, आयात पर निर्भरता कम करने और किफायती परीक्षण सेवाओं के साथ घरेलू निर्माताओं को सशक्त बनाने की भारत सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

ईवी इको-फ्रेंडली मोबिलिटी समाधानों की ओर वैश्विक परिवर्तन में सबसे आगे हैं

बयान में कहा गया है कि इस सुविधा के साथ एनटीएच भारत के सस्टेनेबल परिवहन में एक प्रमुख प्रवर्तक और क्वालिटी एश्योरेंस इंफ्रास्ट्रक्चर में एक ग्लोबल लीडर के रूप में अपनी भूमिका को मजबूत करता है। ईवी इको-फ्रेंडली मोबिलिटी समाधानों की ओर वैश्विक परिवर्तन में सबसे आगे हैं और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने और उत्सर्जन कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

इजरायल को ट्रंप का प्रस्ताव स्वीकार, विदेश मंत्री सार बोले, 'कल ही गाजा में जंग होगी खत्म, बस दो शर्त'

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायली विदेश मंत्री गिदोन सार ने क्रोएशिया में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि इजरायल ने गाजा में बंधकों की रिहाई और युद्धविराम समझौते के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नवीनतम प्रस्ताव को "हां" कह दिया है।

हम कैबिनेट के फैसले के आधार पर युद्ध समाप्ति को लेकर समझौते को स्वीकार करने के लिए तैयार हैं: सार

सार ने कहा, "गाजा में जंग कल खत्म हो सकती है। हम कैबिनेट के फैसले के आधार पर युद्ध समाप्ति को लेकर समझौते को स्वीकार करने के लिए तैयार हैं।" उन्होंने आगे कहा कि युद्ध समाप्त करने के लिए इजरायल सरकार की दो शर्तें हैं-पहला, सभी इजरायली बंधकों की रिहाई और दूसरा हमास अपने हथियार डाल दे।

हमास का निरस्त्रीकरण गाजावासियों और वहां के फिलिस्तीनियों के लिए एक बेहतर भविष्य सुनिश्चित करता है

हमास को "फिलिस्तीनियों और इस क्षेत्र के लिए एक समस्या" बताते हुए कहा कि हमास का निरस्त्रीकरण "गाजावासियों और वहां के फिलिस्तीनियों के लिए एक बेहतर भविष्य सुनिश्चित करता है।"

इजरायली मीडिया के मुताबिक अमेरिका और इजरायल ने अभी तक इस प्रस्ताव के बारे में विस्तार से नहीं बताया है, हालांकि कुछ कथित विवरण प्रेस में लीक हो गए हैं, जिनमें फिलिस्तीनी कैदियों के बदले गाजा में बंद सभी बंधकों की तत्काल रिहाई और इजरायल की ओर से लड़ाई फिर न शुरू करने का समझौता शामिल है।

नए प्रस्ताव के तहत, इजरायल की गाजा से वापसी धीरे-धीरे होगी, लेकिन ज्यादातर युद्धविराम की शुरुआत में ही होगी

इजरायल के चैनल 12 न्यूज ने रविवार को बताया था कि नए प्रस्ताव के तहत, इजरायल की गाजा से वापसी धीरे-धीरे होगी, लेकिन ज्यादातर युद्धविराम की शुरुआत में ही होगी। नेटवर्क के अनुसार, वार्ताकारों के पास हमास के निरस्त्रीकरण, इजरायल की वापसी की बारीकियों और गाजा के लिए एक वैकल्पिक सरकार पर सहमति बनाने के लिए 60 दिन या जितना समय लगे उतना समय होगा।

Apple नई iPhone 17 सीरीज को करेगा लॉन्च, नई स्मार्टवॉच का भी हो सकता है अनावरण

नई दिल्ली(एजेंसी)। ऐपल मंगलवार को "अवे ड्रॉपिंग" ईवेंट में नई आईफोन 17 (iPhone 17) सीरीज को लॉन्च कर रहा है। इस सीरीज में iPhone 17, 17 एयर और आईफोन 17 प्रो हो सकते हैं। इसके अलावा, इवेंट में ऐपल एयरपॉड्स और एप्पल वॉच सीरीज 11 का भी अनावरण किया जा सकता है। नई आईफोन सीरीज में ऐपल की ए19 और ए19 प्रो चिप का इस्तामेल होने की उम्मीद है। इससे यूजर्स को तेज परफॉरमेंस मिलेगी और साथ ही कई नए फीचर्स मिलेंगे।

नए आईफोन 17 (iPhone 17) की डिजाइन काफी हद तक आईफोन 16 जैसी ही हो सकती है। कंपनी का इस बार फोकस आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस को एकीकृत करने और यूजर्स के अनुभव को सुधारने पर हो सकता है। इस इवेंट में ऐपल एक पतले एयर मॉडल को भी लॉन्च कर सकता है, जिसकी मोटाई 5.5 मिलीमीटर से कम होगी। इसके जरिए कंपनी की कोशिश अपनी प्रोडक्ट रेंज का विस्तार करना है। कंपनी अपने आईफोन में ज्यादा ए आ ई-संचालित क्षमताओं को एकीकृत करने के लिए तैयार कर रही है, हालांकि कुछ बड़े अपडेट, जैसे कि अधिक स्मार्ट सिरी असिस्टेंट, अगले साल के लिए शेड्यूल्ड हैं। आईफोन 16, ऐपल की ओर से एआई सुविधाओं की व्यापक श्रृंखला के लिए डिजाइन किया गया पहला फोन था।

पिछले महीने ऐपल के शेयरों में जबरदस्त तेजी देखी गई। इसकी वजह कंपनी के नए लॉन्च को लेकर निवेशकों का उत्साह था। विश्लेषकों का अनुमान है कि 2026 में बिक्री लगभग 2 प्रतिशत बढ़कर 23.2 करोड़ आईफोन हो सकती है, जिससे कंपनी को अपने सर्विस बिजनेस में स्थिर वृद्धि बनाए रखने में मदद मिलेगी।

भारत, ऐपल के लिए एक उभरता हुआ बाजार है। कंपनी तेजी से यहां रिटेल स्टोर का विस्तार कर रही है। साथ ही कंपनी अपने वेंडर्स के जरिए देश को एक स्मार्टफोन मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में विकसित कर रही है।

वेस्टेड फाइनेंस के संस्थापक और सीईओ विराम शाह ने कहा, "किसी समय भारत भी ऐपल के लिए वैसी ही भूमिका निभाना शुरू कर सकता है, जैसी चीन ने निभाई है, जो कंपनी के विकास के लिए स्पष्ट रूप से सकारात्मक होगा।"

भारतीय सशस्त्र बलों का 65 सदस्यीय दल रूस के लिए रवाना

-संयुक्त सैन्य अभ्यास 'जापाद 2025' में होगा शामिल

नई दिल्ल (एजेंसी)। भारतीय सशस्त्र बलों का 65 सदस्यीय दल आज रूस के निझनी स्थित मुलिनो ट्रेनिंग ग्राउंड के लिए रवाना हुआ। यह दल बहुपक्षीय संयुक्त सैन्य अभ्यास 'जापाद 2025' में भाग लेगा, जो 10 से 16 सितंबर 2025 तक आयोजित होगा। इस दल में 57 सैनिक भारतीय थल सेना से, 7 वायु सेना से और 1 नौसेना से शामिल हैं। थल सेना का नेतृत्व कुमाऊं रेजिमेंट की एक बटालियन कर रही है, जिनके साथ अन्य कोर और सेवाओं के सैनिक भी मौजूद हैं। इस अभ्यास का उद्देश्य सैन्य सहयोग को बढ़ाना, विभिन्न सेनाओं के बीच बेहतर तालमेल बनाना और पारंपरिक युद्ध व आतंकवाद-रोधी अभियानों के लिए रणनीति, तकनीक और प्रक्रियाओं का आदान-प्रदान करना है। इस दौरान खुली और समतल जमीन पर संयुक्त कंपनी स्तर के अभियानों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। सैनिक संयुक्त योजना, सामरिक अभ्यास, विशेष हथियारों के कौशल और आधुनिक तकनीकों के इस्तेमाल में प्रशिक्षण लेंगे। 'जापाद 2025' भारतीय सेना के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है, जिसमें बहुराष्ट्रीय माहौल में संचालन क्षमता को निखारने और नए अनुभव साझा करने का मौका मिलेगा। इस अभ्यास से भारत और रूस के बीच रक्षा सहयोग और आपसी विश्वास और मजबूत होगा।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

ट्रैफिक सुधार के समग्र प्रयासों को देनी होगी गति

भारत जैसे विशाल और जनसंख्या बहुल देश में सड़कें जीवन का आधार हैं। रोज़ाना करोड़ों लोग दफ़्तर, स्कूल, कारोबार या यात्रा के लिए इन सड़कों का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन चिंता की बात यह है कि सड़कें जितनी तेज़ी से भीड़भाड़ का बोझ झेल रही हैं, उतनी ही तेज़ी से हादसों की संख्या भी बढ़ती जा रही है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट हो या अलग-अलग राज्यों की यातायात शाखा की समीक्षा, हर जगह यह साफ़ नज़र आता है कि सड़क हादसों के सबसे बड़े कारणों में यातायात नियमों की अवहेलना शीर्ष पर है। तेज़ रफ़्तार से गाड़ी चलाना, नशे की हालत में ड्राइविंग, रेड लाइट तोड़ना, मोबाइल फोन पर बात करते हुए वाहन चलाना और बिना हेलमेट या सीट बेल्ट के सफ़र करना ऐसी लापरवाहियाँ हैं जिनकी कीमत कई परिवार हर रोज़ जान गंवाकर चुकाते हैं। देश के छोटे-बड़े शहरों में ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। महानगरों में जहां ट्रैफिक का दबाव ज़्यादा है, वहीं छोटे कस्बों और ग्रामीण इलाक़ों में भी नियमों की अनदेखी आम हो चुकी है। ग़ौर करने वाली बात यह है कि जितनी तेजी से उल्लंघन बढ़ा है, उतनी ही तेजी से दंडात्मक कार्रवाई भी बढ़ी है। पुलिस और प्रशासन के पास अब पहले से कहीं अधिक आधुनिक तकनीक उपलब्ध है। इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) जैसे कैमरे और डिजिटल नज़रदारी के साधन इस दिशा में बड़ी भूमिका निभा रहे हैं। अब चालान काटने के लिए ट्रैफिक पुलिस को हर जगह मौजूद रहने की ज़रूरत नहीं है, बल्कि मशीनें अपने आप ग़लतियों को पकड़ लेती हैं। इस तकनीक का सबसे बड़ा फायदा यह है कि इसमें आम और खास का फर्क मिट गया है। पहले यह माना जाता था कि प्रभावशाली लोग, नेता या रसूखदार लोग आसानी से बच निकलते हैं, लेकिन अब आईटीएमएस ने इस भ्रांति को तोड़ दिया है। हाल ही में कर्नाटक के मुख्यमंत्री से सात बार यातायात नियम तोड़ने पर वसूला गया जुर्माना इसका बेहतरीन उदाहरण है। जब बड़े पदों पर बैठे लोगों पर भी कार्रवाई होती है तो आम आदमी के मन में न्याय और संतोष का भाव पैदा होता है। यह संदेश भी समाज में जाता है कि कानून सबके लिए बराबर है। हालाँकि, तस्वीर का दूसरा पहलू इतना संतोषजनक नहीं है। नियमों की अनदेखी पर जुर्माना वसूल लेना भर ही समस्या का समाधान नहीं है। असली चुनौती है उस बेतरतीब ट्रैफिक को दुरुस्त करना, जिसकी वजह से हादसे होते हैं। सड़कों पर अचानक बने अवैध कट, टूटी हुई लेनें, जगह-जगह गड्ढे, अतिक्रमण, सड़क किनारे खड़े वाहन और बिना योजना के बढ़ता यातायात दबाव बड़े कारण हैं जिनकी तरफ जिम्मेदार संस्थाएँ शायद ही कभी ध्यान देती हैं। कई बार किसी बड़े हादसे के बाद जांच बैठती है, रिपोर्ट बनती है, लेकिन समय बीतते ही सब कुछ फाइलों में दब जाता है। सुधार की प्रक्रिया केवल खानापूर्ति बनकर रह जाती है। जरूरी यह है कि सड़क सुरक्षा को सिर्फ दंडात्मक कार्रवाई तक सीमित न रखा जाए।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद: जब वैश्विक मंचों पर सब भारत को सुन रहे हैं, तो निर्णय की कुर्सी पर अब तक मौन क्यों?

-भारत की बढ़ती वैश्विक हैसियत: क्यों है स्थायी सदस्यता ज़रूरी?

भारत आज विश्व राजनीति का वह नाम है, जिसे अनसुना करना किसी भी महाशक्ति के लिए संभव नहीं रहा। कभी औपनिवेशिक गुलामी में जकड़ा यह देश आज न केवल एशिया की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक शक्ति है, बल्कि वैश्विक कूटनीति और अर्थव्यवस्था में भी अपनी निर्णायक उपस्थिति दर्ज करवा चुका है। प्रश्न यह नहीं कि भारत की आवाज़ सुनी जा रही है या नहीं; बल्कि वास्तविक प्रश्न यह है कि जब दुनिया भारत को ध्यान से सुन रही है, तब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) जैसी निर्णायक संस्था में भारत को अब तक स्थायी सदस्यता क्यों नहीं मिली? यह सवाल केवल भारत का ही नहीं, बल्कि उस पूरे लोकतांत्रिक ढांचे और वैश्विक व्यवस्था का भी है, जो आज न्यायपूर्ण विश्व-व्यवस्था की मांग कर रहा है।

संयुक्त राष्ट्र और सुरक्षा परिषद की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

संयुक्त राष्ट्र (UN) की स्थापना 1945 में द्वितीय विश्वयुद्ध की समाप्ति के बाद हुई। इसका उद्देश्य था—विश्व शांति बनाए रखना, अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना और वैश्विक संघर्षों का समाधान खोजना।

सुरक्षा परिषद को इस संगठन का सबसे शक्तिशाली अंग बनाया गया।

इसमें कुल 15 सदस्य हैं: 10 अस्थायी (दो वर्ष के लिए चुने जाते हैं) और 5 स्थायी सदस्य (P-5) जिनके पास वीटो अधिकार है। ये पांच देश हैं: अमरीका, रूस (सोवियत संघ के उत्तराधिकारी के रूप में), चीन, ब्रिटेन और फ्रांस। 1945 की परिस्थितियों में इन देशों का वर्चस्व सही भी था क्योंकि वही युद्ध में विजयी और परमाणु क्षमता से लैस शक्तियां थीं। उस समय भारत ब्रिटिश उपनिवेश था और स्वतंत्रता का सपना ही देख रहा था।

भारत की भूमिका: प्रारंभिक योगदान से लेकर वर्तमान तक

भारत ने संयुक्त राष्ट्र की स्थापना से लेकर अब तक लगातार अपनी सक्रिय भूमिका निभाई है। संस्थापक सदस्य: 1945 में भारत UN का संस्थापक सदस्य बना। शांति मिशन: भारत ने कोरिया, कांगो, सूडान, सोमालिया, लेबनान, हैती सहित कई देशों में शांति सैनिक भेजे। आज तक भारत 2 लाख से अधिक सैनिक शांति अभियानों में भेज चुका है। गुटनिरपेक्ष आंदोलन (NAM): शीत युद्ध के दौर में भारत ने निर्गुट नीति अपनाकर वैश्विक राजनीति में एक वैकल्पिक मंच दिया। परमाणु शक्ति: 1974 और 1998 के परीक्षणों के बाद भारत ने खुद को परमाणु शक्ति घोषित किया। वैश्विक मंचों पर नेतृत्व: जलवायु परिवर्तन, सतत विकास, आतंकवाद, साइबर सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भारत की राय को गंभीरता से लिया जाता है।

भारत की वैश्विक हैसियत: क्यों जरूरी है UNSC में स्थायी सदस्यता?

भारत की स्थिति अब 1945 वाली नहीं है। आज कई कारण हैं, जो भारत को स्थायी सदस्यता के योग्य बनाते हैं—

जनसंख्या और लोकतंत्र: भारत विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक शक्ति है। 140 करोड़ की आबादी के साथ यह संयुक्त राष्ट्र का लगभग 18% प्रतिनिधित्व करता है। लोकतांत्रिक ढांचे में इतनी बड़ी संख्या की अनदेखी किसी भी दृष्टिकोण से उचित नहीं।

आर्थिक शक्ति: भारत 2024 तक विश्व की पाँचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। IT, फार्मा, मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर में इसकी भूमिका निर्णायक है। वैश्विक व्यापार और निवेश में भारत की हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है।

सामरिक और सैन्य क्षमता: भारत के पास 14 लाख सक्रिय सैनिक हैं, जो विश्व में दूसरे स्थान पर आते हैं। परमाणु हथियार और अंतरिक्ष तकनीक ने भारत की रक्षा क्षमता को मजबूत किया है। हिंद महासागर में भारत की नौसैनिक ताकत एशिया की सुरक्षा संतुलन में निर्णायक है।

वैश्विक कूटनीति: G20 की अध्यक्षता, BRICS और SCO जैसे मंचों पर सक्रिय भूमिका। क्वाड (अमरीका, जापान, ऑस्ट्रेलिया, भारत) में भागीदारी। वैश्विक दक्षिण (Global South) की आवाज़ उठाने में भारत का नेतृत्व।

मौजूदा बाधाएँ: क्यों नहीं मिली स्थायी सदस्यता?

वीटो क्लब की राजनीति: P-5 देश अपनी विशेषाधिकार प्राप्त स्थिति छोड़ना नहीं चाहते। भारत को शामिल करने का मतलब है—शक्ति संतुलन में बदलाव।

चीन का विरोध: चीन भारत का सबसे बड़ा अवरोधक है। सीमा विवाद, पाकिस्तान को समर्थन, और एशिया में भारत की बढ़ती भूमिका चीन को असहज करती है।

आंतरिक विरोधाभास: UNSC सुधार पर सहमति नहीं बन पा रही। अफ्रीकी, लैटिन अमेरिकी और अन्य एशियाई देशों का तर्क है कि केवल भारत को शामिल करना पर्याप्त नहीं; अन्य क्षेत्रों से भी प्रतिनिधित्व होना चाहिए।

पश्चिमी राजनीति: अमरीका ने भारत का समर्थन किया है, परंतु हमेशा शर्तों के साथ। ब्रिटेन और फ्रांस समर्थन करते हैं, लेकिन रूस और चीन का विरोध संतुलन बिगाड़ देता है।

वैश्विक मंचों पर भारत की आवाज़: मौन क्यों?

प्रश्न यह है कि जब सब भारत को सुन रहे हैं, तो स्थायी सदस्यता क्यों नहीं? राजनीतिक जड़ता: 1945 की व्यवस्था अब भी जस की तस बनी हुई है। सुधार प्रक्रिया का अभाव: UNGA (सामान्य सभा) में बार-बार प्रस्ताव तो आते हैं, लेकिन अमल नहीं होता। शक्ति संतुलन का डर: P-5 देशों को लगता है कि भारत के आने से उनके प्रभाव क्षेत्र में कमी आएगी।

भारत के प्रयास और कूटनीतिक रणनीति

भारत ने वर्षों से UNSC सुधार की मांग उठाई है। G4 समूह: भारत, जर्मनी, जापान और ब्राजील ने मिलकर स्थायी सदस्यता के लिए अभियान चलाया। लोक समर्थन: 100 से अधिक देशों ने भारत की उम्मीदवारी का समर्थन किया। साझेदारी नीति: अफ्रीकी और लैटिन अमेरिकी देशों से भारत संबंध मजबूत कर रहा है ताकि सुधार प्रक्रिया में सामूहिक दबाव बने।

आलोचनाएँ और चुनौतियाँ

भारत के खिलाफ कुछ आलोचनाएँ भी हैं— कश्मीर विवाद: पाकिस्तान और उसके समर्थक देश भारत की स्थायी सदस्यता को इस मुद्दे से जोड़ते हैं। गरीबी और असमानता: आलोचकों का तर्क है कि भारत को पहले अपने आंतरिक सामाजिक-आर्थिक हालात सुधारने चाहिए। सैन्य खर्च बनाम विकास खर्च: भारत पर आरोप है कि वह हथियारों पर अधिक खर्च करता है।

भविष्य की संभावनाएँ

भारत को स्थायी सदस्यता दिलाने के लिए कुछ बदलाव आवश्यक हैं— वैश्विक दबाव बनाना: भारत को 'ग्लोबल साउथ' की आवाज़ बनकर अधिक देशों को साथ लेना होगा। सुधार एजेंडा तेज करना: UNGA में सुधार प्रस्ताव को प्राथमिकता बनाना होगा। चीन से निपटना: चीन के विरोध को कम करने के लिए क्षेत्रीय और आर्थिक रणनीति अपनानी होगी। साझेदारी का विस्तार: अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के देशों को भी सुधार प्रक्रिया में स्थान दिलाने का प्रयास करना होगा।

अगर भारत स्थायी सदस्य बनता है तो क्या बदलेगा?

वैश्विक न्याय: जनसंख्या और लोकतंत्र का उचित प्रतिनिधित्व होगा। दक्षिण एशिया की स्थिरता: पाकिस्तान-चीन के दबावों को संतुलित किया जा सकेगा। वैश्विक मुद्दों पर नेतृत्व: जलवायु, आतंकवाद और डिजिटल सुरक्षा में भारत निर्णायक भूमिका निभा सकेगा। नई विश्व व्यवस्था: वैश्विक शक्ति संतुलन बहुध्रुवीय (multi-polar) होगा। भारत की कहानी अब किसी विकासशील राष्ट्र की नहीं रही, बल्कि एक ऐसी शक्ति की है, जो वैश्विक मंचों पर अपनी पहचान बना चुकी है। प्रश्न अब यह नहीं है कि भारत को स्थायी सदस्यता मिलनी चाहिए या नहीं, बल्कि यह है कि और कितनी देर दुनिया इस वास्तविकता को टालेगी? संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का वर्तमान ढांचा 1945 का है। परंतु 21वीं सदी की जरूरतें बिल्कुल अलग हैं। यदि UNSC खुद को प्रासंगिक बनाए रखना चाहता है, तो उसे सुधार करने होंगे और भारत को स्थायी सदस्यता देनी ही होगी। भारत मौन नहीं रहेगा। उसकी आवाज़ आज हर वैश्विक मंच पर गूंज रही है। अब समय है कि यह आवाज़ निर्णय की कुर्सी पर भी सुनी जाए।

भारत का सभ्यतागत दृष्टिकोण और आधुनिक नेतृत्व

भारत का सबसे बड़ा योगदान केवल उसकी सैन्य या आर्थिक ताकत नहीं है, बल्कि उसका सभ्यतागत दृष्टिकोण है। प्राचीन काल से ही भारत ने पूरी दुनिया को "वसुधैव कुटुम्बकम्" यानी सारी धरती एक परिवार है का संदेश दिया। यही कारण है कि आज जब दुनिया विभाजनों, युद्धों और कूटनीतिक खेमों में बंट रही है, तब भारत वैश्विक स्तर पर सेतु का काम कर रहा है। 2023 में जी20 शिखर सम्मेलन की मेज़बानी इसका ताज़ा उदाहरण है।

25 करोड़ से अधिक बीमाधारक अब भी जीएसटी के बोझ तले, पुनर्विचार की आवश्यकता

-व्यक्तिगत बीमा पर जीएसटी छूट, लेकिन समूह पॉलिसी बाहर क्यों?

भारत जैसे विशाल देश में बीमा केवल एक वित्तीय सुरक्षा नहीं बल्कि सामाजिक सुरक्षा का सबसे महत्वपूर्ण साधन है। असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों से लेकर संगठित क्षेत्र के कर्मचारियों तक, हर वर्ग के लिए बीमा पॉलिसियां जीवन और स्वास्थ्य संकट के समय सहारा बनती हैं। लंबे समय से यह मांग उठती रही है कि जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम को वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के दायरे से बाहर किया जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग बीमा सुरक्षा प्राप्त कर सकें। हाल ही में सरकार ने जीएसटी परिषद की बैठक में व्यक्तिगत जीवन बीमा और व्यक्तिगत स्वास्थ्य बीमा को जीएसटी से मुक्त करने का बड़ा फैसला लिया। यह कदम निश्चित रूप से स्वागत योग्य है। खासकर वरिष्ठ नागरिकों के लिए, जिनकी स्वास्थ्य बीमा पॉलिसियों पर प्रीमियम पहले से ही बेहद महंगे होते हैं, यह राहत किसी वरदान से कम नहीं है। लेकिन समस्या यह है कि यह राहत आंशिक है। सरकार ने व्यक्तिगत पॉलिसियों पर तो जीएसटी से छूट दी है, लेकिन समूह बीमा पॉलिसियों (Group Insurance Policies) को इससे बाहर रखा गया है। यही वह विसंगति है, जिसने देशभर में 25 करोड़ से अधिक बीमाधारकों को अब भी कर बोझ तले दबाए रखा है।

समूह बीमा और व्यक्तिगत बीमा: अंतर क्या है?

बीमा पॉलिसियों को broadly दो भागों में बांटा जा सकता है:

व्यक्तिगत बीमा (Individual Insurance): इसमें कोई व्यक्ति स्वयं अपनी या अपने परिवार की बीमा पॉलिसी खरीदता है। प्रीमियम और जीएसटी सीधा व्यक्ति की जेब से जाता है। उदाहरण: किसी परिवार ने अपने चार सदस्यों के लिए स्वास्थ्य बीमा लिया।

समूह बीमा (Group Insurance): इसमें किसी संस्था, नियोक्ता या संगठन की ओर से अपने सदस्यों/कर्मचारियों के लिए एक ही पॉलिसी ली जाती है। प्रीमियम का भुगतान अक्सर नियोक्ता और कर्मचारी मिलकर करते हैं, लेकिन जीएसटी अंततः व्यक्तिगत रूप से व्यक्ति पर ही पड़ता है। उदाहरण: किसी सरकारी या निजी कंपनी ने अपने सभी कर्मचारियों और सेवानिवृत्तों के लिए सामूहिक स्वास्थ्य बीमा लिया। समूह बीमा का उद्देश्य मितव्ययिता और सुलभता होता है। एक साथ बड़ी संख्या में लोगों के बीमा होने से प्रीमियम अपेक्षाकृत कम हो जाता है। यही कारण है कि यह व्यवस्था कर्मचारियों, मजदूरों और पेंशनभोगियों के बीच सबसे लोकप्रिय है।

सरकार का तर्क और छूट की सीमा

सरकार ने जो छूट दी है, वह केवल व्यक्तिगत बीमा पॉलिसियों तक सीमित है। इसके पीछे यह दलील दी जा रही है कि समूह बीमा की प्रकृति अलग है और इसमें कई बार नियोक्ता भी हिस्सेदारी करता है। लेकिन हकीकत यह है कि चाहे व्यक्तिगत पॉलिसी हो या समूह पॉलिसी – जीएसटी और प्रीमियम अंततः व्यक्तिगत व्यक्ति ही वहन करता है। उदाहरण के तौर पर, सरकारी बीमा कंपनियों के कर्मचारी और सेवानिवृत्त लोग देखें। उनकी स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी संस्था की ओर से ली जाती है, लेकिन उसका प्रीमियम और उस पर लागू 18% जीएसटी सीधे उनके वेतन या पेंशन से काटा जाता है। यानी राहत की सबसे ज्यादा जरूरत जिन्हें थी – वही इससे वंचित रह गए।

25 करोड़ से अधिक लोग अब भी बोझ तले

देश में समूह बीमा पॉलिसियों के दायरे में लगभग 25 करोड़ से अधिक बीमाधारक आते हैं। इनमें शामिल हैं:

सरकारी कर्मचारी, निजी क्षेत्र के कर्मचारी, सेवानिवृत्त पेंशनभोगी, बैंकिंग और बीमा सेक्टर के कर्मचारी, कई संगठनों और यूनियनों से जुड़े श्रमिक

इन सभी की बीमा पॉलिसियां समूह के रूप में होती हैं और इन पर 18% जीएसटी अब भी लागू है। यदि कोई सेवानिवृत्त कर्मचारी सालाना ₹40,000 का स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम देता है, तो उस पर लगभग ₹7,200 अतिरिक्त जीएसटी भी देना पड़ता है। यह बोझ खासकर वरिष्ठ नागरिकों और पेंशनधारकों के लिए असहनीय है।

वरिष्ठ नागरिकों पर असर

वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्वास्थ्य बीमा वैसे ही महंगा है, क्योंकि उम्र बढ़ने के साथ बीमा कंपनियां जोखिम प्रीमियम अधिक तय करती हैं। 60–70 वर्ष की आयु वालों के लिए स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम अक्सर ₹35,000 से ₹50,000 प्रति वर्ष तक होता है। 70 वर्ष से ऊपर वालों के लिए यह ₹70,000 से ₹1,00,000 तक पहुँच जाता है। इस पर 18% जीएसटी जोड़ने पर खर्च और बढ़ जाता है। अब यदि व्यक्तिगत पॉलिसी लेने वाला वरिष्ठ नागरिक छूट का लाभ उठा सकता है, तो वही समूह पॉलिसी में शामिल वरिष्ठ नागरिक – जिन्हें यह सुविधा अधिक जरूरी थी – अब भी जीएसटी अदा करने को मजबूर हैं। यह सीधी-सीधी नीति की विसंगति है।

समूह बीमा क्यों जरूरी है?

समूह बीमा का सबसे बड़ा फायदा है – सामूहिक सौदेबाजी से कम प्रीमियम। यदि 500 कर्मचारियों के लिए कंपनी एक साथ पॉलिसी लेती है, तो प्रीमियम व्यक्तिगत पॉलिसी की तुलना में 30–40% तक कम हो सकता है। प्रीमियम कम होने के बावजूद कवरेज अक्सर अधिक व्यापक होता है। कई बार प्री-एक्सिस्टिंग बीमारियों को भी कवर किया जाता है। यही वजह है कि कर्मचारी और पेंशनभोगी वर्ग समूह बीमा पर निर्भर रहते हैं। यदि इन पर जीएसटी का बोझ जारी रहेगा, तो समूह बीमा का उद्देश्य ही कमजोर हो जाएगा।

सरकार के फैसले पर प्रतिक्रियाएं

बीमा क्षेत्र के विशेषज्ञ: उनका कहना है कि व्यक्तिगत और समूह बीमा में अंतर करके राहत देना उचित नहीं। क्योंकि अंततः दोनों ही स्थिति में प्रीमियम का बोझ व्यक्ति ही उठाता है। कर्मचारी संगठन: उनका तर्क है कि सरकार ने अपने ही कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को इस राहत से बाहर कर दिया है। वरिष्ठ नागरिक मंच: उनका कहना है कि छूट का असली लाभ तो बुजुर्गों और पेंशनधारकों को मिलना चाहिए था, जो सबसे ज्यादा संवेदनशील वर्ग है।

अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य

कई देशों में बीमा को सामाजिक सुरक्षा का हिस्सा मानते हुए इस पर टैक्स नहीं लगाया जाता। अमेरिका: स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम टैक्स छूट के दायरे में आता है। यूरोप: ज्यादातर देशों में बीमा पर या तो टैक्स नहीं है या बेहद कम है। जापान: स्वास्थ्य बीमा पूरी तरह से सरकार और बीमित व्यक्ति के बीच कर-मुक्त व्यवस्था है। भारत में जब बीमा प्रसार केवल 4% जनसंख्या तक सीमित है, तो यहां कर छूट देकर लोगों को बीमा लेने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

अशफ़ाकुल्लाह ख़ान : काकोरी कांड के अमर सिपाही

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में कई ऐसे नाम दर्ज हैं जिनकी बहादुरी और बलिदान ने आने वाली पीढ़ियों को आज़ादी का सपना देखने की हिम्मत दी। रामप्रसाद बिस्मिल, चन्द्रशेखर आज़ाद, भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव जैसे क्रांतिकारियों के साथ-साथ एक और नाम है, जो हिन्द-मुस्लिम एकता का प्रतीक बनकर सामने आया—अशफ़ाकुल्लाह ख़ान। काकोरी कांड (1925) के इस नायक ने केवल अंग्रेज़ों के ख़ज़ाने पर हाथ नहीं डाला, बल्कि पूरे मुल्क को यह दिखा दिया कि आज़ादी की लड़ाई किसी एक धर्म, जाति या क्षेत्र की नहीं, बल्कि पूरे भारतवासियों की साझी जंग है।

प्रारम्भिक जीवन

अशफ़ाकुल्लाह ख़ान का जन्म 22 अक्टूबर 1900 को उत्तर प्रदेश के शाहजहाँपुर ज़िले में हुआ। उनके पिता का नाम शफ़ीकुल्लाह ख़ान और माता का नाम मज़हरुन्निसा बेग़म था।

घर का वातावरण धार्मिक और अनुशासित था, लेकिन उनमें बचपन से ही देशभक्ति का जज़्बा भरा हुआ था। वे पढ़ाई में तेज़ थे और शेर-ओ-शायरी में गहरी दिलचस्पी रखते थे। उनकी शायरी में क्रांति और आज़ादी की गूंज साफ़ सुनाई देती थी। किशोरावस्था में ही वे अपने शहर के क्रांतिकारियों और आज़ादी की चर्चाओं से प्रभावित हुए। जब उन्होंने 1919 के जालियाँवाला बाग़ नरसंहार की घटना सुनी, तो उनका दिल अंग्रेज़ी शासन के ख़िलाफ़ नफ़रत से भर गया।

क्रांतिकारी विचारधारा की ओर रुझान

अशफ़ाकुल्लाह ख़ान ने किशोर उम्र में ही यह ठान लिया था कि वे देश की गुलामी बर्दाश्त नहीं करेंगे। शाहजहाँपुर के ही एक और महान क्रांतिकारी रामप्रसाद बिस्मिल के संपर्क में आकर उनके विचार और प्रखर हो उठे।

बिस्मिल हिन्द थे और अशफ़ाकुल्लाह मुसलमान, लेकिन दोनों की दोस्ती इस बात की मिसाल बन गई कि मुल्क की आज़ादी के लिए मज़हब की कोई दीवार मायने नहीं रखती। दोनों की मित्रता को अक्सर लोग "राम-अशफ़ाक़ की जोड़ी" के नाम से याद करते हैं।

हिन्दस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (HRA) से जुड़ाव

सन 1924 में क्रांतिकारियों ने एक संगठन बनाया—हिन्दस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (HRA)। इसका मक़सद सशस्त्र क्रांति के जरिए अंग्रेज़ी हुकूमत को उखाड़ फेंकना था। अशफ़ाकुल्लाह ख़ान इस संगठन से सक्रिय रूप से जुड़ गए। संगठन की गतिविधियों के लिए धन जुटाने का बड़ा संकट सामने था। नेताओं ने तय किया कि अंग्रेज़ सरकार का ख़ज़ाना लूटकर इस धन की समस्या को हल किया जाए।

काकोरी कांड (1925)

9 अगस्त 1925 को इतिहास में दर्ज वह दिन आया, जब हिन्दस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन के दस क्रांतिकारियों ने मिलकर अंग्रेज़ सरकार के ख़ज़ाने पर धावा बोला। यह घटना उत्तर प्रदेश के काकोरी रेलवे स्टेशन के पास घटी, इसलिए इसे काकोरी कांड कहा जाता है।

योजना

ट्रेन (डाउन लखनऊ–सहारनपुर पैसेंजर) में सरकारी ख़ज़ाना लाया जा रहा था। बिस्मिल, अशफ़ाक़, राजेंद्र लाहिड़ी, चन्द्रशेखर आज़ाद, ठाकुर रोशन सिंह और अन्य साथियों ने मिलकर इस ट्रेन को रोका। पिस्तौल और रिवॉल्वर से लैस इन नौजवानों ने पूरी बहादुरी से ख़ज़ाना कब्ज़े में ले लिया।

परिणाम

इस वारदात ने पूरे अंग्रेज़ी शासन को हिला दिया। सरकार ने इसे "राजद्रोह और डकैती" करार देकर कड़ी कार्रवाई शुरू कर दी। एक-एक करके लगभग सभी क्रांतिकारी पकड़ लिए गए, केवल चन्द्रशेखर आज़ाद पुलिस के हाथ नहीं आए।

गिरफ्तारी और मुकदमा

अशफ़ाकुल्लाह ख़ान को अंग्रेज़ी पुलिस ने काफी खोजबीन के बाद दिल्ली से गिरफ़्तार किया।

उन पर मुकदमा चलाया गया, जिसमें उन्हें और उनके साथियों को "राजद्रोह और हत्या" के आरोप में दोषी ठहराया गया। मुकदमे की कार्यवाही कई महीनों तक चली। अंग्रेज़ सरकार ने उन्हें कठोर सज़ा देने का मन बना लिया था, ताकि बाकी युवा डर जाएँ और क्रांति का आंदोलन दब जाए।

फाँसी की सज़ा

अशफ़ाकुल्लाह ख़ान को 19 दिसंबर 1927 को गोरखपुर जेल में फाँसी दी गई। उस समय उनकी उम्र मात्र 27 वर्ष थी। फाँसी से पहले वे कुरान शरीफ़ की तिलावत कर रहे थे और पूरी तरह निडर और शांत दिखाई दे रहे थे। कहा जाता है कि जब उन्हें फाँसी के फंदे की तरफ ले जाया गया, तो उनके चेहरे पर मौत का ज़रा भी डर नहीं था। उनके आख़िरी शब्द थे— "ख़ुदा की रहमत से मैंने वतन के लिए जान दी, इससे बड़ी ख़ुशी और क्या होगी।"

हिन्द-मुस्लिम एकता की मिसाल

अशफ़ाकुल्लाह ख़ान और रामप्रसाद बिस्मिल की दोस्ती भारत के स्वतंत्रता संग्राम में हिन्द-मुस्लिम एकता की बेमिसाल कहानी है। दोनों ने मिलकर अंग्रेज़ों को यह संदेश दिया कि मज़हब आज़ादी की जंग में कोई मायने नहीं रखता। असली मक़सद तो गुलामी की जंजीरों को तोड़ना है। उनकी यह साझी कुर्बानी आज भी समाज को भाईचारे का पैग़ाम देती है।

साहित्यिक रुचि

अशफ़ाकुल्लाह ख़ान केवल योद्धा ही नहीं, बल्कि एक अच्छे शायर भी थे। वे "हसरत" तख़ल्लुस से शेर लिखा करते थे। उनकी शायरी में इंक़लाब, आज़ादी, बलिदान और उम्मीद की झलक साफ़ मिलती है।

उनके कुछ शेर आज भी नौजवानों को जोश से भर देते हैं, जैसे – "हम वतन के शोलों में जलकर भी रौशनी देंगे, हमारी कुर्बानी से ही गुलशन खिलेगा।"

बलिदान का असर

अशफ़ाकुल्लाह ख़ान की शहादत ने पूरे देश में क्रांतिकारी आंदोलन को नई ऊर्जा दी। नौजवानों ने उनके बलिदान से प्रेरणा लेकर आज़ादी की लड़ाई को और तेज़ कर दिया। भगत सिंह और उनके साथियों ने भी काकोरी शहीदों से प्रेरणा ली। अंग्रेज़ सरकार ने सोचा था कि इनको फाँसी देकर आंदोलन दब जाएगा, लेकिन हुआ इसके बिल्कुल उलट।

गोरखपुर जेल का आख़िरी दिन

गवाह बताते हैं कि फाँसी से पहले की रात अशफ़ाकुल्लाह ख़ान ने पूरी रात इबादत और शायरी में गुज़ारी।

सुबह जब जेलर उन्हें लेने आया तो उन्होंने हंसते हुए कहा— "जरा ठहर जाइए, मैं नमाज़ पढ़ लूँ, फिर आपके साथ चलता हूँ।" नमाज़ अदा करने के बाद वे मुस्कुराते हुए फाँसी के तख़्ते की ओर बढ़े।

अशफ़ाकुल्लाह ख़ान भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के उन सितारों में से हैं, जिनकी रौशनी आज भी हमें प्रेरणा देती है।

उनकी शहादत केवल अंग्रेज़ी साम्राज्य के ख़िलाफ़ विद्रोह नहीं थी, बल्कि यह भी संदेश थी कि मज़हब, जाति या भाषा की सीमाएँ आज़ादी की लड़ाई को रोक नहीं सकतीं। आज जब हम आज़ाद भारत में सांस ले रहे हैं, तो हमें यह याद रखना चाहिए कि इस आज़ादी की बुनियाद ऐसे ही वीरों के लहू से रखी गई है। अशफ़ाकुल्लाह ख़ान हमेशा हिन्दस्तान के नौजवानों के दिलों में "आज़ादी के अमर सिपाही" बनकर जिंदा रहेंगे। अशफ़ाकुल्लाह ख़ान का जीवन सिर्फ़ इतिहास का हिस्सा नहीं है, बल्कि आज की युवा पीढ़ी के लिए भी एक सीख है। उन्होंने अपनी कम उम्र में यह साबित किया कि देश के लिए जीना और मरना ही सबसे बड़ा धर्म है।

आज जब समाज में धर्म, जाति और भाषा के नाम पर दीवारें खड़ी की जाती हैं।

आमजन को आवागमन की बेहतर कनेक्टीविटी देने के लिए हम संकल्पित - भजनलाल शर्मा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार राज्य में रेलवे सुविधाओं के विस्तार के लिए प्राथमिकता से कार्य कर रही है। प्रदेश में मजबूत रेल नेटवर्क से आमजन को आवागमन में सुगमता होगी। साथ ही, स्थानीय रोजगार और उद्योगों को भी फायदा होगा। उन्होंने निर्देश दिए कि राज्य में प्रस्तावित रेलवे परियोजनाओं के धरातल पर शीघ्र मूर्तरूप देने के लिए अधिकारी रेलवे के अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करें।

शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में रतलाम-डूंगरपुर वाया बांसवाड़ा नई रेल परियोजना और केन्द्रीय भण्डारण निगम द्वारा भरतपुर मे प्रस्तावित नवीन रेल टर्मिनल की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भरतपुर में प्रस्तावित रेल टर्मिनल के निर्माण से किसानों, औद्योगिक ईकाइयों सहित सभी वर्गों को परिवहन की बेहतर सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी संबंधित अधिकारी टर्मिनल के लिए उपयुक्त स्थान का चयन करने के लिए संयुक्त निरीक्षण करें।

परियोजना की प्रगति की करें नियमित मॉनिटरिंग-

शर्मा ने उत्तर-पश्चिम रेलवे के अधिकारियों से रतलाम-डूंगरपुर वाया बांसवाड़ा नई रेल परियोजना की वस्तुस्थिति को जाना। उन्होंने अधिकारियों को इस रेलवे लाइन के लिए भूमि अधिग्रहण के कार्य को आपसी समन्वय से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के लिए वित्तीय संसाधनों एवं तकनीकी आवश्यकताओं को केन्द्र के साथ समन्वय करते हुए प्रक्रिया में तेजी लाई जाए। साथ ही, परियोजना की प्रगति की नियमित मॉनिटरिंग की जाए।

इस दौरान मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित राज्य सरकार तथा रेलवे के संबंधित अधिकारी मौजूद थे। बैठक में वीसी के माध्यम से संबंधित जिलों के कलक्टर्स भी जुड़े।

आरएफबीडीपी के अंतर्गत कृषिवानिकी और आजीविका संवर्द्धन पर 90 किसानों को प्रशिक्षण

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान वानिकी एवं जैव विविधता विकास परियोजना (आरएफबीडीपी) के अंतर्गत पिपलेश्वर ग्रीन फेड फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी, तुंगा, बस्सी, जयपुर में कृषिवानिकी (एग्रोफारेस्ट्री) एवं आजीविका संवर्द्धन पर मंगलवार को एक क्षमता निर्माण सह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में परियोजना क्षेत्र से जुड़े लगभग 90 किसानों ने सक्रिय भागीदारी की।

इस अवसर पर केतन कुमार, डीएफओ, जयपुर डिवीजनल मैनेजमेंट यूनिट (डीएमयू) ने कहा कि आर.एफ.बी.डी.पी. का मुख्य उद्देश्य वनों का संरक्षण करते हुए कृषिवानिकी के माध्यम से किसानों को आजीविका संवर्द्धन के नए अवसर उपलब्ध कराना है। कृषिवानिकी न केवल किसानों की आय बढ़ाने में मददगार सिद्ध होगी बल्कि यह जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने की क्षमता भी विकसित करेगी। साथ ही बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण एवं वनीकरण (एफ्फोरेस्ट्रेशन) को प्रोत्साहन मिलेगा जिससे पर्यावरणीय संतुलन कायम रखने में मदद मिलेगी।"

प्रशिक्षण के दौरान हेमन्त कुमार दीक्षित, आजीविका विशेषज्ञ, पीएमसी, आरएफबीडीपी ने परियोजना के उद्देश्यों की जानकारी दी और समझाया कि कृषिवानिकी अपनाकर किसान अतिरिक्त आय का स्रोत कैसे विकसित कर सकते हैं। ओम प्रकाश गुप्ता, कृषि अधिकारी ने पौधारोपण तकनीक, रखरखाव एवं पौधों की वृद्धि संबंधी पहलुओं पर विस्तार से बताया। नमो नारायण मीणा, रेंजर, बस्सी रेंज ने आरएफबीडीपी की विभिन्न गतिविधियों और कृषिवानिकी के महत्व पर प्रकाश डाला।

साथ ही, कमलेश सैनी, सीईओ एवं कैलाश चंद शर्मा, अध्यक्ष, एफपीओ ने किसानों को एफपीओ की भूमिका के बारे में बताया कि कैसे एफपीओ किसानों के लिए सामूहिक कार्यवाही, विपणन, प्रसंस्करण एवं जैविक खेती के उपयोग में सहायक है।

यूरेनियम खनन से स्थानीय रोजगार के अवसर बढ़ेंगे - खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि सीकर जिले की तहसील खण्डेला में यूरेनियम खनन से सम्बंधित परियोजना के तहत कार्यकारी संस्था यूरेनियम कॉर्पोरेशन ऑफ इण्डिया लिमिटेड (UCIL) की ओर से लगभग 3 हजार करोड़ का निवेश किया जाएगा। इस परियोजना के माध्यम से 1 हजार 623 नागरिकों को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा। इसमें लगभग 80 प्रतिशत स्थानीय लोग शामिल होंगे।

गोदारा प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का खान एवं पेट्रोलियम मंत्री की तरफ से जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्तमान में सीकर जिले की तहसील खण्डेला में यूरेनियम कॉर्पोरेशन ऑफ इण्डिया लिमिटेड (UCIL), Atomic Minerals Directorate for Exploration and Research (AMD) एवं Department of Atomic Energy (DAE) केंद्र सरकार द्वारा खनिज यूरेनियम की विस्तृत खोज (Exploratory Mining) का कार्य करवाया जा रहा है। जिसमें मौके पर DECLINE व उससे संबंधित कार्य प्रगतिरत है।

उन्होंने कहा कि तीनों ही संस्थाओं द्वारा देश में अन्य स्थानों पर संबंधित क्षेत्र के विकास के लिए उल्लेखनीय कार्य किया है। उन्होंने आश्वस्त किया कि खण्डेला में भी जनहित को ध्यान में रखकर हरसंभव विकास किया जाएगा।

इससे पहले विधायक सुभाष मील के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री ने कहा कि विधान सभा क्षेत्र खण्डेला की ग्राम पंचायत रोयल में खनिज यूरेनियम का खनन कार्य संचालित नहीं है। उन्होंने जानकारी दी कि राज्य सरकार द्वारा सीकर जिले की तहसील खण्डेला में UCILके पक्ष में खनिज यूरेनियम एवं एसोसिएटेड मिनरल्स 1086.46 हैक्टेयर क्षेत्र के खनन पट्टा आवंटन हेतु मंशा पत्र (Letter of Intent) 23 जून, 2022 को जारी किया गया है। उन्होंने बताया कि उपरोक्त मंशा पत्र क्षेत्र में निजी भूमि के अधिग्रहण की कार्यवाही Right to Fair Compensation and Transparency in Land Acquisition, Rehabilitation and Resettlement A□t, 2013के प्रावधानों के तहत प्रक्रियाधीन है। इन प्रावधानों के तहत ही UCIL द्वारा अधिग्रहण एवं पुनर्वास किया जाना प्रस्तावित है।

मा वाउचर योजना से गर्भवती महिलाओं को निजी केन्द्रों पर भी नि:शुल्क सोनोग्राफी की सुविधा - उपमुख्यमंत्री

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि प्रदेश में संचालित मा वाउचर योजना के तहत दूसरी एवं तीसरी तिमाही की गर्भवती माताओं को राजकीय सोनोग्राफी जाँच उपलब्ध नहीं होने पर वाउचर जारी किया जाता है। इस क्यूआर कोड जनित वाउचर के माध्यम से गर्भवती महिलाओं को निजी सोनोग्राफी केन्द्रों पर निःशुल्क सोनोग्राफी की सुविधा दी जाती है। योजना के तहत प्रदेश के 1 हजार 363 निजी सोनोग्राफी केन्द्रों को अधिकृत किया गया है।

राज्य सरकार द्वारा इन निजी केंद्रों को सीधे बैंक खाते में भुगतान किया जाता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में गर्भवती महिलाओं के लिए सोनोग्राफी सुविधा में विस्तार के उद्देश्य से बजट घोषणा 2024 के तहत 17 सितम्बर, 2024 को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा सम्पूर्ण प्रदेश में मा वाउचर योजना का शुभारम्भ किया गया। उन्होंने बताया कि योजना के तहत गर्भवती महिलाओं को दूसरी व तीसरी तिमाही में निःशुल्क सोनोग्राफी के लिए वाउचर दिये किये जाते हैं, जिनकी वैद्यता जारी दिनांक के 30 दिवस तक रहती है। किसी कारणवश इस अवधि में वाउचर का उपयोग नहीं कर पाने की स्थिति में महिला द्वारा चिकित्सा संस्थान जाकर वैद्यता अवधि को आगामी 30 दिन तक बढ़वाया जा सकता है।

डॉ. प्रेमचंद बैरवा प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का चिकित्सा एवं स्वस्थ्य मंत्री की ओर से जवाब दे रहे थे। डॉ. बैरवा ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र सोजत में आगामी समय में सोनोग्राफी एवं एमआरआई मशीनों की जरुरत होने पर विभाग द्वारा इस संबंध में आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। इससे पहले विधायक श्रीमती शोभा चौहान के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में उपमुख्यमंत्री ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र सोजत पाली में मा वाउचर योजना के तहत 17 सितम्बर, 2024 से 04 सितम्बर, 2025 तक 5 अधिकृत निजी सोनोग्राफी केन्द्रों पर 583 सोनोग्राफी की गई है। जिसका विवरण उन्होंने सदन के पटल पर रखा। उन्होंने बताया कि जिला चिकित्सालय, सोजत में नि:शुल्क् जांच योजना के तहत 1 हजार 804 गर्भवती महिलाओं की नि:शुल्क सोनोग्राफी की गई। उन्होंने जानकारी दी कि मा वाउचर योजना के तहत राजकीय चिकित्सा संस्थानों में सोनोग्राफी मशीन उपलब्ध करवाने का प्रावधान नहीं है। विधानसभा क्षेत्र सोजत में संचालित चिकित्सालयों में केवल जिला चिकित्सालय सोजत में सोनोग्राफी मशीन उपलब्ध है व क्रियाशील है, सीटी स्कैन मशीन पीपीपी मोड पर संचालित है एवं एमआरआई मशीन का प्रस्ताव वर्तमान में विचाराधीन नहीं है। उन्होंने जानकारी दी कि अन्य राजकीय संस्थानों जैसे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों व प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में इन मशीनों का प्रावधान नहीं है।

अजमेर में जलभराव से प्रभावित क्षेत्र में एक किलोमीटर पैदल चल कर पीड़ितों के पास पहुंची उपमुख्यमंत्री

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। अजमेर के बोराज तालाब की पाल टूटने से जलभराव के बाद अजमेर जिले की प्रभारी मंत्री एवं उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी सोमवार को स्वयं पीड़ितों के बीच पहुंची। वे करीब एक किलोमीटर तक पैदल चलकर जलभराव के बाद प्रभावित क्षेत्र, कॉलोनी, पाल, खेत व आसपास के इलाके में पहुंची। उन्होंने पीड़ित परिवारों से बात की और जल्द मदद का भरोसा दिलाया। उन्होंने अनेक घरों को स्वयं अन्दर जाकर देखा। नुकसान पीड़ितों को क्षति की भरपाई शीघ्र करने को आश्वस्त कर ढांढस बंधाया। क्षेत्र में सर्वे के अनुसार परिवारों को मुआवजा दिलाया जाएगा। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने तालाब की पाल टूटने से जलभराव के पश्चात स्वास्तिक नगर में हुई क्षति का अजमेर जिला कलक्टर लोकबंधु, पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा एवं एडीए व नगर निगम के अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचकर जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में चल रहे राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा की और अधिकारियों को पूरी सतर्कता के साथ राहत कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भवनों एवं संपत्तियों को हुए

नुकसान का सर्वे कराया गया है। प्रशासन द्वारा गुरूवार रात्रि से ही राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है। जलभराव वाले क्षेत्रों से प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया गया है। उनके लिए भोजन, पानी, दवा एवं ठहरने की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारियों को हर संभव सहयोग प्रदान करने को निर्देशित किया है। प्रभावित व्यक्तियों के नुकसान का सर्वे कर मुआवजा एवं नियमानुसार क्षतिपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा तालाब के पास जल बहाव और जलभराव के पश्चात क्षेत्र से निवासियों को सुरक्षित बाहर निकालकर नजदीकी राजकीय विद्यालय में बनाए आश्रय स्थल पर भेजा गया था। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रभावित क्षेत्र का विस्तृत सर्वे अनुसार त्वरित क्षति पूर्ति की जाए। जल निकासी के पर्याप्त प्रबंध सुनिश्चित किए जाए। साथ ही तालाब की पाल के पुनर्निर्माण और भविष्य में जलभराव की समस्या से निपटने के लिए पुख्ता जल निकासी व्यवस्था भी की जाए। उन्होंने कहा कि वर्षा पश्चात तालाब की पाल की मरम्मत कराई जाएगी और प्रभावितों को नियमानुसार क्षति के लिए आवश्यक सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार प्रभावित परिवारों के साथ है। उन्हें हर प्रकार की सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। पूरे राजस्थान में अप्रत्याशित रूप से बारिश हुई है। इसे देखते हुए शहरों के ड्रेनेज सिस्टम को चरणबद्ध तरीके से सुदृढ किया जाएगा।a

गिरधारी लाल बिहाणी सनातन धर्म शिक्षा ट्रस्ट द्वारा आयोजित कार्यक्रम

-सनातन धर्म और भारतीय संस्कृति ने दुनिया को बहुत कुछ दिया- बागडे

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि शिक्षा व संस्कृति से ही संस्कारों का निर्माण होता है। अच्छे संस्कारों से राष्ट्र के अच्छे नागरिक बनते हैं। सनातन धर्म और भारतीय संस्कृति ने दुनिया को बहुत कुछ दिया है। बागडे सोमवार को गिरधारी लाल बिहाणी सनातन धर्म शिक्षा ट्रस्ट के 75 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित शिक्षा अमृत महोत्सव-शताब्दी की ओर से आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि टिकाऊ समाज के निर्माण में सभी की भूमिका होनी चाहिए। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर सभी को शुभकामनाएं दीं तथा कहा कि साक्षरता मौलिक अधिकार है। भारतीय संस्कृति, शिक्षा का समर्पण जीवन को उत्कृष्ट बनाती है। राष्ट्र का निर्माण प्राकृतिक संसाधनों से नहीं, मानव संसाधनों से होता है। इसके लिये शिक्षा एक जरूरी कदम है। राज्यपाल ने कहा कि हिन्द धर्म में वसुधैव कुटुम्बकम् में विश्वास रखने की भावना है। हम लोग पूरे विश्व का कल्याण चाहते हैं। यही सनातन धर्म है। भारत ने कभी किसी दूसरे

देश पर आक्रमण नहीं किया और न ही किसी दूसरे धर्म को कम आंकने या निंदा करने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि बच्चों को स्वामी विवेकानंद से प्रेरणा लेनी चाहिए। जैसा सोचोगे, वैसा ही बनोगे की अवधारणा होनी चाहिए। विद्यार्थियों में एकाग्रता बहुत जरूरी है। हमारे युवा प्रतिभाशाली बनें, इसके लिये एकाग्रता पर जोर देते हुए उन्होंने महाभारत में अर्जुन ने जिस प्रकार निशाना लगाया, का उदाहरण दिया।

बागडे ने बताया कि नई शिक्षा नीति लागू है। शिक्षा ऐसी होनी चाहिए, जो विद्यार्थियों में बौद्धिक क्षमता के विकास के साथ-साथ संस्कारवान व गुणवान बनाये। उन्होंने बताया कि हमारे प्राचीन ग्रंथों में सौरमण्डल सहित खगोलीय घटनाओं का उल्लेख मिलता है, जो एकदम सटीक निकलता है। हिन्दस्तान की प्राचीनतम संस्कृति ने दुनिया को बहुत कुछ सिखाया है।

गंगानगर विधायक व गिरधारी लाल बिहाणी सनातन धर्म शिक्षा ट्रस्ट के अध्यक्ष जयदीप बिहाणी ने राज्यपाल बागडे को सम्मान पत्र पढ़कर भेंट किया। कार्यक्रम में बिहाणी ट्रस्ट में योगदान देने वाले शिक्षाविदों, कार्मिकों को सम्मानित किया गया। वहीं पर शिक्षा, खेल व अमृत महोत्सव के अवसर पर आयोजित विभिन्न प्रकार की 6 प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

शहर चलो अभियान के माध्यम से अधिकाधिक लोग हो लाभान्वित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के मार्गदर्शन और मंत्री झाबर सिंह खर्रा के नेतृत्व में आमजन को सुगम जीवन प्रदान करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे शहर चलो अभियान की तैयारियों को लेकर मंगलवार को स्वायत्त शासन विभाग के सभागार में प्रमुख शासन सचिव देबाशीष पृष्टि और शासन सचिव रवि जैन द्वारा राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक ली गई । नगरीय विकास विभाग के प्रमुख शासन सचिव देबाशीष पृष्टि ने सभी नगरीय विकास न्यास के सचिव को निर्देशित करते हुए कहा की शहर चलो अभियान के सफल संचालन के लिए सभी आवश्यक तैयारियाँ पूर्ण करना सुनिश्चित करें, कैम्प से पूर्व रोड, सीवरेज प्रणाली, लो लेइंग एरिया आदि का सघन निरीक्षण कर जलभराव वाली जगहों पर मड पम्प के सहारे जलनिकासी की जाए, साथ ही कैम्प के अंतर्गत किए जाने वाले मरम्मत एवं निर्माण कार्यों की तैयारी तत्काल शुरू की जाए । उन्होंने कहा की समयबद्ध तरीके से कार्ययोजना बनाकर काम किया जाए, ताकि शहरी निकायों और गाँवों में बुनियादी सुविधाओं का सदृढ़ीकरण हो और सेवाओं के क्रियान्वयन को नई गति मिल सके ।

अंत्योदय की संकल्पना को साकार करने में मील का पत्थर साबित होगा यह अभियान-

स्वायत्त शासन विभाग के शासन सचिव रवि जैन ने कहा की राज्य सरकार की मंशानुसार शहर चलो अभियान के माध्यम से अधिकाधिक लोग को लाभान्वित करना हमारा लक्ष्य है, इसके लिए व्यापक प्रचार प्रसार किया जाए साथ ही अपने क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों से चर्चा कर वहाँ की समस्याओं के बारे में जानकारी ली जाए। जैन ने कैम्प स्थल पर सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के सख़्त निर्देश दिए उन्होंने कहा की कैम्प स्थल के आसपास डस्टबिन अनिवार्य रूप से लगाए ताकि वहाँ कचरा न फैले । इसी के साथ ही उन्होंने कैम्प स्थल के पास वृक्षारोपण के भी निर्देश दिए। जैन ने कहा की अंत्योदय की संकल्पना को साकार करने में यह अभियान मील का पत्थर साबित होगा।

जनोपयोगी कार्यों को मिलेगी प्राथमिकता-

रवि जैन ने बताया की इस अभियान के तहत सभी नगरीय निकायों में सफाई व्यवस्था सुधार, नई स्ट्रीट लाइट, आवारा पशुओं की रोकथाम, जन्म- मृत्यु प्रमाणपत्र जारी करना, सार्वजनिक स्थलों का रखरखाव, सड़कों की मरम्मत जैसे कार्य प्राथमिकता से किए जाएंगे। इसके अलावा पीएम स्वनिधि ऋण वितरण , सीएम स्वनिधि ऋण वितरण , पीएम सूर्यघर योजना के आवेदन प्राप्त करने , स्कूल व आंगनबाड़ियों की मरम्मत, अनुमोदित योजनाओं के पट्टे जारी करना, लीज मुक्ति प्रमाण पत्र, अटल पेंशन योजना , विधवा/ विकलांग पेंशन आदि के आवेदन प्राप्त कर आमजन को लाभान्वित किया जाएगा।

जनजातीय क्षेत्रों में उत्तरदायी शासन हेतु बेहतर कार्ययोजना का होगा क्रियान्वयन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संचालित आदि कर्मयोगी अभियान के अंतर्गत 8 सितम्बर 2025 को कलेक्ट्रेट सभागार जयपुर में जिला स्तरीय अभिमुखीकरण कार्यशाला का आयोजन जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी की अध्यक्षता में किया गया। जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती प्रतिभा वर्मा ने बताया कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारम्भ किया गया यह अभियान जनजातीय क्षेत्रों में उत्तरदायी शासन और अंतिम छोर तक सेवा संतृप्ति सुनिश्चित करने की एक राष्ट्रीय पहल है। अभियान के तहत देशभर के जनजाति-बहुल एक लाख गांवों में 20-20 व्यक्तियों को आदि कर्मयोगी, आदि सहयोगी एवं आदि साथी के रूप में चयनित किया जा रहा है। इसी क्रम में जयपुर जिले के 10 ब्लॉकों के 177 गांवों का चयन किया गया है। जिले में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान से जुड़े 17 विभागों की 25 प्रमुख गतिविधियों के अभिसरण द्वारा इन गांवों का समग्र विकास सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत स्तर पर ग्रामसेवक, पटवारी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, पशुधन सहायक, प्रधानाध्यापक, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं विद्त विभाग का कर्मचारी, आशा कार्यकर्ता, एएनएम, साथिन, कृषि पर्यवेक्षक, वनपाल, सहकारी समिति का व्यवस्थापक और राजीविका समूह की महिला अध्यक्ष आदि को आदि कर्मयोगी की जिम्मेदारी दी गई है। इसी तरह ग्राम के निवासी युवा, अध्यापक, डॉक्टर, सामाजिक कार्यकर्ता, वार्ड पंच, सरपंच, स्वयंसेवी संस्था के सदस्य तथा ग्रामीण मुखिया,पटेल,गमेती को आदि सहयोगी व आदि साथी के रूप में चयनित किया जाएगा। अभियान के तहत आदि सेवा केन्द्र स्थापित किए गए हैं, जहां शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, पंचायती राज, कृषि एवं अन्य विभागों के अधिकारी सप्ताह में एक दिन उपस्थित रहकर ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान करेंगे। कार्यशाला में ग्रामीण विकास, जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी, जयपुर विद्त वितरण निगम लि., चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, पेट्रोलियम, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा, आयुष, जनजाति क्षेत्रीय विकास, टेलीकॉम, कौशल एवं आजीविका विकास, सूचना एवं प्रौद्योगिकी, कृषि एवं किसान कल्याण, मत्स्य, पशुपालन एवं डेयरी तथा पंचायती राज विभाग के जिला स्तरीय अधिकारी और जिला मास्टर ट्रेनर उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने दिए राहत पहुंचाने के निर्देश

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सोमवार को अजमेर प्रवास के दौरान सर्किट हाऊस में अधिकारियों के साथ अतिवृष्टि, राहत एवं बचाव कार्य, सहायता तथा गिरदावरी के संबंध में कार्यों की समीक्षा की। जिला कलक्टर लोक बन्धु ने विभिन्न कार्यों की जानकारी दी। प्रभारी मंत्री एवं उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि अतिवृष्टि से प्रभावित व्यक्तियों को तुरंत राहत पहुंचा जाना चाहिए। जिले में अतिवृष्टि से क्षतिग्रस्त परिसम्पतियों की तात्कालिक मरम्मत एवं पुनरूत्थान के कार्य मौसम ठीक होते ही करवाएं। जर्जर एवं असुरक्षित संरचनाओं का उपयोग लेने से बचा जाना चाहिए। बारिश से क्षतिग्रस्त समस्त सड़कें दिपावली से पूर्व मरम्मत होनी चाहिए। इसकी उपखण्ड स्तर से मॉनिटिरिंग हों। व्यक्तिगत सम्पति में हुए नुकसान से राहत एसडीआरएफ रिलीफ के नियमानुसार प्रदान करने के लिए प्रस्ताव बनाए जाएं। उन्होंने कहा कि जिले में अतिवृष्टि के कारण किसी प्रकार की पशु हानि, मकान क्षति एवं जनहानि के संबंध में सर्वे के उपरांत सहायता के लिए पोर्टल पर तत्काल आवेदन करवाएं। विभिन्न जल स्त्रोतों से सुरक्षित जल निकासी सुनिश्चित की जानी चाहिए।

नगर निगम ग्रेटर सतर्कता शाखा की बड़ी कार्रवाई

-5 हजार रुपये का किया कैरिंग चार्ज वसूल, 8 केन्टर सामान जब्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देशानुसार उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार शर्मा के नेतृत्व में मंगलवार को सतर्कता शाखा की टीम द्वारा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में गांधी पथ पश्चिम, नेशनल हैण्डलूम तक, 200 फीट बाईपास रोड़, एवं हल्दीघाटी मार्ग से इण्डियागेट तक अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध 5 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल कर 8 केन्टर सामान जब्त किया गया। उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार ने बताया कि नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में गांधी पथ पश्चिम, नेशनल हैण्डलूम तक, 200 फीट बाईपास रोड़, एवं हल्दीघाटी मार्ग से इण्डियागेट तक अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्रवाई के दौरान 8 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 5 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइश करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए		**पानी के लिए**	
टोल फ्री नंबर	18001806507	जलदाय कार्यालय	2706624
वॉट्सएप नंबर	9414037085	फायर ब्रिगेड	2747400
कस्टमर केयर	2203000	**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**	
आईवीआरएस	1912	एंबुलेंस	102/108
कचरा गाड़ी के लिए		एसएमएस इमरजेंसी	2518333
ग्रेटर	2747400	महिला चिकित्सालय	22610616
सीवरेज लीकेज	2607500	जनाना हॉस्पिटल	22378721
हेरिटेज	2607500	SDMH	22574189
टोल फ्री नंबर	14420	SMS ब्लड बैंक	22518222
पुलिस की मदद के लिए		कल्याण ब्लड बैंक	22721771
साइबर क्राइम	1930/2360094	**घायल पशुओं के लिए**	
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38	नगर निगम	2747400
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630	बर्ड बाइक	9887345580
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098	हेल्प इन सफरिंग	8107299711
महिला हेल्पलाइन	1090	जनमंच ट्रस्ट	7230055800
मुख्यमंत्री पोर्टल	181	पशु चिकित्सालय	2747400

जूनियर अनिल कपूर ने लूटी महफिल, देशभक्ति के गीतों पर जोश मे आए दर्शक

-वनटू का फोर, फोरटू का वन, माय नेम इज लखन.....
-बेकाबू हुई भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को करनी पडी मशक्कत

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। सोमवार की रात्रि डोल मेला रंगमंच पर आयोजित कोटा की गोल्डन इवेन्ट्स और चित्रांश म्यूजिकल ग्रुप के कार्यक्रम में कलाकारों ने श्रोताओ का स्वस्थ मनोरंजन किया। कार्यक्रम इतना शानदार रहा कि बेकाबू हो रही भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को कई बार मशक्कत करनी पड़ी। दर्शकों की अपार भीड़ के बीच कलाकारों ने देर रात तक श्रोताओं को बांधे रखा। सर्वप्रथम सरस्वती वंदना के उपरान्त आकर्षक टाईटल म्यूजिक के साथ कार्यक्रम का आगाज किया गया। गायक कलाकार हफीज खान ने पूरी एनर्जी के साथ देवा ओ देवा-गणपति देवा.... के साथ गजानन की स्तुति की और देशभक्ति के गानों से श्रोताओं में जोश भर दिया उनके मंगल भवन अमंगल हारी... जैसे भजनों ने दर्शकों में भक्ति की संचार किया। कार्यक्रम के आर्कषण रहे जूनियर अनिल कपूर महेन्द्र सक्सेना ने अपनी अभिनय शक्ति के दम पर महफिल लूट ली। अनिल कपूर के फेमस डॉयलोग, हां-हां, मैं तेजाब हूं, मां के गर्भ से कोई अपराधी पैदा नही होता मायलोड..... की हूबहु

मिमिक्री कर दर्शकों को स्तब्ध कर दिया। उनका साथ दिया मुम्बई से आई मिस मोहनी ने। जिनके युगल नृत्य वनटू का फोर, फोरटू का वन पर श्रोताओं ने तालियों का पहाड़ खड़ा कर दिया। कार्यक्रम के दौरान पन्या सेपट और सोनिया की जोड़ी ने भी दर्शकों भी खूब गुदगुदाया। जूनियर सपना चैधरी भी अपनी प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के दौरान कई बार श्रौता बेकाबू हुए जिसे नियंत्रित करने के लिए पुलिस को मशक्कत करनी पड़ी। कार्यक्रम में सिल्की, नैना, सविता राणा, सपना मारवाड़ी, ज्योति एंथोनी आदि के चित्रहार भी दर्शकों ने पसंद किये। कार्यक्रम की शुरूआत में कलाकारों समेत अतिथियों को राकेश वाल्मीकी, मंगल खरारा, मंगल नकवाल, राजू डांगोरिया मुरारी खरारा, लेखराज डागर, दौलत, रामचरण, नरेन्द्र बैरवा, राधेश्याम बैरवा, रामचरण वर्मा यशवंत नामा, विक्रम नरवाल, विजय बैरवा, रोहित बैरवा, कालूलाल गुर्जर, जयप्रकाश नागर, रामेश्वर बैरवा, बाबूलाल बैरवा, कैलाश यादव, लालचन्द नागर आदि का उपसभापति नरेश गोयल, मेलाध्यक्ष प्रतिनिधि पुरूषोत्तम नागर, प्रदीप विजयवर्गीय, रोहित यादव, यशवंत अर्जुन, रोहित सक्सेना, नरेन्द्र बैरवा, अक्षय भूमलिया आदि ने साफाबन्दी और पौधे तथा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

सभी कार्यक्रम होगे गरीमामय- डोल मेलाध्यक्ष ममता नागर ने बताया कि इस बार मंच से सभी कार्यक्रम मर्यादित एवं गरीमामय हो रहे है। किसी भी कार्यक्रम में फूहड़ता का समावेश ना हो इसके लिए आने वाली सभी टीमों को सख्त निर्देश पूर्व में ही दे दिये गये थे।

आदि कर्मयोगी अभियान: ब्लॉक स्तरीय अभिमुखीकरण कार्यशाला आयोजित

प्रत्येक कार्य में पारदर्शिता और संवेदनशीलता बरते, अपनी जिम्मेदारी को सेवा भाव से निभाएँ- जिला कलक्टर

बारां (रॉयल पत्रिका)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंशा एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में चल रहे आदि कर्मयोगी अभियान के तहत सोमवार को जिले में ब्लॉक स्तरीय अभिमुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिले के 8 ब्लॉकों से प्रत्येक ब्लॉक के 5 अधिकारी-कर्मचारी सहित कुल 40 प्रतिभागियों ने इसमें हिस्सा लिया। कोटा रोड स्थित एक निजी होटल में आयोजित इस कार्यशाला में विभिन्न विभागों के अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गईं। जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि आदि कर्मयोगी अभियान केवल प्रशासनिक पहल नहीं है, बल्कि सामाजिक चेतना जगाने का माध्यम भी है। कलक्टर ने स्पष्ट किया कि "हमारा लक्ष्य यह होना चाहिए कि चिन्हित गांवों में कोई भी परिवार शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, कौशल विकास, आजीविका एवं कल्याणकारी योजनाओं से वंचित न रहे। जब हम अंतिम छोर तक सेवा पहुँचाने का संकल्प पूरा करेंगे, तभी वास्तव में अभियान

सफल होगा।" उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभियान के दौरान प्रत्येक कार्य में पारदर्शिता और संवेदनशीलता बरती जाए। उन्होंने कहा कि अधिकारी और कार्मिक अपनी जिम्मेदारी को सेवा भाव से निभाएँ, ताकि जनजातीय क्षेत्रों में विश्वास और सहभागिता बढ़ सके। कार्यशाला में बताया गया कि आदि कर्मयोगी अभियान एक विकेन्द्रीकृत आदिवासी नेतृत्व और शासन पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण हेतु राष्ट्रीय आंदोलन है, जिसे जनजातीय कार्य मंत्रालय के नेतृत्व में संचालित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य क्षमता निर्माण, योजनाओं का अभिसरण और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से आदिवासी परिवर्तनकर्ताओं को सशक्त बनाना है। अभियान के तीन मुख्य स्तंभ है- आदि कर्मयोगी- राज्य, जिला, ब्लॉक और पंचायत स्तर पर कार्यरत सरकारी अधिकारी व कर्मचारी, आदि सहयोगी- युवा, शिक्षक, डॉक्टर, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं प्रेरित सेवा प्रदाता एवं आदि साथी- स्वयं सहायता समूह सदस्य, ग्रामीण, आदिवासी बुजुर्ग एवं सामुदायिक सूत्रधार। कार्यशाला में सेवा केंद्र स्थापित करना, सरकारी योजनाओं को सुगम बनाना और जनजातीय समुदायों तक योजनाओं का अंतिम छोर तक लाभ पहुंचाना अभियान के प्रमुख लक्ष्य बताए गए।

मक्का मदीना उमराह पर जाने वाले जायरिनो का किया स्वागत

सोजत (रॉयल पत्रिका)। मक्का-मदीना में उमराह पर जाने वाले जायरीनों का शबनम साहित्य समिति द्वारा माला पहनाकर स्वागत किया। कुचेरा निवासी अब्दुल खालिद और उनकी पत्नी सलमा बेगम उमराह पर जाने से पहले परिवारजनों से मिलने पहुंचे। सोजत पहुंचने पर शबनम साहित्य समिति के अध्यक्ष प्रबंध निदेशक अब्दुल समद राही व परिवार के लोगों ने उनका मुंह मिठाकर, मोतियों की मालाएं पहनाकर व शाल ओढ़ाकर स्वागत किया। साथ ही जायरीनों से मक्का-मदीने में पहुंचकर मुल्क में अमन-चैन, खुशहाली की दुआ करने की बात कही। इस अवसर पर रिहाना रानू, अब्दुल जावेद, मोहम्मद इम्तियाज़ राही, सीमा परवीन, अब्दुल मन्नान, मोहम्मद सेराज, नाजिया बानो, जायदा बानो, रिजवाना, फरीदा बानो, फैमिदा, मोहम्मद अलफेज, मोहम्मद उमैर अकशा, आयना आदि कई परिजन और गणमान्य लोग उपस्थित थे।

भादव पूनम पूजा सम्पन्न हुई

बारां (रॉयल पत्रिका) । गुणवर्धन शंखेश्वर पार्श्वनाथ कि अध्यक्ष उर्मिला जैन भाया जिला प्रमुख ने बताया कि झालावाड से सारोला संघ व कोटा से संघ दो बसों द्वारा कुल 115 यात्री पूजा-अर्चना व दर्शन लाभ हेतु बारां पधारे। पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया व राजेन्द्र रंगावत ने बताया कि इन यात्रियों की सुबह के समय नवकारसी फिर पूजा व दिन का स्वामीवात्सल्य रखा गया। जिसकी जिम्मेदारी चन्द्रप्रभू नव युवक मण्डल को दी गई। बखुबी से सम्भाला तहेदिल से धन्यवाद दिया। गौतम बोरडिया, गौतम मारू, ललित श्रीमाल ने बताया कि दोनों संघों द्वारा साज-बाज व गाजे-बाजे से स्नात्र पूजा की गई जिससे पूरा तीर्थ भक्ति की धारा में बह गया। राजेश पुजारी द्वारा पूजा-पाठ के कार्य सम्पन्न करवाये गये। पूर्व मंत्री प्रमोद भाया व जिला प्रमुख उर्मिला जैन भाया के निवेदन पर निःशुल्क पशु-पक्षी चिकित्सालय के भ्रमण का बोला गया। खाने के बाद चिकित्सालय की विजिट की गई। दोनों संघ के यात्रियों ने भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए कहा कि हमने ऐसा जो बोलते नही है, सुनते नही है, मूक पशु-पक्षी की जीव दया के क्षेत्र में इतनी सार-सम्भाल हो रही है। अब तक 2024-25 में कुल निःशुल्क ओ.पी.डी. 12,997 ये बहुत बडी सेवा है। ट्रस्ट मण्डल ने सभी पधारे हुए तीर्थ यात्रियों, चन्द्रप्रभू नव युवक मण्डल, चन्द्रप्रभू सेवा महिला मण्डल के सदस्यों को धन्यवाद दिया।

जिला कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग की संगठन सर्जन अभियान की बैठक आयोजित

बारां (रॉयल पत्रिका)। जिला कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग की संगठन सर्जन अभियान की बैठक आयोजित की गई। सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं को एकजुट रहने की आवश्यकता, प्रभारी शहाबुद्दीन जेड़ एआईसीसी के संगठन सर्जन अभियान के तहत प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेशाध्यक्ष राज्य मंत्री एमडी चोपदार के निर्देशानुसार जिला अल्पसंख्यक विभाग की जिला स्तरीय बैठक रविवार को आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता अल्पसंख्यक विभाग के प्रभारी शहाबुद्दीन जेड़ व सह प्रभारी मोहम्मद जुबेर ने की। बैठक में आए मंच पर आनंदीलाल मीणा पीसीसी सदस्य सरपंच संघ जिला अध्यक्ष बूंदी पूर्व प्रधान नरेंद्र पूरी जिला महासचिव बूंदी जावेद ज़ेड मदरसा बोर्ड चेयरमैन बूंदी उपस्थित रहे। संचालन नासिर मिर्जा ने किया। अग्रिम संगठनों के पदाधिकारी व कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि संगठन को मजबूत रखने की सख्त जरूरत है।

बैठक में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। संगठन की बैठक में अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष के आवेदन प्राप्त किए गए। बैठक में जिला कांग्रेस कमेटी बारां के उपाध्यक्ष अशरफ देशवाली ने संबोधित करते हुए कहा कि सभी को एकजुटता का संदेश देना है , ओर जमीन से जुड़े कार्यकर्ता को मौका मिलना चाहिए। सेवादल जिला अध्यक्ष शिव शंकर यादव ने भी मीटिंग को संबोधित किया। अल्पसंख्यक कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष नासिर मिर्जा मीटिंग का संचालन करते हुए राहुल गांधी के मिशन को मजबूती से पूरा करने को कहा मीटिंग में मदरसा बोर्ड के अध्यक्ष अली हुसैन टीपू, मांगरोल अल्पसंख्यक कांग्रेस के पूर्व ब्लाक अध्यक्ष अख्तर बख्तावर, असगर अली पूर्व वाइस चेयरमैन, सोहेल खान, राशिद भाई पठान, रविंद्र सिंह सरदार, कन्हैया लाल मीणा, सेवादल के नगर अध्यक्ष रोहित गुर्जर, रहीम पठान, शानू रईस पठान, सोहेल मिर्जा, शोएब मिर्जा, याकूब भाई पाटूंदा, आसिफ भाई मांगरोल, रईस भाई देशवाली, शहवेज मिर्जा, सराहान मिर्जा, मन्नू पठान, रिंकू सुरमा, पूर्व सरपंच रामगोपाल मीणा, कुलदीप मीणा, मौलाना हनीफ ,सलीम भाई ट्रक वाले, सिराज भाई बस वाले, गालिब पठान, जुगनू पठान, समीर पठान, आबिद मिर्जा, बुरहान अंसारी सहित पूरे जिले से आए सैकड़ों कार्यकर्ता मीटिंग में उपस्थित थे।

जिला कलक्टर ने किया पीएचईडी कार्यालय का निरीक्षण

-पेयजल परियोजनाओं एवं बजट घोषणाओं की प्रगति की ली जानकारी

कोटा (रॉयल पत्रिका) । जिला कलक्टर पीयूष समारिया मंगलवार को जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधीक्षण अभियंता कार्यालय पहुंचे और कोटा जिले की बजट घोषणाओं की प्रगति एवं पेयजल वितरण व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने कोटा जिले में वर्तमान में पीएचईडी के लम्बित मुद्दों पर भी चर्चा की। जिला कलक्टर ने अमृत 2.0 के तहत कोटा में होने वाले कार्यों के कार्यादेश की प्रगति के बारे में पूछा। अधीक्षण अभियंता दीपक कुमार झा ने बताया कि अमृत योजना में सम्मिलित 5 शहरी कस्बों इटावा, सांगोद, सुल्तानपुर, रामगंजमंडी एवं कैथून के लिए 17 जून को कार्यादेश जारी कर कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। इसमें इटावा में 7.12 करोड़, सुल्तानपुर में 10.48 करोड़, रामगंजमंडी में 9.12 करोड़, कैथून में 6.02 करोड़ एवं सांगोद में 5.22 करोड़ रुपये के कार्य कराए जाने हैं। नगर

निगम कोटा उत्तर में 175 करोड़ रुपये तथा तथा नगर निगम कोटा दक्षिण क्षेत्र में 220 करोड़ रुपये के कार्य कराए जाने हैं। उत्तर में निविदा तकनीकी परिक्षण की प्रक्रिया में जबकि दक्षिण में आगामी दिनों में तकनीकी बिड़ खोली जाएगी। जिला कलक्टर ने 15वें वित्त आयोग के तहत शहरी जल प्रदाय योजनाओं की प्रगति, जल जीवन मिशन के अंतर्गत स्वीकृत वृहद् पेयजल परियोजनाओं एवं ओटीएमपी तथा अभी किए गए जल संबंधों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने मुख्यमंत्री बजट घोषणा के तहत प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में स्वीकृत हेंडपंप एवं ट्यूबवेल की स्थिति के बारे में भी जानकारी ली। अधीक्षण अभियंता ने बताया कि आंवली रोझड़ी एवं नयागांव क्षेत्र में स्वच्छ जलाशय, पम्प हाउस निर्माण एवं पाइप लाइन के कार्य के कार्यादेश अगस्त माह में जारी कर कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। ताकली बांध से रामगंजमंडी कस्बे एवं कुदायला औद्योगिक क्षेत्र में पेयजल उपलब्ध कराने, जल योजना सांगोद के अंतर्गत जल शोधन संयंत्र पम्प हाउस संवर्धन आदि कार्यों की निविदाएं आमंत्रित कर ली गई है।

चूरू में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर राजकीय अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय (बालक), चूरू में फिजियोथेरेपी दिवस के अवसर पर निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर स्टे रिलेक्सड फिजियोथेरेपी हॉस्पिटल के सौजन्य से लगाया गया, डॉ. अख्तर खान, डॉ. पुष्पा खारड़िया एवं अब्दुल्लाह कुरैशी, ताहिर मुगल, उमर कुरैशी आदि के सान्निध्य में संपन्न हुआ। इस अवसर डॉ. पुष्पा खारड़िया ने बताया की शिविर में लगभग 100 विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जिसमें विद्यार्थियों की स्वास्थ्य, पोषण स्तर, तथा सामान्य स्वास्थ्य की गहन जांच की गई। जिन छात्रों में स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ पाई गईं, उनका निःशुल्क उपचार किया गया। डॉ. अख्तर खान ने बताया की विश्व फिजियोथेरेपी दिवस (विश्व पीटी दिवस) एक वैश्विक स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम है जो 1996 से हर साल 8 सितंबर को मनाया जाता है, जो 1951 में विश्व फिजियोथेरेपी की स्थापना की स्मृति में मनाया जाता है शिविर के सफल आयोजन के दौरान विद्यालय परिवार से प्रधानाचार्य नियाज़ मोहम्मद, वरिष्ठ अध्यापक इमरान बी. खान, अध्यापक जावेद खान गांगियासर, अध्यापक रत्नलाल सहित अन्य शिक्षक एवं स्टाफ सदस्य भी उपस्थित रहे। प्रधानाचार्य नियाज़ मोहम्मद ओर वरिष्ठ अध्यापक इमरान बी खान ने का आभार व्यक्त किया और कहा,"ऐसे चिकित्सा शिविर विद्यार्थियों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होते हैं"। विद्यालय भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजन नियमित रूप से करता रहेगा।

सिविल कोर्ट ने लटिया नाले के मामले में दिए सख्त आदेश

शादाब अली

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। अधिवक्ता अब्दुल हासिब ने बताया कि गत दिनों सवाई माधोपुर शहर में लटिया नाले के प्रवाह में प्रशासनिक उपेक्षा को लेकर हयात अली एडवोकेट, अब्दुल राशिद खान ओर रमेश की ओर से दावा ओर अंतरिम निषेधाज्ञा की अर्जी न्यायालय सिविल न्यायाधीश सवाई माधोपुर में प्रस्तुत की गई, इस मामले में राजस्थान राज्य जरिए जिला कलेक्टर, अधीक्षण अभियंता राजस्थान स्टेट रोड डेवलपमेंट एंड कॉरपोरेशन सवाई माधोपुर, आयुक्त नगर परिषद सवाई माधोपुर को पक्षकार बनाया गया। मामला क्या है- अधिवक्ता अब्दुल हासिब ने बताया की शहरवासियों के आवागमन को सुगम बनाए जाने ओर गंदगी से निजात दिलाने के लिए अधीक्षण अभियंता राजस्थान स्टेट रोड डेवलपमेंट एंड कॉरपोरेशन लिमिटेड सवाई माधोपुर के द्वारा प्राइवेट कंपनी के माध्यम से लटिया नाले पर गोपाल जी के मंदिर के पास स्टेट हाईवे 30 से राजबाग तक दो लेन एलिवेटेड सड़क बनाई जा रही है, इसके निर्माण में संवेदक द्वारा जानबूझकर लापरवाही पूर्वक और उपेक्षापूर्ण कार्य किया जा रहा है, इनके द्वारा सुरक्षा मापदंडों को पूरी तरह से नजर अंदाज किया जा रहा है, इनके द्वारा नवनिर्मित सड़क बनाने के दौरान पिलर्स के लिए नाले में खुदाई की और खुदाई करने से निकले मलबे को स्वयं के वाहनों के आवागमन और उपयोग के लिए मलबे पर ही अवैध रूप से सड़क बना दी जिससे मौके पर बरसाती लटिया नाला का मौलिक एवं प्राकृतिक स्वरूप विलुप्त होकर खत्म कर दिया है। एलिवेटेड सड़क के पिलर संख्या 72 से 80 के मध्य घुमाव वाले हिस्से पर पूर्व दिशा की ओर राजस्थान स्टेट रोड डेवलपमेंट एंड कॉरपोरेशन लिमिटेड सवाई माधोपुर के संवेदक द्वारा

सवाई माधोपुर के संवेदक द्वारा की सड़क बना दी गई है एवं पश्चिम दिशा की ओर स्थित मदीना मस्जिद की सड़क व सिराज भाई के खेत के यहां पिलर की ऊंचाई अत्यंत कम होने से पिलर्स से टकराव की वजह से बरसात के पानी का तेज बहाव कटाव करते हुए दिनांक 29.07.2025 की मध्य रात्रि एवं दिनांक 22.08 .2025 की मध्य रात्रि को उक्त लटिया नाला प्राकृतिक बहाव के बजाय विपरीत दिशा में प्रवेश करते हुए मदीना मस्जिद एवं सिराज भाई के खेत में कच्ची दीवार को तोड़ते हुए घुस आया और उसके बाद आबादी क्षेत्र में प्रवेश करते हुए सबसे पहले हम्माल मोहल्ले के रास्ते से होता हुआ, सोरती बाजार, मिर्जा मोहल्ला, मनिहारी मोहल्ला, कुम्हार मोहल्ले में होता हुआ, पुनः बरसाती लटिया नाले के असल प्रभाव में जाकर मिल गया,जिसकी वजह से प्रार्थीगण के मकानो में व अन्यों के मकानो, दुकानों में करीब 6 से 7 फीट तक पानी भर गया, घरों में रखा तमाम खाद्य सामान कई महंगे, इलेक्ट्रॉनिक सामान, दैनिक कपड़े लते, कई महंगे सामान इत्यादि खराब हो गए और कई घरों से सामान बहकर नाले में चले गए लोगों में पलायन की स्थिति उत्पन्न हो गई। अधिवक्ता अब्दुल हासिब ने न्यायालय के समक्ष अपने तर्क रखते हुए बताया कि यदि जिला कलेक्टर, राजस्थान स्टेट रोड डेवलपमेंट एंड कॉरपोरेशन सवाई माधोपुर और नगर परिषद बरसात के शुरू होने से पहले ही बरसाती नाले में मलबे से बनाई अस्थाई सड़क को साफ कर देते और नाली की गहराई को समय पर कर लेते तो प्रार्थीगण को नाकाबिले तलाफी नुकसान कारित नहीं होता। इनकी लापरवाही, उपेक्षापूर्ण कार्यों ओर उदासीनता की वजह से लटिया नाला को मौके पर उसके मौलिक एवं प्राकृतिक स्वरूप को पूरी तरह से बदल दिया गया है। जिसके बाबत मौके के फोटोग्राफ एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किए गए।

न्यायालय ने क्या आदेश दिए- न्यायालय सिविल न्यायाधीश, सवाई माधोपुर ने मामले में सुनवाई कर अंतरिम निषेधाज्ञा को मंजूर करते हुए राजस्थान राज्य जरिए जिला कलेक्टर, अधीक्षण अभियंता राजस्थान स्टेट रोड डेवलपमेंट एंड कॉरपोरेशन लिमिटेड सवाई माधोपुर, आयुक्त नगर परिषद सवाई माधोपुर को जरिए अस्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद करते हुए आदेशित किया है कि एलिवेटेड सड़क के पिलर नंबर 72 से 80 तक के मध्य घुमाव वाले हिस्से पर पूर्व दिशा की ओर अधीक्षण अभियंता राजस्थान स्टेट रोड डेवलपमेंट एंड कॉरपोरेशन सवाई माधोपुर के संवेदक द्वारा नाले में मलबे से बनाई अस्थाई सड़क को अतिशीघ्र मौके से साफ करवाया जाए और नाले की खुदाई को 10 फीट तक गहराई करवाया जाए, लटिया नाले के प्रवाह क्षेत्र में पड़े हुए गंदगी और कचरे के टीलों को मौके से तुरंत हटाया जाकर नाले के पानी के प्रवाह के मार्ग में आ रहे अवरोधों को तुरंत रूप से हटाए जाने के आदेश दिए है।

विश्व साक्षरता दिवस पर हुआ निर्वाचन साक्षरता कार्यक्रम

-शैक्षणिक संस्थानों में हुआ क्लस्टर कैंप का आयोजन

बारां (रॉयल पत्रिका)। जिला निर्वाचन अधिकारी (कलक्टर) रोहिताश्व सिंह तोमर एवं सीईओ व नोडल अधिकारी स्वीप राजवीर सिंह चौधरी के निर्देशन में सोमवार को विश्व साक्षरता दिवस के अवसर पर जिले की समस्त शैक्षिक संस्थानों में मतदाता साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन हुआ ,वही आगामी विधानसभा उप चुनाव को देखते हुए नव मतदाताओं के शत प्रतिशत पंजीयन के लिए अंता क्षेत्र में क्लस्टर कैंपों का आयोजन हुआ। यहां समीपवर्ती ग्राम कोयला के पी एम विद्यालय में आयोजित विश्व साक्षरता दिवस के जिला स्तरीय कार्यक्रम में स्वीप कार्यक्रम प्रभारी अमित भार्गव ने विद्यार्थियों एवं उपस्थित जन को मतदान का संकल्प कराते हुए लोकतंत्र के उत्सव में मतदान द्वारा अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने की बात

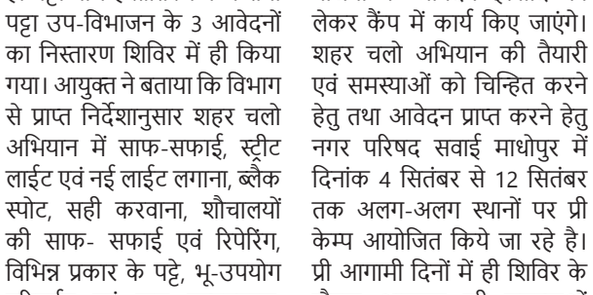

कही ,वही नव मतदाताओं को वोटर हेल्पलाइन एप डाउनलोड करवाया ,साथ ही केवाईसी ऐप, सक्षम ऐप एवं 85 वर्ष या इससे अधिक उम्र के मतदाताओं के लिए होम वोटिंग के बारे में जानकारी दी गई, साथ ही 14 सितम्बर को निर्वाचन विभाग द्वारा अंता विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक बूथ पर लगने वाले विशेष कैंप की जानकारी दी गई। इस दौरान राजकीय महाविद्यालय मांगरोल एवं राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मांगरोल के विद्यार्थियों ने मानव श्रृंखला बनाकर मतदाताओं को जागरूक किया । इस दौरान जिला साक्षरता एवं सतत शिक्षा अधिकारी दशरथ सुवानिया,प्राचार्य राजेंद्र प्रसाद वर्मा ,पीईईओ मंजू राठौर जिला सहायक परियोजना अधिकारी श्याम बाबू मेहता, सहायक आचार्य, प्रधानाचार्य विनोद जैन , स्वीप सदस्य रामचरण मीणा, बीएलओ एवं ईएलसी सदस्य,विद्यार्थी एवं गणमान्य जन मौजूद रहे।

शहर चलो अभियान के तहत प्री कैंप का हुआ आयोजन

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार द्वारा राज्य के समस्त नगर निकायो मे 15 सितंबर से 2 अक्टूबर तक शहर चलो अभियान चलाया जाएगा। इसी को लेकर मंगलवार को राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय बम्बोरी में वार्ड 15, 16 तथा 18 के लिए प्री कैंप का आयोजन किया गया। शिविर में अतिक्रमण एवं रोड से संबंधित 2 आवेदन, रोड लाईट के 14, पट्टों के 4, जन्म-मृत्यु एवं विवाह से संबंधित 7, साफ-सफाई के 8, बन्दरों को पकडने के 1, प्रधानमंत्री आवास योजना के 3, निर्माण शाखा के 10, भूमि शाखा के 3, खाद्य सुरक्षा के 12, एवं मुख्यमंत्री स्व निधि योजना के 15 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमे से अभियान में ही पट्टा नाम हस्तांतरण के 1 तथा पट्टा उप-विभाजन के 3 आवेदनों का निस्तारण शिविर में ही किया गया। आयुक्त ने बताया कि विभाग से प्राप्त निर्देशानुसार शहर चलो अभियान में साफ-सफाई, स्ट्रीट लाईट एवं नई लाईट लगाना, ब्लैक स्पोट, सही करवाना, शौचालयों की साफ- सफाई एवं रिपेरिंग, विभिन्न प्रकार के पट्टे, भू-उपयोग परिवर्तन एवं नाम हस्तान्तरण, भवन निर्माण स्वीकृति, एनओसी, स्ट्रीट वेण्डर लाईसेन्स, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, जन्म-मृत्यु एवं विवाह पंजीयन तथा मुख्यमंत्री स्वनिधि के योजना के आवेदन, पीएम आवास योजना के आवेदन इत्यादि को लेकर कैंप में कार्य किए जाएंगे। शहर चलो अभियान की तैयारी एवं समस्याओं को चिन्हित करने हेतु तथा आवेदन प्राप्त करने हेतु नगर परिषद सवाई माधोपुर में दिनांक 4 सितंबर से 12 सितंबर तक अलग-अलग स्थानों पर प्री केम्प आयोजित किये जा रहे है। प्री आगामी दिनों में ही शिविर के दौरान आमजन की समस्याओं का निस्तारण नियमित रूप किया जाएगा।

जिला स्तरीय पर्यटन विकास समिति की बैठक संपन्न

बारां (रॉयल पत्रिका)। जिला स्तरीय पर्यटन विकास समिति की बैठक जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर की अध्यक्षता में मिनी सचिवालय स्थित उनके कक्ष में आयोजित हुई। बैठक में पर्यटन से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। सहायक निदेशक पर्यटन ने उपस्थित सदस्यों का स्वागत करते हुए बैठक के एजेंडा बिंदुओं पर प्रकाश डाला। सर्वप्रथम पिछली बैठक में लिए गए निर्णयों की अनुपालना पर चर्चा हुई। शाहाबाद किले से संबंधित बिंदुओं की अनुपालना उप वन संरक्षक द्वारा प्रस्तुत नहीं किए जाने पर जिला कलक्टर ने गंभीरता से संज्ञान लेते हुए चार्जशीट जारी करने के निर्देश दिए।

बैठक में मुण्डियर-राजपुर रोड से शाहाबाद किले तक तीन किलोमीटर ग्रेवल रोड की मरम्मत, वन विभाग द्वारा नेचर गाइड मानदेय दरें तय कर दर सूची प्रदर्शित करने, शाहाबाद किले परिसर में साइनज बोर्ड लगाने एवं टोल प्लाजा मोड़ पर एक अतिरिक्त बोर्ड स्थापित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में एडीएम प्रभार अनिल कुमार चौधरी, डीएफओ अनिल यादव, नगर परिषद आयुक्त मोती शंकर, अधीक्षण अभियंता राजवीर सिंह, राज्य पुरातत्व विभाग वृत अधीक्षक हेमेंद्र कुमार अवस्थी, सहायक निदेशक सिराज कुरैशी, सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

इंद्रजीत सिंह आहुवालिया बने राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के प्रदेशाध्यक्ष सी.बी. यादव के निर्देशानुसार, संभाग प्रभारी बलदेवराम बेनीवाल की स्वीकृति और पाली जिलाध्यक्ष मदनसिंह जागरवाल के नेतृत्व में इंद्रजीत सिंह आहुवालिया (निवासी: पालड़ी जोड़, सुमेरपुर) को पाली ज़िले के वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया है। जिलाध्यक्ष मदनसिंह जागरवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि सरदार इंद्रजीत सिंह आहुवालिया का परिवार लंबे समय से कांग्रेस से जुड़ा हुआ है और वे स्वयं भी बीजेपी शासनकाल के दौरान विभिन्न आंदोलनों, रैलियों और धरनों में अग्रणी भूमिका निभा चुके हैं। वे एक निष्ठावान,कर्मठ और अनुभवी कांग्रेस कार्यकर्ता हैं,जो वर्षों से पार्टी में एक सिपाही की तरह सक्रिय हैं। पंचायत, विधानसभा, लोकसभा और नगरपालिका चुनावों में भी उनकी भूमिका उल्लेखनीय रही है। उनकी इस नियुक्ति का उद्देश्य सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र में संगठन को और अधिक मज़बूती देना है,विशेषकर आगामी पंचायतीराज एवं नगर निकाय चुनावों के दृष्टिगत। आहुवालिया की नियुक्ति पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता हरिशंकर मेवाड़ा,शिशुपाल सिंह राजपुरोहित प्रदेश महासचिव,पूर्व उपाध्यक्ष –केंद्रीय श्रम बोर्ड आयोग,सुरेश मेवाड़ा नगर अध्यक्ष,करण सिंह मेड़तिया,सुमेर सिंह मनवार, नेहपाल सिंह पावा ब्लॉक अध्यक्ष,महेश परिहार,गोविंद राठौड़, नरेंद्र

पुनिया, संतोख ओलवी, मीठालाल छाबड़िया,जाफर हसन, भंवर सिंह चौधरी सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओ ने खुशी जाहिर करते हुए प्रदेशाध्यक्ष सी.बी. यादव,पाली जिला प्रभारी श्रीमती कीर्ति कच्छवाह एवं जिलाध्यक्ष मदनसिंह जागरवाल का आभार प्रकट किया।

हिन्दु-मुस्लिम-सिख-ईसाई, हमवतन हमनाम है

-छाई रही रोहित-मीनाक्षी की जोड़ी, भवई नृत्य ने सजाई खूबसूरत शाम

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। शनिवार की रात्रि डोल मेला रंगमंच पर आयोजित द परफेक्ट वेडिंग प्लानर म्यूजिकल ग्रुप की शानदार प्रस्तुति में देशप्रेम के गीत एवं पुराने गीतों की श्रृंखला ने दर्शक को मोहित कर दिया। गायक कलाकार रोहित शर्मा सिंगर, मीनाक्षी वर्मा ओर भवई नृत्य कलाकार नरेन्द्र ने दर्शकों में समां बांध दिया। दर्शक इतने आनन्दित हुए कि अपने ही स्थान पर थिरकने को मजबूर हो गये। महिलाओं की अपार भीड़ के साथ मध्य रात्रि तक दर्शकों ने आयोजन का भरपूर आनन्द लिया। गणेश वंदना के बाद गायक कलाकार रोहित शर्मा ने देशप्रेम के गीतो से आयोजन की शुरूआत की। उन्हाने ने पुराने मीठे गीत गाकर मंच पर खूबसूरत शाम सजाई। पूरे राज्य में अपनी आवाज का जादू बिखरने वाले रोहित शर्मा और महिला सिंगर मीनाक्षी वर्मा की जोड़ी मंच पर छाई रही। रोहित के गीत हिन्द, मुस्लिम, सिख, ईसाई, हमवतन हमनाम है। ऐ मेरे वतन के लोगों.... पानी रे पानी तेरा रंग कैसा.., ऐसी दीवानगी, देखी नही

कही.... जैसे गीतों पर पांडाल में तालियों का पहाड़ खड़ा हो गया। उनकी जोड़ी ने भूले बिसरे गीतों की झड़ी लगाकर पुरानी यादें ताजा की। कार्यक्रम में सबसे आकर्षण का केंद्र रहे अन्तर्राष्ट्रीय फेम भवई नृत्य कलाकार नरेन्द्र। उन्होने अपने सिर पर दर्जनों मटकियां रख विद्त गति से नृत्य किया। उनके अभिनय पर दर्शक मंत्रमुग्ध हो गये। इसके अतिरिक्त शक्को रानी, अम्बिका, निक्की, तमन्ना, मुस्कान, टीना आदि ने राजस्थानी हिट्स और वॉलीवुड गीतों पर नॉनस्टॉप नृत्य कर चित्रहार प्रस्तुत किये। देर रात तक चले कार्यक्रम के दौरान पुलिस का माकूल बंदोबस्त नजर आया। कार्यक्रम की शुरूआत में सभी कलाकारों एवं अतिथी लक्ष्मीनारायण सुमन, महेन्द्र चैहान, मुकेश चैहान, राजेश सैनी, मुकुट सुमन, महावीर ऐरवाल, विरेन्द्र अहीर यादव, राजाबेटा यादव, पप्पू ऐरवाल, नारायण वर्मा, रामदयाल ऐरवाल, महेन्द्र सुमन, शंकरलाल नागर आदि का उपसभापति नरेश गोयल पैतरा, मेलाध्यक्ष प्रतिनिधी पुरूषोत्तम नागर, प्रदीप विजयवर्गीय, शिवशंकर यादव, पीयूष सोनी, हरिराम मेघवाल, शिवराज महावर, नीरज चैहान, महावीर मीणा, रोहित यादव आदि ने साफा बन्दी और माल्यापर्ण कर स्वागत किया। इस अवसर पर उपसभापति नरेश गोयल और पुरूषोत्तम नागर, प्रदीप विजयवर्गीय, शिवशंकर यादव ने अतिथियों को पौधे भेंट कर वृक्षारोपण किये जाने का आमजन को संदेश दिया।

एसडीपीआई डेलिगेशन ने कोटा आई.जी को सौंपा ज्ञापन

-निष्पक्ष जाँच एवं निर्दोषों को परेशान नहीं करने की मांग रखी

कोटा (रॉयल पत्रिका)। सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (SDPI) के डेलिगेशन ने आज 8 सितम्बर 2025 को आई जी कोटा कार्यालय पहुँच कर बारां प्रकरण की निष्पक्ष जाँच एवं निर्दोष व्यक्तियों को अकारण परेशान नहीं करने के संबंध में ज्ञापन प्रस्तुत किया। ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई कि प्रकरण में बेवजह निर्दोष लोगों को पुलिस द्वारा अकारण परेशान किया जा रहा है। ज्ञापन देने वाले प्रतिनिधि मंडल में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अशफ़ाक़ हुसैन, प्रदेश कार्यकारणी सदस्य मोहम्मद जावेद, कोटा ज़िला कमेटी उपाध्यक्ष इम्तियाज़ हुसैन, ज़िला महासचिव मोहम्मद आरिफ इनाम उर रहमान एवं बारां ज़िला महासचिव अलीम मंसूरी उपस्थित रहे।

पंजाब में बाढ़ पीड़ितों के लिए बच्चे आज़म थीम ने दी गुल्लक तोड़कर सहायता राशि

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर आज एक बच्चे का जज्बा देखकर दिल को बड़ा ही सुकून मिला बच्चे को जब मालूम हुआ की मरकजी मस्जिद व्यापारीयानय से जुम्मे के दिन खाद्य सामग्री की गाड़ी पंजाब बाढ़ग्रस्त इलाके के लिए रवाना होगी और हर इंसान अपनी तरफ से मदद कर रहा है तो 12 साल के आजम थीम ने भी अपने गुल्लक में इकट्ठे किए हुए 21 हजार रुपए जो उसने साइकिल के लिए इकट्ठे किए थे गुल्लक खोला और अपने दादा महबूब थीम से कहा कि मुझे साइकिल नहीं चाहिए यह मेरे जमा पैसे पंजाब बाढ़ग्रस्त लोगों की मदद के लिए मस्जिद के इमाम साहब को आप दे दें। दादा ने

मरकज मस्जिद के इमाम मौलाना मोहम्मद इमरान को अपने घर बुलाया और उन्हें 21000 रुपए अपने बच्चे के गुल्लक से इकट्ठे किए हुए दे दिए। छोटे से बच्चे के जज्बे को पूरे मोहल्ले व शहर में सराया गया। इससे यह सबक मिलता है की मदरसे में पढ़ने वाला बच्चा इंसानियत का पैगाम दे रहा है। इस मौके पर आदिल थीम, सोहेल थीम, आसिफ आदि उपस्थित रहे।

नगरीय विकास मंत्री ने अमर शहीद सैनिक की प्रतिमा का किया अनावरण

भरतपुर (रोयल पत्रिका)। नगरीय विकास आवासन एवं स्वायत्त शासन विभाग राज्यमंत्री झाबर सिंह खर्रा ,लक्ष्मणगढ़ विधायक गोविंद सिंह डोटासरा और पूर्व आमेर विधायक सतीश पूनियां रविवार को भरतपुर के एक दिवसीय दौरे पर रहे। उपखण्ड भुसावर के ग्राम सलैमपुरकलां पहुंच का अमर शहीद सत्येन्द्र सिंह चौधरी की प्रतिमा का अनावरण किया। नगरीय विकास राज्यमंत्री खर्रा ने मूर्ति अनावरण समारोह में सम्बोधित करते हुए कहा हमारी तीनों सेनाओं के सैनिक 24 घंटे हमारी मातृभूमि की एकता, अखण्डता और सीमा की रक्षा करते हैं। इसके साथ-साथ हमारे अर्द्धसैनिक बल भी हमारे देश की आंतरिक सुरक्षा में महत्त्वपूर्ण योगदान देते हैं। उन्होंने कहा कि जब भी देश में संकट या प्राकृतिक आपदा आती है तो हमारे वो जांबाज हमारे आमजन की सेवा के लिए तत्पर रहते हैं।

आंतरिक सुरक्षा के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर अपराधियों पर नियंत्रण रखने के लिए स्थानीय पुलिस अपनी कर्मठता से कार्य करती हैं। उन्होंने कहा कि सूचना मिलने पर अपराधियों को पकडने के लिए शहीद सत्येन्द्र सिंह चौधरी ने अपनी टीम के साथ अपने प्राणों की परवाह न करते हुए देश सेवा एवं आमजन की सुरक्षा के लिए में अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। उन्होंने कहा पुराना इतिहास उठा कर हम देखते हैं जिस-जिस ने देश एवं मानवता की सेवा की है तथा अन्याय से बचाया है वह समाज में लोकदेवता के रूप में प्रसिद्ध हुए हैं। उन्होंने कहा सेना के जवान या अर्द्धसैनिक बल अथवा वर्दीदारी हों, जिन्होंने अपने कर्त्तव्य के लिए अपना बलिदान दिया है उन्हें हमें लोकदेवता की श्रेणी में मानकर सम्मान देकर श्रद्धांजलि देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हम सभी का नैतिक कर्त्तव्य बनता है कि शहीद परिवार के हर सुख-दुख में साथ रहकर उन्हें संबलता प्रदान करें। उन्होंने शहीद सत्येन्द्र सिंह चौधरी के माता पिता और वीरांगना को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

चंदलाई बाँध के पास फायरिंग और मोटरसाइकिल मे आग लगाने की घटना आई सामने

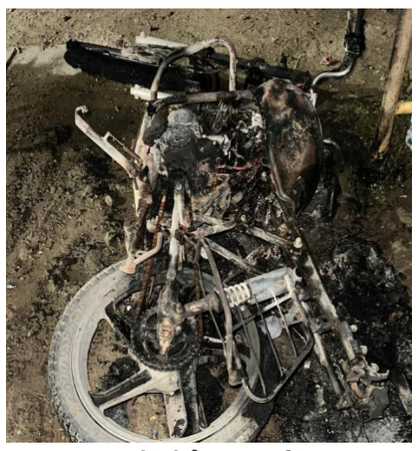

टोंक (रॉयल पत्रिका)। शहर में उस समय दहशत फैल गई जब बदमाशों ने चंदलाई रोड पर चलती कार से फायरिंग कर दी। मौके पर मौजूद लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। इस दौरान बदमाशों ने हाईवे पर खड़ी डीलक्स मोटरसाइकिल में आग लगा दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बदमाशों ने पास की एक चाय की दुकान पर भी फायरिंग की। गनीमत रही कि इस वारदात में कोई घायल नहीं हुआ। बताया जा रहा है कि इस गाड़ी से पहले भी शिफ्टिंग कार्य किया जाता रहा है, जिससे ग्रामीणों में पहले से ही भय का माहौल बना हुआ था।

सांसद हनुमान बेनीवाल द्वारा तेजाजी जयंती पर बीदासर में थाना अधिकारी के साथ अभद्र व्यवहार करने के विरोध में मुख्यमंत्री के नाम जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर सेवानिवृत पुलिस कल्याण संस्थान जिला चूरू कार्यालय परिसर पुलिस लाइन में आकस्मिक मीटिंग रखी गई तत्पश्चात पुलिस लाइन से करीब 10 A.M पर रवाना होकर स्वर्गीय नवाब अली खान ASI के हाल ही में हुए स्वर्गवास पर उनके निवास स्थान पहुंचकर इनको श्रद्धांजलि अर्पित की गई एवं परिवारजन को सांत्वना दी। जाकर ढाढस बढ़ाया। उनके द्वारा सर्विस के दौरान किए गए कार्य बाबत भी चर्चा हुई। इसके पश्चात कार्यालय पहुंचकर दो ओर तीन सितंबर को वीर तेजाजी महाराज की जयंती पर आयोजित जागरण कार्यक्रम में अपनी ड्यूटी दे रहे थाना अधिकारी बिदासर में कैलाश चंद्र के साथ कार्यक्रम में पधारे सांसद हनुमान बेनीवाल द्वारा किए गए है अभद्र व अपमानजनक व्यवहार के प्रति आक्रोश जताते हुए थाना अधिकारी के समर्थन में लाम बंद

होकर विरोध स्वरूप मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार को मार्फत अतिरिक्त कलेक्टर श्रीमती अर्पिता सोनी को ज्ञापन पेश किया गया। एवं शपुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर माननीय महानिदेशक जयपुर के नाम मार्फत पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन पेश किया। चूरू पुलिस वृताधिकारी सुनील कुमार झाझडिया को पुलिस स्मारिका प्रति भेंट की। 14 सितंबर 25 को रतनगढ़ रेंज स्तर सम्मेलन में अधिक से अधिक उपस्थित होने हेतु भी सभी को निवेदन किया गया। इस दौरान अयूब खान एडिशनल एसपी, अतर सिंह एडिशनल एसपी, इस्माइल खान एडिशनल एसपी, रणधीर सिंह डीवाईएसपी, किशोर सिंह सर्किल इंस्पेक्टर, गोवर्धन दास, राजेंद्र लोहार, मांगेराम जांगिड़, रामकिशन एस आई, मांगीलाल रूहानी, महावीर सिंह राठौड़, बीरबल राम शर्मा, गिरधारी सिंह राठौड़,गनी खान, राधेश्याम बुंटिया, गुलाब सिंह शेखावत, रिछपाल सिंह भामू, तुलसीराम कपूरिया, महावीर मीणा आदि उपस्थित रहे।

विभागीय समन्वय बैठक आयोजित जर्जर भवनों का नहीं करें उपयोग

-सर्वे अनुसार भवनों की कराए मरम्मत- जिला कलक्टर

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर लोकबंधु की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में विभागीय समन्वय बैठक आयोजित हुई। बैठक में जर्जर भवनों की मरम्मत, संपर्क पोर्टल पर जन समस्याओं के निस्तारण, ई-फाइल एवं ई-डाक पेंडेंसी, जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति तथा हरियालो राजस्थान अभियान सहित विभिन्न विषयों की समीक्षा की गई। जिला कलक्टर लोकबंधु ने समन्वय बैठक में विभिन्न विभागों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि जर्जर विद्यालय, आंगनबाड़ी केंद्र, स्वास्थ्य केंद्र, कार्यालय सहित अन्य भवनों का

के सर्वे कार्य को गंभीरता से करने के निर्देश दिए। वर्षा के दौरान एवं पश्चात पशुओं में मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए पशुपालन विभाग को आवश्यक एहतियात बरतने और चिकित्सा सुविधाओं की पूर्व तैयारी करने के निर्देश दिए। बैठक में विभागवार प्रस्तावों की समीक्षा करते हुए उन्होंने जिला अधिकारियों से ब्लॉक स्तरीय कार्यालयों का निरीक्षण कर जर्जर भवनों का उपयोग बंद करने और भवनों का शीघ्र मरम्मत कार्य पूरा करने को निर्देशित किया। उन्होंने विद्त विभाग को वर्षा से क्षतिग्रस्त खंभों, तारों एवं अन्य संसाधनों का सर्वे कर शीघ्र दुरुस्तीकरण करने और सार्वजनिक निर्माण विभाग को क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत तत्काल शुरू करने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने शहर चलो-गांव चलो अभियान के लिए विभागवार सौंपे गए दायित्वों के अनुरूप कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। इसके लिए ब्लॉक स्तर पर बैठक आयोजित कर ग्राम सर्वे अनुसार मरम्मत कार्य कराया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी जर्जर भवन में बच्चों एवं कार्मिकों को बैठने की अनुमति नहीं दी जाए तथा आवश्यकतानुसार वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने फसल खराबे की संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए फसल खराबे

प्रभारी मंत्री ने अतिवृष्टि से फसल खराबे का लिया जायजा

बारां (रॉयल पत्रिका)। जिला प्रभारी मंत्री ओटाराम देवासी बैठक के बाद रविवार को जिले में अब तक अतिवृष्टि से हुई फसल खराबे का निरीक्षण किया। उन्होंने बामला क्षेत्र में खेतों का दौरा कर किसानों से बातचीत की और उनकी समस्याओं की जानकारी ली। मंत्री देवासी ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को गिरदावरी कार्य समय पर एवं पारदर्शी ढंग से करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रभावित किसानों को राहत एवं मुआवजा समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराया जाएगा। इस दौरान उन्होंने किसानों को भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार हर परिस्थिति में उनके साथ खड़ी है। निरीक्षण के दौरान विधायक राधेश्याम बैरवा, विधायक किशनगंज ललित मीणा सहित जिला प्रशासन एवं कृषि विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे।

आई एफ डब्ल्यू जे का 131वां राष्ट्रीय अधिवेशन जोधपुर में 11 सितंबर से

-पूर्व महाराजा गज सिंह होंगे शुभारंभ समारोह के मुख्य अतिथि, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत होंगे समापन समारोह के मुख्य अतिथि

चूरू (रॉयल पत्रिका)। भारतीय पत्रकारों की आवाज 1950 से बुलंद करने वाले देश के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित संगठन आई एफ डब्ल्यू जे का 131 वां राष्ट्रीय अधिवेशन राजस्थान के दूसरे बड़े जिले जोधपुर में 11 और 12 सितंबर को आयोजित किया जाएगा, जिसके शुभारंभ समारोह के मुख्य अतिथि पूर महराजा गज सिंह होंगे जबकि समापन समारोह के मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत होंगे। राष्ट्रीय अधिवेशन के संयोजक और आई एफ डब्ल्यू जे के जिलाध्यक्ष प्रदीप जोशी तथा आयोजन के मुख्य संयोजक नंदकिशोर शाह ने जानकारी देते हुए बताया कि आई एफ डब्ल्यू जे के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उपेंद्र सिंह राठौड़ और प्रदेश उपाध्यक्ष राजीव गौड़ ने तैयारियों की समीक्षा करने के साथ इस आयोजन के ऐतिहासिक होने की बात कही है। आयोजन समिति में शामिल विक्रम सिंह करनोत, प्रवीण बोथरा, अश्वनी व्यास, डॉ. रंजन दवे, मनोज जैन, डॉ. लक्ष्मण मोतीवाल, योगेश दवे, अफरोज पठान, शेखर व्यास, समीर खान, भूपेंद्र बिश्नोई, महेश शर्मा ईश्वर सिंह, सुमेर सिंह चूंड़ावत, डॉ पाबूराम, भवानी सिंह भाटी, रमेश सारस्वत, शिव सिंह सिसोदिया, राजेश पुरोहित, सूर्याश मूथा, प्रदीप दवे, दीपक पुरोहित, लक्षित दवे, पवन जोशी, नरेंद्र ओझा, हर्षित जोशी, प्रवीण बोथरा, मनोज जैन, पवन प्रजापत, संवितेश्वर पुरोहित, जितेंद्र डूडी, पुनीत माथुर, मुकेश श्रीमाली, श्रेयांश भंसाली, मनोज शर्मा, राजेश मेहता, राजेश जैन, राजकुमारी और अनीता चौधरी के साथ बैठक कर तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। आई एफ डब्ल्यू जे के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उपेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि इंडियन फैडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट देश के पत्रकारों का सबसे पुराना और सबसे बड़ा संगठन का 131 वां राष्ट्रीय अधिवेशन आगामी 11 व 12 सितंबर 2025 को जोधपुर स्थित माहेश्वरी भवन, जेएनवीयू ओल्ड कैंपस के सामने, रातानाडा में आयोजित किया जाएगा। इस दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन का शुभारंभ 11 सितंबर को प्रातः 11:15 बजे होगा। आई एफ डब्ल्यू जे के प्रदेश उपाध्यक्ष राजीव गौड़ ने बताया कि शुभारंभ समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व महाराजा एवं पूर्व राज्यसभा सदस्य गज सिंह होंगे जबकि विशिष्ट अतिथियों में राज्यसभा सदस्य राजेंद्र गहलोत, राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल, जोराराम कुमावत, के के बिश्नोई, विधायक देवेंद्र जोशी, विधायक अतुल भंसाली, बीएसएफ राजस्थान फ्रंटियर के महानिरीक्षक एम एल गर्ग, वरिष्ठ पत्रकार आयशा खानम, जिनेंद्र सिंह शेखावत, मनीष शर्मा और अमित भट्ट सहित अनेक गणमान्य अतिथि शिरकत करेंगे। वहीं, 12 सितंबर को सायं 4:30 बजे समापन समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसके मुख्य अतिथि केंद्रीय संस्कृति व पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत होंगे। समापन समारोह में राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत, दक्षिण व उत्तर नगर निगम की महापौर वनिता सेठ व कुंती देवड़ा, पुलिस कमिश्नर ओमप्रकाश पासवान, जिला कलेक्टर गौरव अग्रवाल, सीईओ जिला परिषद आशीष मिश्रा, साध्वी प्रीति प्रियवंदा सहित कई वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे।

राजकीय महाविद्यालय बारां में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ रक्तदान शिविर

-गौरव मीना कोड़ाप के जन्मदिन पर 101 यूनिट रक्त एकत्रित

बारां (रॉयल पत्रिका)। राजकीय महाविद्यालय परिसर में शनिवार 6 सितम्बर को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर विशेष रूप से गौरव मीना कोड़ाप के जन्मदिन के उपलक्ष्य में रखा गया। कार्यक्रम महाविद्यालय परिसर के अंदर रखा गया जिसमें विद्यार्थियों, टीम के सदस्यों तथा स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस शिविर में कुल 101 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया, जो कि क्षेत्र के लिए एक सराहनीय उपलब्धि है। रक्तदाताओं का स्वागत पुष्पमालाओं से कर उनका सम्मान किया गया तथा उनकी इस समाजसेवा के लिए उनका धन्यवाद ज्ञापित किया गया। आयोजन समिति के सदस्य छात्र संघ महासचिव साजिद हुसैन ने बताया कि इस रक्तदान शिविर का उद्देश्य समाज में रक्तदान के महत्व को जन-जन तक पहुँचाना और युवाओं में सेवा की भावना जागृत करना था। रक्तदाताओं की इस अमूल्य सेवा से अनेक जीवन सुरक्षित किए जा सकेंगे। इस अवसर पर समिति ने सभी रक्तदाताओं, सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

समयबद्ध ढंग से पूरी करें 'गांव चलो अभियान' व 'शहर चलो अभियान' की तैयारियां- सुराणा

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने सोमवार को डीओआईटी वीसी सभागार में साप्ताहिक समीक्षा बैठक में 'गांव चलो अभियान' व 'शहर चलो अभियान', संपर्क पोर्टल सहित विभागीय योजनाओं पर चर्चा कर अधिकारियों को समुचित निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुरूप बेहतरीन नागरिक सुविधाएं मुहैया करवाने की दिशा में 'गांव चलो अभियान' व 'शहर चलो अभियान' अंतर्गत शिविर आयोजित किए जाएं। सभी तैयारियां समयबद्ध ढंग से पूरी की जाकर बेहतरीन प्रबंधन किया जाए। सभी उपखंड अधिकारी अभियान अंतर्गत आयोजित होने वाले शिविरों की शिड्यूलिंग कर लें और देख लें कि राजकीय अवकाशों व त्यौहारों में शिविर आयोजित न हों। उन्होंने कहा कि जिले के सभी उपखंडों में अतिवृष्टि से हुए नुकसान के लिए प्रभावितों को सहायता हेतु जनप्रतिनिधियों से समन्वय करते हुए प्रस्ताव भिजवाएं। प्रस्तावों के लिए पटवारी, ग्राम विकास अधिकारियों व मशीनरी को निर्देशित करते हुए प्रत्येक प्रभावित व्यक्ति को राहत प्रदान करने का काम करें। नुकसान के सर्वे में स्थानीय जनप्रतिनिधियों का सहयोग लें। इसी के साथ फसल खराबे की समुचित रिपोर्टिंग की जाए। सुराणा ने नगरनिकाय अधिकारियों, सानिवि, पीएचईडी, विकास अधिकारियों को निर्देश दिए कि दीपावली से पहले स्वच्छता अभियान चलाएं। इसी के साथ गांव चलो व शहर चलो अभियानों में खराब स्ट्रीट लाइटों को ठीक करवाने, सड़कों की मरम्मत आदि कार्य किए जाएं।

Naagin7:

धांसू कमबैक के लिए तैयार हुई

एकता कपूर के सुपरनैचुरल सीरियल नागिन 7 का पोस्टर हाल ही में रिलीज कर दिया गया है. इस पोस्टर में नागिन 7 की मेन लीड के लुक से पर्दा हटा दिया गया है. एकता कपूर का सुपरहिट सुपरनैचुरल शो नागिन 7 जल्द ही टीवी पर दस्तक देने वाला है. हाल ही में एकता कपूर ने नागिन 7 का टीजर शेयर करके हंगामा मचा दिया था. जिसके बाद से ही दावा किया जा रहा है कि प्रियंका चहार चौधरी और ईशा मालवीय नागिन 7 में धमाल मचाएंगी. इसी बीच सोशल मीडिया पर नागिन 7 का फर्स्ट लुक शेयर कर दिया गया है. जी हां, सही सुना आपने... कुछ देर पहले ही एकता कपूर के नागिन 7 का फर्स्ट लुक फैंस के साथ शेयर कर दिया गया है. नागिन 7 के पोस्टर में एक हसीना धरती की तरफ रुख करती नजर आ रही है. तस्वीर में इस बार की नागिन मॉर्डन लुक में नजर आ रही है. येलो कलर के आउटफिट पहनकर नागिन लहराती बलखा रही है. नागिन का ये अंदाज देखकर साफ पता चल रहा है कि वो अपने एक एक दुश्मन का सफाया करके ही दम लेगी.

'नागिन' सीरियल को ट्रोल करने वालों पर भड़के अर्जुन बिजलानी

साल 2015 में टीवी पर नागिन शो की शुरुआत हुई थी। एकता कपूर के इस शो को काफी पसंद भी किया गया। हालांकि इस शो में वास्तविक कहानी ना दिखाए जाने के कारण इसे आलोचनाओं का भी सामना करना पड़ा। अब इसी मामले पर शो में मुख्य भूमिका में नजर आने वाले अभिनेता अर्जुन बिजलानी ने शो का बचाव किया है।

नागिन शो की टीआरपी पर बोले अर्जुन

अर्जुन बिजलानी हाल ही में सिद्धार्थ कन्नन के साथ एक इंटरव्यू में शामिल हुए, जहां उन्होंने नागिन टीवी शो को लेकर बात की। उन्होंने शो की लोकप्रियता को लेकर कहा, 'यह सिर्फ छोटे शहरों में ही नहीं, बल्कि मुंबई में भी काफी लोकप्रिय था। जब दूसरे शोज की टीआरपी 2 थी, तब इसे 6 टीआरपी मिली। असल में, यह 5 टीआरपी पर ही खत्म हुआ। यह मेरे पिछले शो मिले जब हम तुम से भी बड़ा था। 'नागिन' के बाद, जिंदगी की एक अलग कहानी थी। मुझे लगता है कि सीजन 1 सबसे अच्छा था।'

'स्पाइडर मैन' से की तुलना

आगे बात करते हुए अर्जुन बिजलानी ने शो की आलोचना करने वालों पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, 'रिग्रेसिव तब होता है जब आप इन सभी चीजों को एक यथार्थवादी कहानी में दिखाते हैं। नागिन को एक काल्पनिक कथा के रूप में प्रदर्शित किया गया था। स्पाइडर-मैन क्या है? क्या यह असली है? क्या नागिन असली है? यह असली नहीं है। तो, आलोचना कहाँ थी? पूरी दुनिया इसे देख रही थी, टीआरपी ने यह साबित कर दिया।

इसकी आलोचना केवल उन लोगों ने की जो बिना किसी काम के घर पर बैठे थे। इस दुनिया में ऐसा कोई नहीं है जिसकी आलोचना न की जाए, चाहे वह विराट कोहली हों, शाहरुख खान हों या सलमान खान। लेकिन किसे परवाह है? आपको अपना काम करना होगा और आगे बढ़ते रहना होगा।'

कार्तिक आर्यन ने तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी की शूटिंग को लेकर दिया अपडेट

कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी को लेकर सुर्खियों में हैं। उन्होंने फिल्म की शूटिंग को लेकर एक बड़ा अपडेट दिया। अभिनेता ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है। इसमें वह फिल्म के कलाकारों के साथ जश्न मनाते हुए नजर आ रहे हैं। कार्तिक ने वीडियो के साथ एक पोस्ट भी लिखी है। इसमें उन्होंने बताया है कि फिल्म की शूटिंग समाप्त हो चुकी है। कार्तिक आर्यन ने सोशल मीडिया पर जो वीडियो शेयर किया है, उसमें देखा जा सकता है कि एक व्यक्ति एलान करता है कि फिल्म की शूटिंग समाप्त हो चुकी है। इसके बाद कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे के साथ वहां मौजूद सभी लोग खुश हो जाते हैं। कई लोग एक साथ मिल कर केक काटते हैं। लोग एक दूसरे से गले मिलते हैं और डांस करते हैं। इस दौरान कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे काफी खुश हैं।

कार्तिक आर्यन ने लिखी पोस्ट

वीडियो के साथ कार्तिक आर्यन ने एक पोस्ट लिखी है। इसमें उन्होंने लिखा है न भुलाया जाने वाला अनुभव, तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी का सफर बहुत अच्छा रहा। 57 दिनों में फिल्म की शूटिंग समाप्त हुई। यह सफर रेमो डिसूजा, अमृता महल और अनाइता श्रॉफ के बिना मुम्किन नहीं था। उन्होंने निर्देशक समीर विद्वांस और अनन्या पांडे की भी तारीफ की। पोस्ट पर अनन्या पांडे ने कमेंट करते हुए लिखा आपके साथ अच्छा लगा। आपके साथ और फिल्में करना चाहूंगी।

फिल्म के बारे में

फिल्म तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी के निर्देशक समीर विद्वांस हैं। फिल्म को करण जौहर, अदार पूनावाला, अपूर्वा मेहता और किशोर अरोड़ा प्रोड्यूस कर रहे हैं। यह फिल्म 13 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसमें कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे के अलावा नीना गुप्ता, जैकी श्रॉफ, महिमा चौधरी, मुश्ताक खान और गौरव पांडे होंगे।

मुंबई में 'मिर्जापुर द फिल्म' की शूटिंग शुरू

2024 में 'मिर्जापुर- द फिल्म' की आधिकारिक घोषणा हुई थी। सोमवार को इसकी शूटिंग शुरू हो गई। अभिनेत्री रसिका दुग्गल ने फिल्म के पहले शेड्यूल की शूटिंग शुरू कर दी है। 'मिर्जापुर' सीरीज ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया था। इसकी कहानी दर्शकों को काफी पसंद आई। उन्होंने इसे छोटे पर्दे पर ही देखा था। अब दर्शकों को इसके बड़े पर्दे पर रिलीज होने का इंतजार है। फिल्म के पहले शेड्यूल की शूटिंग अभिनेत्री रसिका दुग्गल के साथ मुंबई में शुरू हुई है। इसमें वह बीना त्रिपाठी के रोल को निभाती दिखाई देंगी। उन्हें इस किरदार में दर्शकों ने खूब पसंद किया था। फिल्म से जुड़े सूत्र ने कहा, रसिका ने इस भूमिका के लिए बहुत अच्छी तैयारी की है और आसानी से बीना की दुनिया में वापस आ गई हैं। लोग उन्हें पूरी कास्ट के साथ देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। एक बात जो रोमांचक है, वह यह है कि उनका किरदार कितना प्रभावशाली बन रहा है। अब तक हमने जो कुछ भी देखा है, उससे ऐसा लगता है कि बीना त्रिपाठी मिर्जापुर की दुनिया में कुछ ऐसा लेकर आएंगी, जो पहले कभी नहीं देखा गया है। बताया जा रहा है कि 'मिर्जापुर' फिल्म में दमदार एक्शन और गद्दी के लिए लड़ते बाहुबलियों का संसार दिखाया जाएगा। यह फिल्म 2026 में रिलीज होगी। इस फिल्म से सीरीज के किरदारों की बड़े पर्दे पर वापसी होगी। इसमें कालीन भैया के रूप में पंकज त्रिपाठी, गुड्डू के रूप में अली फजल और मुन्ना के रूप में दिव्येंदु शर्मा जैसे कलाकार दिखाई देंगे। फिल्म में अभिनेता विक्रांत मैसी भी थे, उन्हें अपने बबलू पंडित के रोल को आगे बढ़ाने का ऑफर मिला था, लेकिन विक्रांत ने इसे ठुकरा दिया था।

बीना त्रिपाठी के अवतार में लौटीं रसिका दुग्गल

अहाना एस कुमरा पहली बार रियलिटी शो राइज़ एंड फॉल में नज़र आएँगी

स्क्रीन पर अपनी एक्टिंग से पहचान बना चुकीं अहाना एस कुमरा अब एक नया कदम उठाने जा रही हैं। वे अपने पहले रियलिटी शो राइज़ एंड फॉल से जुड़ रही हैं। लंबे समय से इस फॉर्मेट में आने का सही मौका तलाश रहीं अहाना अब इस नए सफर के लिए काफी उत्साहित हैं। इस शो के ज़रिए वे दर्शकों को अपना असली रूप दिखाना चाहती हैं और खुद को और अच्छे से जानना चाहती हैं। जब उनसे पूछा गया कि उन्होंने इस शो के लिए हाँ क्यों कहा, तो अहाना ने बताया, कई सालों से मेकर्स के साथ खतरों के खिलाड़ी करने की बात हो रही थी। इस साल जब उन्होंने मुझसे संपर्क किया, तो मैं पूरी तरह तैयार थी, क्योंकि मुझे पता था कि इस बार मुझे यह करना है। मुझे एडवेंचर स्पोर्ट्स बहुत पसंद हैं और खतरों के खिलाड़ी इसके लिए सबसे अच्छा है, क्योंकि इसमें एडवेंचर करते हुए आपको भुगतान भी मिलता है। लेकिन, इस साल खतरों के खिलाड़ी कैंसिल हो गया और इसके बाद अहाना राइज़ एंड फॉल तक पहुँचीं। अहाना ने कहा, मुझे एक बार फिर उस ख्वाब को छोड़ना पड़ा। लेकिन जब उन्होंने राइज़ एंड फॉल के लिए कॉल किया, तो मुझे दिलचस्पी हुई। मुझे मेरे दोस्त (जो कास्टिंग डायरेक्टर भी हैं) का फोन आया और उन्होंने कहा कि टीम से मिल लो। जब मैं उनसे मिली तो बहुत अच्छा लगा, क्योंकि पहली बार यह शो भारत में हो रहा है और मेरे लिए भी यह पहला मौका है किसी रियलिटी शो का हिस्सा बनने का। शो का कैप्टिव फॉर्मेट अहाना को रोमांचित भी करता है और नर्वस भी। उन्होंने बताया, यह बहुत चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि मैं हमेशा दोस्तों और परिवार से जुड़ी रहती हूँ, बात करती हूँ और घर पर रहती हूँ। अब सब से पूरी तरह कट जाना मुश्किल होगा। मुझे देखना है कि मैं कितने समय तक डटी रह सकती हूँ और यही वजह है कि मैंने यह शो करने का फैसला किया। राइज़ एंड फॉल में कुल 16 कंटेस्टेंट होंगे, जिनमें अर्जुन बिजलानी, किकू शारदा, कुब्रा सैत, धनश्री वर्मा, अरबाज़ पटेल, आरुष भोला और नयनदीप रक्षित शामिल हैं। शो का प्रसारण 6 सितंबर से शुरू होगा और इसकी मेज़बानी शार्क टैंक फेम अशनीर ग्रोवर करेंगे।

बिग बॉस 19 के पहले वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट होंगे शहबाज

'बिग बॉस 19' के वीकेंड का वार एपिसोड में सलमान खान ने बताया था कि इस सप्ताह बिग बॉस हाउस में एक वाइल्ड कार्ड एंट्री होगी। इसका नाम तो शेयर नहीं किया गया था, लेकिन लोगों को शो के कुछ प्रोमो देख पता लग गया था कि वह अभिनेत्री शहनाज गिल के परिवार से हो सकता है। अब इस बात का खुलासा हो गया है कि ये कंटेस्टेंट कोई और नहीं, शहनाज गिल के भाई शहबाज बदेशा हैं। वो इस सप्ताह बिग बॉस 19 के घर में वाइल्ड कार्ड प्रतियोगी के रूप में प्रवेश करेंगे। अपने भाई के बिग बॉस के घर में जाने पर अभिनेत्री शहनाज बहुत खुश हैं।

अदा ने कर दिखाया कुछ ऐसा

जिसे दुनिया में सिर्फ एक फीसदी इंसान कर सकते हैं

अभिनेत्री अदा शर्मा ने रविवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है। यह काफी मजेदार है। अदा का कहना है कि वे जो कर रही हैं, ऐसा दुनिया में सिर्फ एक फीसदी लोग कर पाते हैं।

अदा शर्मा अपनी अदाकारी के लिए मशहूर हैं। फिल्म द केरल स्टोरी ने उनकी लोकप्रियता में जबर्दस्त इजाफा किया। अभिनेत्री सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं और फैंस के साथ अपडेट शेयर करती रहती हैं। आज रविवार को उन्होंने एक मजेदार वीडियो शेयर किया है। इसमें वे अपनी मां के साथ नजर आ रही हैं।

यूजर्स से पूछा- आप एलियन हो या इंसान?

अदा शर्मा ने इंस्टाग्राम पर अपनी वीडियो शेयर की है। वे अपने अंगूठे और उंगलियों से कुछ मुद्राएं बनाने की कोशिश करती हैं। हालांकि, वे परफेक्ट तरीके से ऐसा करने में सफल नहीं होतीं और फिर उनकी मां इसे बखूबी करके दिखाती हैं। अदा शर्मा दावा करती हैं कि ऐसा सिर्फ दुनिया में एक फीसदी लोग कर सकते हैं या फिर एलियन। उन्होंने कैप्शन में लिखा है, क्या आप एलियन हो या इंसान?

अदा की आंखों की खूबसूरती में खोए फैंस

अदा शर्मा के इस वीडियो पर यूजर्स के मजेदार कमेंट्स आ रहे हैं। अधिकांस यूजर्स उनकी आंखों की खूबसूरती की तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, बिना मेकअप के भी अदा शर्मा कितनी खूबसूरत लगती हैं। एक अन्य यूजर ने लिखा, हम तो सिर्फ आपकी आंखें ही देख रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, वैसे आपकी मम्मी किस प्लेनेट से हैं? एक यूजर ने लिखा, आपने सबको अच्छी ड्यूटी पर लगा दिया है। आपकी अदा पर दुनिया फिदा।

अनन्या की कॉल मी बे को एक साल पूरा

अभिनेत्री अनन्या पांडे की पहली वेब सीरीज कॉल मी बे को रिलीज हुए पूरे एक साल हो गए हैं। इस मौके पर अनन्या ने सोशल मीडिया के जरिए अपने प्रशंसकों का आभार जताया। अभिनेत्री ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर फिल्म के सीन की तस्वीर पोस्ट की, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, कॉल मी बे को एक साल पूरा हो गया है और मैं आप सबकी बहुत आभारी हूं कि हमें आज भी इतना प्यार मिल रहा है। लोग अब भी मुझसे पूछते हैं कि सीजन-2 कब आ रहा है, और वह बहुत जल्दी आने वाला है! मैं फिर से अपनी शानदार टीम के साथ काम करने और बे की हील्स (जूते) पहनने का इंतजार नहीं कर सकती। वह सच में सबसे प्यारी लड़की है।

सीजन 2 का ऐलान

साभार एजेंसी

हॉकी एशिया कप 2025:

जीत के रथ पर सवार भारत के सिर सजा एशिया कप का ताज, टूर्नामेंट में दागे सर्वाधिक गोल

राजगीर, एजेंसी। भारतीय हॉकी टीम आठ साल बाद एशिया कप की चैंपियन बनी है। यह उसकी टूर्नामेंट में चौथी खिताबी जीत है। हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी में भारतीय टीम ने मौजूदा चैंपियन कोरिया को पराजित कर न सिर्फ ट्रॉफी जीती, बल्कि अगले साल बेल्जियम और नीदरलैंड की संयुक्त मेजबानी में होने वाले विश्व कप के लिए भी क्वालिफाई कर लिया।

बिहार के राजगीर में एशिया कप 2025 का खिताबी मुकाबला रविवार को भारत और दक्षिण कोरिया के बीच खेला गया। इस मैच में भारतीय हॉकी टीम ने पांच बार की विजेता कोरिया को 4-1 से हराकर खिताब अपने नाम किया। दिलचस्प बात यह है कि भारतीय टीम इस पूरे टूर्नामेंट में अजेय रही। भारत आठ साल बाद एशिया कप का चैंपियन बना है। यह उसकी एशिया कप में चौथी खिताबी जीत है।

पूल चरण में अपराजेय रही भारतीय टीम

एशिया कप हॉकी 2025 में भारतीय टीम ने पूल चरण में शानदार प्रदर्शन किया। टीम इंडिया ने लगातार तीन मुकाबले जीतकर सबका ध्यान अपनी ओर खींचा और नॉकआउट चरण की दौड़ में अपनी स्थिति मजबूत कर ली।29 अगस्त को भारत ने चीन को रोमांचक मुकाबले में 4-3 से मात दी। इसके बाद 31 अगस्त को जापान के खिलाफ कड़े संघर्ष में भारतीय खिलाड़ियों ने 3-2 से जीत दर्ज की। वहीं, 1 सितंबर को कजाकिस्तान पर टीम इंडिया ने आक्रामक खेल दिखाते हुए 15-0 से एकतरफा जीत हासिल की। भारतीय खिलाड़ियों का यह प्रदर्शन पूरी तरह आत्मविश्वास और तालमेल से भरा हुआ रहा। तीनों मैचों में जीत दर्ज करने के बाद टीम ने एशिया कप खिताब की प्रबल दावेदारी पेश की।

सुपर-4 चरण में भी अजेय रही भारतीय टीम

सुपर-4 चरण में भी भारत अजेय रहा और अंततः खिताब अपने नाम किया। तीन सितंबर को भारत और कोरिया के बीच मुकाबला 2-2 की बराबरी पर समाप्त हुआ। अगले ही दिन यानी चार सितंबर को टीम इंडिया ने मलयेशिया को 4-1 से मात देकर धमाकेदार जीत हासिल की। इसके बाद छह सितंबर को भारत ने चीन पर 7-0 से बड़ी जीत दर्ज की।

दक्षिण अफ्रीका को मिली वनडे क्रिकेट इतिहास की सबसे बड़ी हार, इंग्लैंड ने 342 रन से हराया

हैम्पशायर, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम को वनडे क्रिकेट इतिहास की सबसे बड़ी हार झेलनी पड़ी है। रविवार को खेले गए मुकाबले में इंग्लैंड ने दक्षिण अफ्रीका को 342 रन के अंतर से हरा दिया। दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था, जो बिल्कुल उल्टा पड़ गया। इंग्लैंड ने 50 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 414 रन बनाए। जैकब बेथेल ने अपना पहला शतक लगाया और 82 गेंद पर 3 छक्के और 13 चौके लगाते हुए 110 रन की पारी खेली।

वहीं, जो रूट ने 96 गेंदों पर 6 चौके लगाते हुए 100 रन की पारी खेली। इसके अलावा जोस बटलर ने 32 गेंद पर नाबाद 62 रन की पारी खेली। जेमी स्मिथ ने 48 गेंद पर 62 रन बनाए।

- दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाज बिल्कुल निष्प्रभावी रहे

415 रन के लक्ष्य का सामना करने उतरी दक्षिण अफ्रीका ने इंग्लैंड के गेंदबाजों के सामने पूरी तरह सरेंडर कर दिया। जोफ्रा आर्चर ने अपनी घातक गेंदबाजी से दक्षिण अफ्रीका के टॉप ऑर्डर को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। दक्षिण अफ्रीका 20.5 ओवर में महज 72 रन पर सिमट गई। रनों के लिहाज से वनडे क्रिकेट इतिहास की यह सबसे बड़ी हार है। कॉर्बिन बोश 20 रन बनाकर दक्षिण अफ्रीका के शीर्ष स्कोरर रहे। आर्चर ने 9 ओवर में 18 रन देकर 4 विकेट लिए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। आदिल रशीद ने 3 और ब्रायडन कार्स ने 2 विकेट लिए। टेंबा बवुमा ने बल्लेबाजी नहीं की। 3 वनडे मैचों की इस सीरीज की विजेता दक्षिण अफ्रीका रही। दक्षिण अफ्रीका ने पहले और दूसरे वनडे में इंग्लैंड को हराया था। 27 साल में यह पहला मौका है, जब दक्षिण अफ्रीका ने इंग्लैंड को उसके घर में वनडे सीरीज में मात दी है।

गेम ऑफ थ्रोन्स के द माउंटेन ने रचा इतिहास, 510 Kg डेडलिफ्ट कर बनाया नया विश्व रिकॉर्ड

बर्मिंघम, एजेंसी। हाफथॉर ब्योर्नसन का यह पहला बड़ा कारनामा नहीं है। वे 2018 में वर्ल्ड्स स्ट्रॉन्गेस्ट मैन का खिताब जीत चुके हैं। अपनी ताकत और रिकॉर्ड तोड़ लिफ्ट के चलते वे वेटलिफ्टिंग और स्ट्रॉन्गमैन प्रतियोगिताओं में पहले से ही जाना-पहचाना नाम हैं। गेम ऑफ थ्रोन्स में ग्रेगर क्लेगने उर्फ द माउंटेन का किरदार निभा चुके आइसलैंड के एथलीट और अभिनेता हाफथॉर ब्योर्नसन ने एक बार फिर ताकत का शानदार नमूना पेश किया। ब्योर्नसन ने बर्मिंघम में आयोजित स्ट्रॉन्गमैन 2025 प्रतियोगिता के दौरान 510 किलोग्राम (1124 पाउंड) डेडलिफ्ट उठाकर नया विश्व रिकॉर्ड बना दिया। उन्होंने अपना ही पुराना रिकॉर्ड तोड़ा, जो 2020 में 505 किलोग्राम (1113 पाउंड) का था।

पहले भी रहे हैं सुर्खियों में

हाफथॉर ब्योर्नसन का यह पहला बड़ा कारनामा नहीं है। वे 2018 में वर्ल्ड्स स्ट्रॉन्गेस्ट मैन का खिताब जीत चुके हैं। अपनी ताकत और रिकॉर्ड तोड़ लिफ्ट के चलते वे वेटलिफ्टिंग और स्ट्रॉन्गमैन प्रतियोगिताओं में पहले से ही जाना-पहचाना नाम हैं।

ब्योर्नसन की वार्म-अप स्ट्रैटेजी

मुख्य लिफ्ट से पहले उन्होंने वार्म-अप में कई वजन उठाए-

70 किलो म 5 रेप्स
120 किलो म 3 रेप्स
170 किलो म 2 रेप्स
220, 270, 320 और 370 किलो- सभी एक-एक बार

मुख्य मंच पर उन्होंने 420 किलो, 470 किलो और आखिर में 510 किलो का डेडलिफ्ट उठाया।

द माउंटेन का एनर्जी से भरपूर नाश्ता: वेंट से पहले ब्योर्नसन ने अपना नाश्ता भी शेयर किया जिसमें आलू (शकरकंद और साधारण), अंडे, चावल, ग्रीक योगर्ट, ब्लूबेरी के साथ ओटमील और ऑरेंज जूस शामिल था। उन्होंने कहा, मैं प्रतियोगिता के दिन कभी भी अपनी डाइट नहीं बदलता। वही खाना, वही रूटीन। पेट खुश तो फोकस सही रहता है। इस तरह हाफथॉर ब्योर्नसन ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वे सिर्फ गेम ऑफ थ्रोन्स के द माउंटेन ही नहीं, बल्कि असल जिंदगी में भी स्ट्रॉन्गमैन हैं।

510 किलो उठाना दिखा आसान

सबसे खास बात यह रही कि 510 किलो का वजन उठाते समय ब्योर्नसन काफी सहज दिखे। फैंस को लगा कि शायद वे और ज्यादा वजन भी उठा सकते हैं। हालांकि, अपने यूट्यूब चैनल पर साझा किए गए वीडियो में ब्योर्नसन ने साफ कहा, लोग पूछ रहे हैं कि अगर 510 हल्का लगा तो क्या आप और भारी उठाएंगे? इसका ईमानदार जवाब है नहीं। उन्होंने बताया कि यह एक सोच-समझकर लिया गया फैसला था क्योंकि इस इवेंट में आगे पांच और प्रतियोगिताएं थीं। उनका मकसद सिर्फ रिकॉर्ड तोड़ना ही नहीं, बल्कि पूरा शो जीतना था।

क्रिस गेल ने किया खुलासा, पंजाब किंग्स में हुआ अपमान, कहा- मैं कोच कुंबले से निराश हूं

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज के पूर्व सलामी बल्लेबाज और यूनिवर्स बॉस के नाम से मशहूर क्रिस गेल एक मस्तीखोर इंसान के रूप में जाने जाते हैं। वह जहां भी जाते हैं उनके चेहरे पर एक चमकदार मुस्कान होती है। गेल ने दुनिया भर की कई टी20 फ्रेंचाइजी के लिए खेला है। 2021 में पंजाब किंग्स के साथ उनका आईपीएल करियर अचानक खत्म हो गया। उन्होंने बीच में ही फ्रेंचाइजी छोड़ने के लिए बबल थकान का हवाला दिया। लेकिन अब सालों बाद उन्होंने फ्रेंचाइजी पर उनका अनादर करने का आरोप लगाया है।

गेल ने शुभंकर मिश्रा को उनके यूट्यूब शो पर कहा, ओह, मेरा आईपीएल समय से पहले ही समाप्त हो गया। आप जानते हैं पंजाब के साथ ईमानदारी से कहूं तो। हां मेरा मतलब है कि फ्रेंचाइजी पंजाब किंग्स इलेवन में मेरा अनादर किया गया। आप जानते हैं। मुझे ऐसा लगा कि एक वरिष्ठ खिलाड़ी के रूप में मेरे साथ ठीक से व्यवहार नहीं किया जा रहा था। जिसने लीग के लिए इतना कुछ किया। आप जानते हैं फ्रेंचाइजी के लिए भी इतना मूल्य लाया। और फिर आपका अनादर किया जाता है और वे आपके साथ एक बच्चे की तरह व्यवहार करते हैं और फिर मैं लगभग ऐसा महसूस करता हूं जैसे मुझे लगा कि इमारत मेरे कंधे पर है।

वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2025:

लक्ष्य चाहर प्री-क्वार्टर फाइनल में

जैस्मिन क्वार्टर फाइनल में; निखत भिड़ेंगी जापान की युना निशिनाका से

नई दिल्ली, एजेंसी। लिवरपूल में चल रही वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2025 में भारत के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन जारी है। पुरुषों के 80 किग्रा भार वर्ग में लक्ष्य चाहर प्री-क्वार्टर फाइनल (राउंड ऑफ 16) में पहुंच गए हैं, जबकि महिलाओं के 57 किग्रा भार वर्ग में जैस्मिन ने क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। लक्ष्य चाहर ने पुरुषों के 80 किग्रा वर्ग में दमदार प्रदर्शन करते हुए जॉर्डन के हुसैन इशैश को 5-0 से मात दी। उन्होंने मुकाबले की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की और पहले राउंड में बढ़त बना ली। दूसरे राउंड में हुसैन ने वापसी की कोशिश की, लेकिन तीसरे राउंड में लक्ष्य ने फिर से दबदबा बनाया और शानदार जीत दर्ज की। सभी पांचों जजों ने सर्वसम्मति से फैसला लक्ष्य के पक्ष में दिया। महिलाओं के 57 किग्रा वर्ग में जैस्मिन ने ब्राजील की जूसिएलन सेकेरा रोमेउ को 5-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

निखत की दमदार वापसी 51 किग्रा वर्ग में अनसीडेड निखत जरीन ने चोट से उबरने के बाद शानदार वापसी की। उन्होंने राउंड ऑफ 32 में अमेरिका की जेनिफर लोजानो को 5-0 से मात दी। 29 वर्षीय निखत ने मुकाबले की शुरुआत सावधानी से की और पूरे मैच में नियंत्रण बनाए रखा। अब वे प्री-क्वार्टर फाइनल में जापान की युना निशिनाका से भिड़ेंगी।

जैस्मिन क्वार्टरफाइनल में पहुंची

पवन बर्तवाल का सफर समाप्त पुरुषों के 55 किग्रा वर्ग में भारत के पवन बर्तवाल को उज्बेकिस्तान के मिर्जाखालोलोव मिराजिजबेक के खिलाफ 0-5 से हार झेलनी पड़ी। इसके साथ ही उनकी विश्व चैंपियनशिप की यात्रा यहीं समाप्त हो गई। लवलीना बोरगोहैन बाहर टोक्यो ओलंपिक की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट लवलीना बोरगोहैन पहले दौर में ही बाहर हो गईं। उन्हें महिलाओं के 75 किग्रा वर्ग में तुर्की की बुसरा इसिलदार ने 5-0 से हराया। हार के बाद 27 वर्षीय लवलीना ने कहा कि उन्हें उचित ट्रेनिंग और कोचिंग नहीं मिल पा रही है। उन्होंने करीब एक महीने पहले भी BFI के एक वरिष्ठ अधिकारी पर दुर्व्यवहार के आरोप लगाए थे।

एशिया कप स्क्वॉड से बाहर होने पर श्रेयस अय्यर का छलका दर्द, बोले- मेहनत करते रहो, चाहे कोई...

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट 2025 की शुरुआत 9 सितंबर (मंगलवार) से हो रही है. इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम अपने अभियान का आगाज 10 सितंबर को संयुक्त अरब अमीरात (श्र) के खिलाफ मुकाबले से करेगी. फिर टीम इंडिया को पाकिस्तान का सामना करना है. भारत-पाकिस्तान का मुकाबला 14 सितंबर को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में ही खेला जाना है. एशिया कप में भारतीय टीम की कप्तानी सूर्यकुमार यादव कप्तानी करने जा रहे हैं. वहीं शुभमन गिल को भारतीय टीम का उप-कप्तान बनाया गया है. टीम में स्टार बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को जगह नहीं मिली है, जिन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में पंजाब किंग्स के लिए शानदार प्रदर्शन किया था. श्रेयस अय्यर का टीम में ना होना फैन्स और क्रिकेट विशेषज्ञों को हैरान कर गया. अब श्रेयस ने एशिया कप स्क्वॉड में नहीं चुने जाने पर अपनी चुप्पी तोड़ी है. श्रेयस ने टीम से बाहर किए जाने पर खिलाड़ियों को होने वाली मानसिक चुनौतियों के बारे में भी बात की.

मोहम्मद रिजवान ने अकेले जितवा दिया मैच, पाकिस्तान से बाहर होने के बाद इस टीम के लिए उड़ाए 22 छक्के -चौके

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान की एशिया कप की टीम से बाहर होने के बाद मोहम्मद रिजवान ने सीपीएल का रुख किया, जहां उनका करार सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स टीम से हुआ. इसके आगे की कहानी सीपीएल 2025 में बखूबी दिख रही है. गयाना अमेजन वॉरियर्स के खिलाफ 8 सितंबर को खेले मुकाबले में मोहम्मद रिजवान ने अपनी टीम को अकेले दम पर मैच जिताया. और, इसका इससे बड़ा सबूत और क्या होगा कि गयाना अमेजन वॉरियर्स के खिलाफ टीम के बनाए टोटल रन में आधे से ज्यादा रिजवान के बल्ले से निकले थे,

रिजवान किसी गेंदबाज से नहीं हुए आउट

गयाना अमेजन वॉरियर्स के खिलाफ सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स की टीम पहले बल्लेबाजी करने उतरी. उसके लिए पारी मोहम्मद रिजवान और आंद्रे फ्लेचर ने पारी की शुरुआत की. ओपनिंग जोड़ी तो ज्यादा देर तक नहीं जमीं पर रिजवान इतनी देर तक विकेट पर जरूर खड़े हो गए, जिससे गयाना अमेजन वॉरियर्स को हराने लायक रन स्कोर बोर्ड पर लग गए. मोहम्मद रिजवान को मैच में गयाना का कोई गेंदबाज आउट नहीं कर सका. बल्कि वो रन आउट हुए. हालांकि, उससे पहले वो अपना काम कर चुके थे. मोहम्मद रिजवान ने गयाना के खिलाफ 137 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट से 62 गेंदों पर 85 रन बनाए, जिसमें 3 छक्के और 8 चौके शामिल रहे. पाकिस्तान की एशिया कप की टीम से बाहर होने के बाद खेली ये मोहम्मद रिजवान की सबसे बड़ी इनिंग है. इतना ही नहीं पाक टीम से बाहर होने के बाद रिजवान अब तक सीपीएल 2025 में खेले 5 मैचों में 62.66 की औसत से 22 छक्के-चौके के साथ 188 रन जड़ चुके हैं. अब तक उनके बल्ले से निकले 22 छक्के -चौकों में 13 चौके और 9 छक्के शामिल हैं.

कार्लोस अल्काराज ने सिनर को हराकर जीता यूएस ओपन का खिताब, बने नंबर 1

नई दिल्ली, एजेंसी। स्पेन के टेनिस सुपरस्टार कार्लोस अल्काराज ने शानदार प्रदर्शन के साथ यूएस ओपन 2025 का पुरुष एकल खिताब अपने नाम कर लिया है। इसी के साथ ही उन्होंने जैनिक सिनर को हराकर यूएस ओपन खिताब जीता और विश्व नंबर 1 रैंकिंग भी हासिल की। यूएस ओपन फाइनल में अल्काराज ने इटली के सिनर को चार सेटों में 6-2, 3-6, 6-1, 6-4 से हराकर अपना दूसरा यूएस ओपन और छठा ग्रैंड स्लैम खिताब जीता। इस जीत के साथ ही अल्काराज ने सिनर की 65 सप्ताह की विश्व नंबर 1 रैंकिंग को छीनकर फिर से शीर्ष स्थान हासिल किया है।

दरअसल, अल्काराज ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। अल्काराज ने सिनर पर दबदबा कायम रखते हुए पहला सेट 6-2 से अपने नाम किया। हालांकि, सिनर ने दूसरे सेट में वापसी की और 6-3 से जीतकर मुकाबला बराबर किया। अल्काराज ने तीसरे सेट में शानदार वापसी की और 6-1 से जीत हासिल की। इसके बाद चौथे सेट में 6-4 से जीत हासिल की। अल्काराज ने पूरे टूर्नामेंट में केवल एक सेट गंवाया, जो इस फाइनल में था। इस जीत के बाद कार्लोस अल्काराज जश्न में डूबे नजर आए। उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वे कुछ लोगों के साथ अपनी जीत को सेलिब्रेट कर रहे हैं। 2025 में अल्काराज और सिनर के बीच यह लगातार तीसरा ग्रैंड स्लैम फाइनल था। इससे पहले अल्काराज ने फ्रेंच ओपन में सिनर को हराया था, जबकि सिनर ने विंबलडन में जीत हासिल की थी। अल्काराज छह ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने वाले ब्योर्न बोर्ग के बाद दूसरे सबसे युवा पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। उनके पास अब फ्रेंच ओपन, विंबलडन और यूएस ओपन में दो-दो खिताब हैं, जिसके साथ वह नोवाक जोकोविच, राफेल नडाल और मैट्स विलेंडर के साथ उन चुनिंदा पुरुष खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने तीनों सतहों (हार्ड कोर्ट, क्ले और घास) पर कई ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं। इस जीत के साथ उन्होंने 5 मिलियन डॉलर की पुरस्कार राशि भी हासिल की है।

गाज़ा में मानवीय संकट की अनदेखी के बाद अब इज़राइली मीडिया में फलस्तीनियों की कवरेज शुरू

» तेल अवीव, भाषा।

गाज़ा पट्टी में जारी युद्ध को लेकर इज़राइली समाचार चैनलों की कवरेज में हाल के दिनों में बदलाव देखने को मिला है। पिछले लगभग दो वर्षों से जहां टेलीविजन चैनल मुख्यतः इज़राइली बहादुरी, बंधकों के परिजनों की पीड़ा और युद्ध में मारे गए सैनिकों पर ध्यान केंद्रित कर रहे थे, वहीं अब कुछ चैनलों ने फलस्तीनियों की कठिनाइयों को दिखाना शुरू किया है। हाल के महीनों में इज़राइली मीडिया ने कुपोषित बच्चों की तस्वीरें और गाज़ा में दैनिक जीवन की परेशानियों पर आधारित विस्तृत खबरें दी हैं। यह परिवर्तन ऐसे समय में आया है जब इज़राइल को गाज़ा युद्ध को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काफी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। हिब्रू विश्वविद्यालय में संचार के प्राध्यापक एरन अमसालेम ने बताया, यह केवल गाज़ा की स्थिति के प्रति चिंता नहीं है, बल्कि यह भी सवाल है कि क्या हम इस युद्ध के लक्ष्यों की पूर्ति के लिए सही तरीके से काम कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अब तक युद्ध समाप्ति की मांग कर रहे आंदोलनों की अनदेखी करते आए हैं। सात अक्टूबर, 2023 को हमास द्वारा किए गए हमले और उसके बाद दो वर्षों से जारी क्षेत्रीय संघर्ष के कारण फलस्तीनियों के समर्थन में उठ रही आवाज़ों का असर कम होता दिखाई दे रहा है। सात अक्टूबर को हमास समर्थित उग्रवादियों ने इज़राइली सीमा पर हमला किया, जिसमें लगभग1,200 लोगों की मौत हुई और 251 लोगों को बंधक बना लिया गया। इनमें से अब 48 लोग अभी भी गाज़ा में हैं, जिनमें लगभग 20 के जीवित होने की संभावना है। यह हमला इज़राइल के घरेलू मोर्चे पर सबसे बड़ा बताया गया और आज भी स्थानीय मीडिया में इसकी व्यापक कवरेज होती है। प्रसिद्ध इज़राइली एंकर रवीव ड्रकर ने कहा, युद्ध के समय में इज़राइली मीडिया ने गाज़ा में पीड़ा, भूख या तबाही की रिपोर्टिंग बहुत कम की। और अगर की भी, तो केवल इस

दृष्टिकोण से कि वह हमास को खत्म करने में कितनी प्रभावी रही। इज़राइल ने युद्ध की शुरुआत से ही गाज़ा में अंतरराष्ट्रीय पत्रकारों की स्वतंत्र रिपोर्टिंग पर रोक लगा रखी है। अमेरिका स्थित कमेटी टू प्रोटेक्ट जर्नलिस्ट्स के अनुसार, यह पत्रकारों के लिए अब तक का सबसे घातक संघर्ष रहा है, जिसमें कम से कम 189 फलस्तीनी पत्रकार मारे गए हैं। जिन पत्रकारों ने गाज़ा में मानवीय संकट की रिपोर्टिंग की, उन्हें आलोचना का सामना करना पड़ा। प्रमुख एंकर योनित लेवी ने जुलाई में रिपोर्टिंग के दौरान कहा, शायद यह समझने का समय आ गया है कि यह कूटनीति की असफलता नहीं, बल्कि नैतिक विफलता है। इसके बाद उन्हें दक्षिणपंथी चैनल 14 पर हमास की प्रवक्ता कहा गया, और एक कार्यकर्ता ने उन पर इज़राइली सैनिकों का अपमान करने का आरोप लगाया। इसी चैनल के कुछ टिप्पणीकारों ने फलस्तीनियों की हत्या और घरों को ध्वस्त किए जाने का यह कहते हुए समर्थन किया है कि गाज़ा में कोई निर्दोष नागरिक नहीं है। गाज़ा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, अब तक 64,000 से अधिक फलस्तीनी मारे जा चुके हैं। हालांकि मंत्रालय हमास के अधीन है, लेकिन उसके आंकड़ों को संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों और स्वतंत्र विशेषज्ञों द्वारा विश्वसनीय माना गया है। इज़राइल का कहना है कि वह इन आंकड़ों से सहमत नहीं है, लेकिन उसने अपने आंकड़े सार्वजनिक नहीं किए हैं। हाल के हफ्तों में मीडिया ने फलस्तीनियों से संबंधित लंबी खबरें प्रकाशित की हैं। इनमें गाज़ा में भोजन और दवा पर लगी ढाई महीने की रोक के कारण उत्पन्न भुखमरी की स्थिति पर ध्यान केंद्रित किया गया है। कुछ प्रमुख टेलीविजन चैनलों ने गाज़ा में रहने वाले फलस्तीनियों के साक्षात्कार भी दिखाए हैं, हालांकि उनकी पहचान छिपाने के लिए वीडियो संपादित किए गए हैं, जिससे उन्हें हमास या अन्य पक्षों से खतरा न हो।

इजराइल ने फलस्तीनी कैदियों को भूखा रखा : उच्चतम न्यायालय

तेल अवीव, भाषा। इजराइल के उच्चतम न्यायालय ने रविवार को कहा कि इजराइली सरकार ने फलस्तीनी कैदियों को ठीक से भोजन तक नहीं दिया, और सरकार को आदेश दिया कि वह इन कैदियों को पर्याप्त और गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराए। यह फैसला एसोसिएशन फॉर सिविल राइट्स इन इजराइल और गीशा नामक मानवाधिकार संस्था द्वारा पिछले वर्ष दायर याचिका पर सुनाया गया। ऐसा बहुत कम देखने को मिला है कि 23 महीने से जारी इजराइल-हमास युद्ध के दौरान उच्चतम न्यायालय ने सरकार के फैसलों पर इस तरह से सवाल उठाया हो। उच्चतम न्यायालय के तीन न्यायाधीशों की पीठ ने सर्वसम्मति से फैसला सुनाते हुए कहा कि इजराइली सरकार की यह कानूनी जिम्मेदारी है कि वह फलस्तीनी कैदियों को बुनियादी जीवन स्तर सुनिश्चित करने के लिए दिन में तीन बार भोजन उपलब्ध कराए। अदालत ने प्राधिकारियों को यह दायित्व निभाने का आदेश दिया। अदालत ने माना कि सरकार ने जानबूझकर जेलों में फलस्तीनी कैदियों को पर्याप्त भोजन नहीं दिया, जिससे इजराइल-हमास युद्ध के दौरान उन्हें कुपोषण और भुखमरी का सामना करना पड़ा। फैसले में कहा गया, हम यहां आरामदायक जिंदगी या किसी तरह की सुविधा की बात नहीं कर रहे, बल्कि बस उतनी जरूरी चीजों की बात कर रहे हैं जो जिंदा रहने के लिए कानून के मुताबिक जरूरी हैं। हमें अपने सबसे बुरे दुश्मनों के साथ भी ऐसा व्यवहार नहीं करना चाहिए। इजराइली सेना ने गाजा और कब्जे वाले वेस्ट बैंक में बड़ी संख्या में फलस्तीनियों को आतंकवादी संबंधों के संदेह में गिरफ्तार किया है। इनमें से हजारों लोगों को महीनों तक बिना किसी आरोप के शिविरों व जेलों में रखा गया और बाद में रिहा कर दिया गया। इन लोगों ने बताया कि हिरासत के दौरान हालात बेहद खराब थे - जगह बहुत छोटी थी, पर्याप्त भोजन नहीं मिलता था, इलाज भी ठीक से नहीं होता था, और खाज-खुजली जैसी बीमारियां फैली हुई थीं। दो मानवाधिकार संगठनों ने इसे इज़राइली सरकार की एक सुनियोजित नीति बताया। फलस्तीनी अधिकारियों के अनुसार, युद्ध शुरू होने के बाद से कम से कम 61 फलस्तीनी लोगों की इजराइल की कैद में रहने के दौरान मौत हो चुकी है।

यरुशलम में गोलीबारी में कम से कम पांच लोगों की मौत

यरुशलम, भाषा। उत्तरी यरुशलम में भीड़भाड़ वाले एक चौराहे पर एक बस स्टॉप पर हमलावरों द्वारा की गई गोलीबारी में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और 12 अन्य घायल हो गए। इजराइली पुलिस और आपातकालीन बचाव सेवा की तरफ से यह जानकारी दी गई। पुलिस ने बताया कि हमलावरों ने बस स्टॉप पर इंतजार कर रहे लोगों पर गोलियां चलाईं, जबकि इजराइली मीडिया के अनुसार हमलावर एक भीड़ भरी बस में चढ़ गए और अंदर गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिस ने बताया कि घटनास्थल पर मौजूद एक सुरक्षा अधिकारी और एक आम नागरिक ने हमलावरों को मार गिराया। गोलीबारी यरूशलम के उत्तरी प्रवेश बिंदु के निकट एक प्रमुख चौराहे पर हुई, जो पूर्वी यरूशलम में स्थित यहूदी बस्तियों की ओर जाने वाली सड़क पर स्थित है। हमले के फुटेज में सुबह के व्यस्त समय में भीड़भाड़ वाले चौराहे पर स्थित एक बस स्टॉप से कई लोग भागते हुए दिखाई दे रहे हैं। घटनास्थल पर पहुंचे पैरा चिकित्सकों ने बताया कि इलाके में अफरा-तफरी मची हुई थी और टूटे हुए शीशे बिखरे पड़े थे, सड़क पर और बस स्टॉप के पास फुटपाथ पर लोग घायल और बेहोश पड़े थे। सैकड़ों सुरक्षा बल अतिरिक्त हमलावरों या क्षेत्र के आसपास लगाए गए विस्फोटकों की तलाश के लिए घटनास्थल पर पहुंचे। इजराइली सेना ने कहा कि वह हमले के जवाब में सुरक्षा बढ़ाते हुए पश्चिमी तट के निकटवर्ती शहर रामल्ला के बाहरी इलाके में फलस्तीनी गांवों की घेराबंदी कर रही है। हमास ने जिम्मेदारी लिए बिना हमले की सराहना की और इसे हमारे लोगों के खिलाफ कब्जे वाले अपराधों के प्रति स्वाभाविक प्रतिक्रिया बताया। गाजा में युद्ध ने इजराइल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक और इजराइल दोनों में हिंसा में वृद्धि की है। फलस्तीनी उग्रवादियों ने इजराइल और पश्चिमी तट पर इजराइलियों पर हमला किया है और उनकी हत्या की है, जबकि फलस्तीनियों के खिलाफ बसने वालों की हिंसा में भी वृद्धि हुई है। पिछले कुछ महीनों में इजराइल में छिटपुट हमले हुए हैं, लेकिन आखिरी घातक सामूहिक गोलीबारी अक्टूबर 2024 में हुई थी, जब वेस्ट बैंक के दो फलस्तीनियों ने तेल अवीव क्षेत्र में एक प्रमुख बुलेवार्ड और लाइट रेलवे स्टेशन पर गोलीबारी की थी।

बेंसेंट ने एनबीसी न्यूज को दिए एक साक्षात्कार में कहा

तेल खरीदने वाले देशों पर और प्रतिबंध से मॉस्को को लग सकता है झटका : बेंसेंट

» न्यूयॉर्क/वॉशिंगटन, भाषा।

अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेंसेंट का कहना है कि यदि वाशिंगटन और यूरोपीय संघ रूस से कच्चा तेल खरीदने वाले देशों पर और अधिक द्वितीयक प्रतिबंध लगाते हैं तो इससे रूसी अर्थव्यवस्था पूरी तरह से चरमरा सकती है। बेंसेंट ने एनबीसी न्यूज को रविवार को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेन्स ने यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयन के साथ सार्थक बातचीत की थी। इस दौरान अमेरिका और यूरोपीय संघ द्वारा रूस पर और दबाव बनाने के संभावित उपायों पर चर्चा हुई। ट्रंप प्रशासन ने रूस से तेल खरीदने के कारण भारत पर पहले से लगाए गए 25 प्रतिशत शुल्क के अतिरिक्त 25 प्रतिशत का और शुल्क लगा दिया है। इस प्रकार नई दिल्ली पर कुल शुल्क बढ़कर 50 प्रतिशत हो गया है, जो 27 अगस्त से प्रभावी हुआ है।

वित्त मंत्री ने कहा कि अमेरिका रूस पर दबाव बढ़ाने को तैयार है, लेकिन इसके लिए हमें अपने यूरोपीय साझेदारों का समर्थन चाहिए। बेंसेंट ने कहा, यह अब एक रेस बन गई है- एक तरफ यूक्रेनी सेना कितने समय तक टिक सकती है और दूसरी तरफ रूसी अर्थव्यवस्था कितने समय तक संभल सकती है। उन्होंने कहा, अगर अमेरिका और ईयू मिलकर प्रतिबंधों को और सख्त करते हैं और रूसी तेल खरीदने वाले देशों पर द्वितीयक शुल्क लगाते हैं, तो रूसी अर्थव्यवस्था पूरी तरह से चरमरा जाएगी और इससे राष्ट्रपति (व्लादिमीर) पुतिन वार्ता के लिए मजबूर होंगे। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि उन्हें इस बात से बहुत निराशा हुई है कि भारत रूस से इतनी बड़ी मात्रा

में तेल खरीद रहा है। शुक्रवार को ओवल ऑफिस में एक सवाल के जवाब में ट्रंप ने कहा, हमने भारत पर 50 प्रतिशत का बहुत बड़ा शुल्क लगाया है, यह बहुत अधिक शुल्क है। मेरी (प्रधानमंत्री नरेन्द्र) मोदी से अच्छी बनती है, वह बेहतरीन हैं। वह कुछ महीने पहले यहां आए थे। ट्रंप से पूछा गया था कि क्या वह भारत के साथ संबंधों को नए सिरे से बेहतर करने को तैयार हैं, क्योंकि दोनों देशों के बीच संबंधों में बीते दो दशकों का सबसे खराब दौर देखा जा रहा है। ट्रंप प्रशासन के कई अधिकारियों ने कहा है कि भारत द्वारा रूस से तेल की खरीद यूक्रेन में जारी युद्ध में रूस को वित्तीय सहायता प्रदान कर रही है। इन अधिकारियों में बेंसेंट और वाणिज्य सलाहकार पीटर नवारो शामिल हैं। वहीं भारत ने अमेरिका द्वारा लगाए गए शुल्कों को अनुचित और अव्यवहारिक बताया है। भारत का कहना है कि उसकी ऊर्जा जरूरतें राष्ट्रीय हित और बाजार की स्थितियों पर आधारित हैं।

रूस के साथ सौदा करने वाले देशों पर टैरिफ लगाना सही विचार : जेलेंस्की

» न्यूयॉर्क/वॉशिंगटन, भाषा।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने भारत का नाम लिए बिना कहा है कि रूस के साथ सौदा करने वाले देशों पर टैरिफ (शुल्क) लगाना सही विचार है। जेलेंस्की ने रविवार को एबीसी न्यूज़ के दिस वीक कार्यक्रम में प्रसारित एक साक्षात्कार में कहा, मुझे लगता है कि उन देशों पर टैरिफ लगाने का विचार सही है जो रूस के साथ सौदे करना जारी रखे हुए हैं...मुझे लगता है कि यह सही विचार है। जेलेंस्की से पूछा गया था कि क्या उन्हें लगता है कि तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग की तस्वीरें देखकर प्रतिबंध लगाने की उनकी योजना उल्टी पड़ गई।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय वस्तुओं पर टैरिफ दोगुना करके 50 प्रतिशत कर दिया है, जिसमें रूसी कच्चे तेल की भारत द्वारा खरीद पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क भी शामिल है। भारत ने अमेरिकी कार्रवाई को अनुचित और अविवेकपूर्ण करार दिया है। तियानजिन में एससीओ

शिखर सम्मेलन से इतर पुतिन के साथ मोदी की बैठक से दो दिन पहले, जेलेंस्की ने 30 अगस्त को भारत के प्रधानमंत्री को फोन किया था। उन्होंने रूस के शीर्ष नेतृत्व के साथ बैठक के लिए अपनी उत्सुकता जाहिर की और कहा कि युद्ध की समाप्ति तत्काल युद्धविराम से होनी चाहिए। फोन पर बातचीत के बाद, भारत द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि मोदी ने रूस-यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के लिए भारत के दृढ़ और एक समान रुख तथा शीघ्र शांति बहाल करने के प्रयासों के प्रति समर्थन को दोहराया।

न्यूज ब्रीफ

गुयाना के राष्ट्रपति इरफान अली ने दूसरी बार पद की शपथ ली

» मेक्सिको सिटी, भाषा।

गुयाना के राष्ट्रपति इरफान अली ने पिछले सप्ताह हुए चुनावों में जीत दर्ज करने के बाद रविवार को दूसरी बार पद की शपथ ली। चुनाव आयोग ने अली की जीत की पुष्टि करते हुए कहा कि उन्होंने भारी बहुमत से चुनाव जीता है और उनकी पीपुल्स प्रोग्रेसिव पार्टी ने संसद की 65 में से 36 सीट पर जीत हासिल की है। उनकी यह जीत ऐसे वक्त में हुई है जब यह दक्षिण अमेरिकी देश अपतटीय तेल और गैस उत्पादन से अप्रत्याशित लाभ कमा रहा है। ब्राजील, वेनेजुएला और सूरीनाम के बीच स्थित गुयाना ने एक दशक पहले अपतटीय क्षेत्र में खोजे गए विशाल तेल भंडारों और खनिज संपदा के कारण अधिकाधिक ध्यान आकर्षित किया है।

अली को तेल संपदा का कुछ हिस्सा सामाजिक योजनाओं में लगाने के लिए सराहना मिली है। शपथ ग्रहण भाषण में 45 वर्षीय अली ने राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया और कहा कि आने वाले पांच वर्ष देश के लिए निर्णायक होंगे। उन्होंने मुफ्त उच्च शिक्षा, पेंशन दोगुनी कर 500 अमेरिकी डॉलर करने और अगले वर्ष तक बिजली बिल आधा करने का वादा किया। चुनाव में उनका मुकाबला 38 वर्षीय व्यापारी अजरुद्दीन मोहम्मद से था, जिन पर भ्रष्टाचार के आरोप में अमेरिका ने प्रतिबंध लगाए हैं। अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने रविवार को अली को बधाई देते हुए गुयाना की ऊर्जा सुरक्षा और क्षेत्रीय अखंडता के समर्थन का आश्वासन दिया।

ट्रंप की कई आव्रजन नीतियों को अदालतों में दी गई चुनौती

» वाशिंगटन, भाषा।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका के इतिहास में सबसे बड़े निर्वासन कार्यक्रम के तहत लाखों लोगों को देश से बाहर निकालने का वादा किया है लेकिन उनकी कई आव्रजन नीतियों को अमेरिकी अदालतों में कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। उदाहरण के लिए, एक संघीय अपील अदालत ने पिछले सप्ताह फैसला सुनाया कि ट्रंप प्रशासन कथित वेनेजुएला गिरोह के सदस्यों को शीघ्रता से निर्वासित करने के लिए 18वीं सदी के युद्धकालीन कानून का उपयोग नहीं कर सकता। संभवतः यह मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंचेगा। ट्रंप प्रशासन की कुछ नीतियां लाखों लोगों को प्रभावित कर सकती हैं। ट्रंप प्रशासन ने 1798 के एलियन एनिमीज़ एक्ट का उपयोग ट्रेन डी अरगुआ नामक गिरोह के सदस्यों को विदेशी आक्रांता मानते हुए निष्कासित करने के लिए किया।

इन लोगों को एल सल्वाडोर की एक कुख्यात जेल में भेजा गया। बहरहाल, पांचवें

सर्किट कोर्ट ऑफ अपील्स ने अपने निर्णय में कहा कि यह कानून आपराधिक गिरोहों पर लागू नहीं होता। एसीएलयू के वकील ली गेलरंट ने इसे अदालत की निगरानी के बिना आपात स्थिति घोषित करने के प्रशासन के प्रयासों पर लगाम लगाने वाला फैसला बताया। वहीं, व्हाइट हाउस की प्रवक्ता एबिगेल जैकसन ने कहा कि राष्ट्रपति को आतंकवादियों को हटाने और राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने का अधिकार है। एक अन्य नीति के तहत ट्रंप ने 14वें संशोधन की व्याख्या को बदलने के लिए एक कार्यकारी आदेश जारी किया, जिसके तहत अवैध या अस्थाई वीजा पर अमेरिका में मौजूद माता-पिता से जन्मे बच्चों को नागरिकता देने से इनकार किया गया। वॉशिंगटन, एरिज़ोना, इलिनॉय और ओरेगन जैसे राज्यों ने इस आदेश को चुनौती दी, और संघीय अपीलीय अदालत ने जुलाई में इस आदेश को असंवैधानिक ठहराया। सुप्रीम कोर्ट ने व्यवस्था दी कि सैन फ्रांसिस्को में चीनी माता-पिता से जन्मा बच्चा अमेरिकी धरती पर जन्म लेने के कारण अमेरिकी नागरिक है। सैनफ्रांसिस्को की एक संघीय अपील अदालत ने जुलाई के अंत में फैसला सुनाया कि ट्रंप का आदेश असंवैधानिक है, और न्यू हैम्पशायर की निचली अदालत के उस फैसले को बरकरार रखा जिसने इस आदेश को देश भर में लागू होने से रोक दिया था। ट्रंप प्रशासन ने उन आप्रवासियों को एल साल्वाडोर और दक्षिण सूडान जैसे देशों में भेजना शुरू किया जिनका उन देशों से कोई संबंध नहीं है। ट्रंप के अधिकारियों ने कहा है कि ये अप्रवासी अक्सर ऐसे देशों से आते हैं जो उन्हें वापस नहीं लेते या हिंसक अपराधों के दोषी पाए गए हैं। इस साल वकालत करने वाले समूहों ने यह तर्क देते हुए मुकदमा दायर किया कि लोगों के उचित प्रक्रिया अधिकारों का उल्लंघन हो रहा है और अप्रवासियों को उन देशों में भेजा जा रहा है जहाँ मानवाधिकारों के उल्लंघन का लंबा इतिहास रहा है। मार्च में एक संघीय न्यायाधीश ने इस नीति को अस्थाई रूप से रोका था, लेकिन जून में सुप्रीम कोर्ट ने उसे पलटते हुए प्रशासन को निर्वासन जारी रखने की अनुमति दे दी। एसवातिनी भेजे गए पांच व्यक्तियों के वकीलों ने कहा कि उन्हें बिना आरोप या वकील तक पहुंच के जेल में रखा गया है। इस साल के शुरू में दक्षिण कैलिफोर्निया में किए गए व्यापक छापों के दौरान ट्रंप प्रशासन पर नस्लीय प्रोफाइलिंग का आरोप लगा।

श्रीलंका ने मानवाधिकारों पर अंतरराष्ट्रीय कार्रवाई का विरोध किया

कोलंबो, भाषा। श्रीलंका ने सोमवार को जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) में अपने मानवाधिकार रिकॉर्ड पर किसी भी अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप का यह कहते हुए विरोध किया कि ऐसी कार्रवाइयां देश में न्याय और सुलह के लिए चल रहे प्रयासों को कमजोर करती हैं। यूएनएचआरसी के 60वें नियमित सत्र की शुरुआत सोमवार को जिनेवा में हुई, जहां म्यांमा, श्रीलंका, अफगानिस्तान, सूडान, फलस्तीन और सीरिया सहित कई देशों पर रिपोर्ट और मौखिक अद्यतन जानकारी दी जाएंगी। श्रीलंका के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, श्रीलंका का मानना है कि बाहरी पहल केवल राष्ट्रीय प्रयासों में बाधा बनेंगी और लोगों के बीच ध्रुवीकरण को बढ़ावा देंगी। विदेश मंत्री विजिता हेराथ जिनेवा सत्र में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त की अगस्त में प्रकाशित रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देंगे। यह रिपोर्ट मानवाधिकार प्रमुख वोल्कर टर्क की जून के अंत में श्रीलंका यात्रा के बाद तैयार की गई थी। रिपोर्ट में श्रीलंका से अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय की अधिकार क्षेत्र संबंधी रोम संविधि को अपनाने, आतंकवाद निरोधक अधिनियम (पीटीए) के उपयोग पर रोक लगाने, ऑनलाइन सुरक्षा कानून जैसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाने वाले कानूनों को रद्द या संशोधित करने, सुरक्षा बलों को गैर-न्यायिक तरीकों से परहेज करने के निर्देश जारी करने, और निगरानी गतिविधियों को समाप्त करने की सिफारिश की गई थी।

बांग्लादेश पुलिस ने यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के आलोचक को गिरफ्तार किया

» ढाका, भाषा।

बांग्लादेश पुलिस ने सोमवार को कहा कि उसने 1971 के मुक्ति संग्राम के सेनानी और पूर्व नौकरशाह अबू आलम शाहिद खान को गिरफ्तार कर लिया है, जो मुहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार के प्रमुख आलोचक रहे हैं। यह गिरफ्तारी शेख हसीना को अपदस्थ किए जाने के बाद से असहमति जताने वालों को हिरासत में लिए जाने का एक और मामला है। पुलिस ने एक बयान में कहा, उन्हें (खान को) शाहबाग थाने में दर्ज एक मामले में ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस की खुफिया शाखा द्वारा गिरफ्तार किया गया है।

हालांकि, पुलिस ने आरोपों का उल्लेख नहीं किया और न ही गिरफ्तारी का समय एवं स्थान बताया। बयान में कहा गया कि इसी अभियान में पांच अन्य लोगों को भी गिरफ्तार किया गया है, क्योंकि वे अचानक किए जाने वाले विरोध प्रदर्शनों में शामिल थे। इस तरह के प्रदर्शन अपदस्थ प्रधानमंत्री हसीना की अब भंग हो चुकी अवामी लीग के कार्यकर्ताओं द्वारा अकसर आयोजित किए जाते हैं। पुलिस ने बताया कि इन लोगों को तोडफोड़ की कोशिश करने और सार्वजनिक व्यवस्था में खलल डालने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

ह्यूस्टन में जेएलएफ का भव्य आयोजन

सांस्कृतिक संवाद और साहित्यिक विविधता का उत्सव

» ह्यूस्टन, भाषा।

जयपुर साहित्य महोत्सव (जेएलएफ) ने इस सप्ताह अमेरिका में अपने जोशीले अंदाज में वापसी की और इसकी शुरुआत ह्यूस्टन से हुई। यहां तीन दिवसीय आयोजन के साथ जेएलएफ 2025 का 8वां संस्करण रविवार को संपन्न हुआ, जिसमें साहित्यिक चर्चाओं, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और संवाद की बहुरंगी झलक देखने को मिली। पांच से सात सितंबर तक हुए इस कार्यक्रम का आयोजन एशिया सोसायटी टेक्सास, रोथको चैपल, इटरनल गांधी म्यूजयिम ह्यूस्टन और म्यूजयिम ऑफ फाइन आर्ट्स के सहयोग से किया गया। इस वर्ष का उत्सव ह्यूस्टन की सांस्कृतिक विविधता और गौरवशाली विरासत को समर्पित था।

ह्यूस्टन में भारत के महावाणिज्यदूत डी सी मंजूनाथ ने शुक्रवार को म्यूजयिम ऑफ फाइन आर्ट्स में कार्यक्रम का उद्घाटन किया और भारत-

अमेरिका के बीच सांस्कृतिक संबंधों को साहित्य के माध्यम से प्रगाढ़ बनाने की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने शनिवार को उत्सव के आठवें संस्करण के उपलक्ष्य में स्वागत रात्रिभोज का भी आयोजन किया। प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक शेखर कपूर ने उद्घाटन सत्र में राजनीतिक विश्लेषक और स्तंभकार सुनंदा वशिष्ठ के साथ रचनात्मकता और जीवन पर संवाद किया। कपूर ने कहा, डर रचनात्मकता का बड़ा प्रेरक है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अनिश्चितता को नहीं समझ सकता। एक निर्देशक के रूप में मेरा मुख्य कार्य है अपने सेट पर प्रेम का वातावरण बनाना। छह सितंबर को उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मानवता विषय पर एक परिचर्चा में भाग लिया, जिसमें मार्टिन पुचनर और ची रेनर बॉर्नफ्री के साथ उन्होंने इंसान होना क्या मायने रखता है? जैसे मूल प्रश्न पर विमर्श किया। यह सत्र एशिया सोसायटी टेक्सास सेंटर में हुआ। कपूर जेएलएफ के न्यूयॉर्क संस्करण में भी भाग लेंगे जो सात से 10 सितंबर तक नियत है। ह्यूस्टन निवासी और पुरस्कार विजेता भारतीय-अमेरिकी लेखिका चित्रा बनर्जी दिवाकरुनी ने दर्शकों को कला और लेखन के ज़रिए जादुई संसार रचने के लिए प्रेरित किया। दिवाकरुनी की 23 पुस्तकें 30 भाषाओं में अनूदित हो चुकी हैं। उन्होंने रॉब फ्रैंकलिन और तय्यबा कनवाल के साथ जातीयता, शक्ति, संस्कृति और पहचान पर आधारित सत्र में भाग लिया। रोथको चैपल में हुए संगीत और काव्य सत्रों में प्रसिद्ध गायक-संगीतकार आदित्य प्रकाश, संगीतज्ञ डॉ. रोहन कृष्णमूर्ति, कर्नाटक संगीतकार श्रुति सारथी, कवि रेएस रामिरेज़, और विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुतियाँ दी गई, जिनमें कला और साहित्य का सुंदर संगम देखने को मिला। समारोह में अन्य प्रमुख वक्ता जलवायु और जंगल चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. जे लेमेरी, प्रख्यात लेखक अमीश त्रिपाठी, न्यूरोलॉजिस्ट और लेखिका प्रिया आनंद, इंजीनियरिंग विद्वान गुरु माधवन और तिब्बती बौद्ध धर्म के शोधार्थी एंड्रयू क्विंटमैन शामिल थे। समापन सत्र इटरनल गांधी म्यूजयिम में हुआ, जिसमें लेखक और पूर्व राजनयिक अमीश त्रिपाठी ने टीमवर्क आर्ट्स के प्रबंध निदेशक संजय के. रॉय के साथ संवाद किया। रॉय ने कहा, जेएलएफ ह्यूस्टन ने एक बार फिर सिद्ध किया कि साहित्य सीमाओं से परे होता है।

नेपाल की सत्तारूढ़ पार्टी ने भारत व चीन से लिपुलेख व्यापार समझौते को वापस लेने का आग्रह किया

» काठमांडू, भाषा।

नेपाल की सत्तारूढ़ सीपीएन-यूएमएल ने लिपुलेख दर्रे के माध्यम से सीमा व्यापार फिर से शुरू करने के लिए भारत और चीन के बीच हुए समझौते पर आपत्ति जताई है और दोनों देशों से इस व्यवस्था से हटने का आग्रह किया है। भारत और चीन पिछले महीने लिपुलेख दर्रेऔर दो अन्य व्यापारिक बिंदुओं के माध्यम से सीमा व्यापार फिर से शुरू करने पर सहमत हुए थे। नेपाल लिपुलेख को अपना क्षेत्र बताता है, जिसे भारत ने स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया है और कहा है कि यह न तो उचित है और न ही ऐतिहासिक तथ्यों और साक्ष्यों पर आधारित है।

पार्टी सूत्रों ने बताया कि पार्टी ने नेपाल सरकार से उच्च स्तरीय कूटनीतिक पहल के माध्यम से इस मुद्दे को सुलझाने का आग्रह किया है और कालापानी, लिम्पियाधुरा और लिपुलेख सहित काली नदी के पूर्व के क्षेत्र पर नेपाल के अधिकार होने की बात फिर दोहराई है। इसे ललितपुर जिले के गोदावरी नगर पालिका में 5-7 सितंबर को आयोजित प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली के नेतृत्व वाले सीपीएन-यूएमएल के दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन में पारित 28 सूत्री

समकालीन प्रस्ताव में शामिल किया गया था। उन्होंने कहा कि पार्टी ने दोनों देशों से लिपुलेख व्यापार समझौते को वापस लेने का आग्रह किया। प्रस्ताव में प्रधानमंत्री और यूएमएल अध्यक्ष ओली की हालिया चीन यात्रा के दौरान लिपुलेख व्यापार मार्ग समझौते पर असहमति का उल्लेख किया गया तथा कहा गया कि इस रुख से नेपाल की अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा बढ़ी है। इसमें यात्रा के दौरान द्विपक्षीय और बहुपक्षीय कार्यक्रमों का भी उल्लेख किया गया, जिससे विदेशों में देश की छवि बेहतर हुई। सम्मेलन में इस बात पर भी जोर दिया गया कि अध्यक्ष ओली के नेतृत्व में यूएमएल और नेपाली कांग्रेस के बीच सात सूत्री समझौते से राजनीतिक स्थिरता स्थापित हुई है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,